असंशोधित

बिहार विधान-सभा वादवृत्त

सरकारी प्रतिवेदन

10 मार्च, 2016

षोडश विधान सभा — 10 मार्च, 2016 ई0

---------- वृहस्पतिवार, तिथि ----------

द्वितीय सत्र — 20 फाल्गुन, 1937 (शक)

(कार्यवाही प्रारंभ होने का समय - 11.00 बजे पूर्वाह्न)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारंभ की जाती है ।

प्रश्नोत्तर काल

श्री भाई वीरेन्द्रः हुजूर..

अध्यक्ष : अभी तो प्रश्नकाल है ।

श्री भाई वीरेन्द्रः आपने महोदय, कार्रवाई शुरू कर दी है, इसलिए व्यवस्था के प्रश्न पर खड़ा हूं । हमारे विपक्ष के साथी, आने-जाने वाला जो सीढ़ी है, पूरा छेंके रहते हैं । उसकी व्यवस्था आप करें हुजूर । आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है । हो सकता है कि धक्का-मुक्की भी हो जाए ।

(व्यवधान)

मो0 नेमतुल्लाह : अध्यक्ष महोदय..

अध्यक्ष : नेमतुल्लाह जी, आप अपना स्थान ग्रहण करिए ।

हमारा नेता प्रतिपक्ष महोदय और सभी माननीय सदस्यों से आग्रह होगा कि विधान सभा भवन के प्रवेश द्वार पर अगर किसी तरह का विरोध प्रदर्शन करते हैं तो उसमें कम-से-कम माननीय सदस्यों या स्टाफ के आने-जाने एवं आवागमन बाधित नहीं हो, इसका पूरा ख्याल रखा जाए ।

अल्पसूचित प्रश्न संख्याः 3 (श्री संजय सरावगी)

श्री मदन सहनीः माननीय अध्यक्ष महोदय, 1. स्वीकारात्मक है ।

2. अस्वीकारात्मक है ।

राज्य में 7306 पैक्स, 401 व्यापार मंडल एवं 101 निगम क्रय केन्द्रों द्वारा दिनांक 9.3.2016 तक राज्य में कुल 9,95,024 मेट्रिक लाख टन धान का क्रय हो चुका है एवं तेजी से क्रय की जा रही है ।

3. अस्वीकारात्मक है ।

विगत् वर्ष में अल्प वर्षा के कारण उत्पादन में कमी हुई है फिर भी सरकार निर्धारित समय-सीमा के अंदर लक्ष्य प्राप्त करेगी ।

श्री संजय सरावगी: अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने स्वीकार किया है कि लक्ष्य से 30 प्रतिशत भी अभी तक पूरा नहीं हुआ है और समय, अध्यक्ष महोदय, 17-18 दिन बचा हुआ है और 17-18 दिन में 7-8 दिन बंद है और मात्र 10 दिन में माननीय मंत्री जी कैसे लक्ष्य पूरा करेंगे, यह बतावें और राशि कितनी दी गई किसानों के लिए पैक्सों में, क्योंकि 30 लाख टन खरीद करने में 45 सौ करोड़ की राशि लगेगी तो 10 दिन में लक्ष्य कैसे पूरा करेंगे और राशि कितनी दी गई धान को क्रय करने में, जरा बतावें माननीय मंत्री महोदय ।

श्री मदन सहनी: माननीय अध्यक्ष महोदय, जो सदस्य की चिंता है उससे हमलोग अवगत हैं । अब तक हमलोगों ने पिछले साल की तुलना में ज्यादा धान का क्रय भी किया है और चावल भी हमलोगों ने उससे ज्यादा प्राप्त कर लिया है और किसानों का भुगतान भी हमलोग अब तक पिछले साल की तुलना में ज्यादा किए हैं । इसलिए हम अवगत कराना चाहते हैं कि हमलोगों ने अब तक 999 करोड़ 28 लाख 99 हजार 55 रूपया दे चुके हैं सी.सी.लिमिट में और जो किसानों का पेमेंट हुआ है वह 883 करोड़ 03 लाख 74 हजार 789 रूपया है । चावल हमलोगों ने 03 लाख 03 हजार 287 मेट्रिक टन अभी तक प्राप्त कर चुके हैं ।

श्री संजय सरावगी: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने कहा कि 800 करोड़ रूपया हम दे चुके हैं जबकि 30 लाख टन धान क्रय करने में 4500 करोड़ रूपया चाहिए और जो रोटेशन का हिसाब है कि पहले पैक्स को जाएगा, पैक्स से मिलर को जाएगा, मिलर से फिर चावल निकलेगा, फिर एस.एफ.सी.को जाएगा, फिर वह पैसा रोटेशन होगा । दो बार से ज्यादा पैसा रोटेशन नहीं हो सकता है और सरकार पैसा दे नहीं रही है अध्यक्ष महोदय । मेरा यह प्रश्न है अध्यक्ष महोदय कि माननीय मंत्री जी ने कहा कि 09 लाख 97 हजार टन चावल हमलोग खरीदे जो लक्ष्य से 30 प्रतिशत से भी कम है और कुछ जिल तो ऐसे हैं जहां 10 प्रतिशत भी लक्ष्य पूरा नहीं हुआ है तो माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहते हैं कि खरीदे आप 09 लाख 97 हजार और चावल बना मात्र 03 लाख, तो यहां भी कैसे होगा अध्यक्ष महोदय कि 03 लाख ही चावल बना और 03 लाख का ही भुगतान होगा तो यह तो 'न तो नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी' ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप क्या चाहते हैं ?

श्री संजय सरावगी: अध्यक्ष महोदय, हम यही चाहते हैं कि सरकार की कार्य पद्धति जो है, 30 लाख टन सरकार की खरीदने की मंशा नहीं है । अध्यक्ष महोदय, बतावें कि 10 दिन में

क्या कार्य योजना है जो 20 लाख से उपर खरीद करना है और 10 दिन केवल बचे हुए हैं। क्या योजना है मंत्री जी की 10 दिन के अंदर, तीन महीने में अध्यक्ष महोदय, तीन महीने में 10 लाख टन से कम खरीदा गया और माननीय मंत्री जी कहते हैं कि 10 दिन में हम 20 लाख टन खरीद लेंगे तो क्या कार्य योजना है कि 10 दिन में छूमंतर और जादू हो जाएगा ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्य एक ही बात जानना चाहते हैं कि आपकी अधिप्राप्ति टारगेट से कम है उसको पूरा करने के लिए सरकार क्या कर रही है ? वही माननीय सदस्य जानना चाह रहे हैं ।

श्री मदन सहनी : महोदय, हमलोग तुलना के रूप में पिछले वर्ष का भी चर्चा किया है । हमलोग पिछले वर्ष की भाँति इस बार ज्यादा अधिप्राप्ति भी कर चुके हैं । चावल भी ज्यादा प्राप्त कर चुके हैं और किसानों का भुगतान भी त्वरित गति से कर रहे हैं और जो शेष लक्ष्य है तो उसके लिए हम पूरे तौर से सजग है, प्रयासरत हैं । महोदय, आपके माध्यम से सदन को और माननीय सदस्य को भी आश्वस्त करते हैं कि हमलोग लक्ष्य की प्राप्ति कर लेंगे ।

श्री संजय सरावगी: अध्यक्ष महोदय, आश्वासन से काम चलेगा क्या ? कार्य योजना माननीय मंत्री जी को बताना चाहिए कि 10 दिन में क्या करेंगे और माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि अगले वर्ष से हम ज्यादा खरीद लिए ।

अध्यक्ष : आपका अंतिम पूरक है ।

श्री संजय सरावगी: जी । वही बताना चाहता हूं । माननीय मंत्री जी ने कहा है कि पिछले साल से ज्यादा खरीद लिए तो मैं माननीय मंत्री जी को और सदन को बताना चाहता हूं कि अध्यक्ष महोदय कि सीतामढ़ी में 08 प्रतिशत् लक्ष्य के, बक्सर ऐसे जगह जो चावल का है वहां 20 प्रतिशत भी लक्ष्य पूरा नहीं हुआ अध्यक्ष महोदय, खगड़िया में 15 प्रतिशत लक्ष्य पूरा नहीं हुआ और जहां से माननीय मतंत्री जी आते हैं वहां भी 20 प्रतिशत लक्ष्य पूरा नहीं हुआ अध्यक्ष महोदय । अध्यक्ष महोदय, कार्य योजना बतावें कि 10 दिन में सरकार कैसे खरीद लेंगे ?

अध्यक्ष : आप पूरक पूछ चुके थे ।

श्री संजय सरावगी: उसका उत्तर नहीं आया था अध्यक्ष महोदय ।

अध्यक्ष : उन्होंने बताया कि उन्होंने निदेश दिया है पूरा करने के लिए ।

श्री संजय सरावगी : आश्वासन दिया है अध्यक्ष महोदय ।

अध्यक्ष : अगर अधिकारियों को निदेश दिया जाता है तो वह भी कार्य योजना का ही अंश होता है ।

श्री संजय सरावगी: नहीं, अध्यक्ष महोदय ।

श्री प्रेम कुमार : अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : बैठिये । आपके नेता खड़े हैं ।

श्री प्रेम कुमार : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ..

श्री श्रवण कुमार: महोदय, किस खेत में धान है जो अभी तक नहीं खरीदा गया, यह तो पहले बतावें कि कौन जमीन में धान है महोदय ।

श्री संजय सरावगी: माननीय मंत्री जी चलें मेरे साथ और हम बताएंगे कि किस खेत में धान हुआ है । अभी तक गेहूं लहलहा रहा है । चलें मेरे साथ माननीय मंत्री जी, दिखाते हैं।

अध्यक्ष : लगता है संजय जी कि आपके भूमि वाले संपत्ति का इनको ज्ञान नहीं है ।

(व्यवधान)

अध्यक्ष : बैठिये । नेता, प्रतिपक्ष खड़े हैं ।

श्री प्रेम कुमार : महोदय, सरकार ने बताया कि पिछली बार अच्छी धान की अधिप्राप्ति हुई है । आजादी के बाद पहली बार इसी बिहार में राजधानी पटना में मनेर प्रखंड में सर्वोक्ता ग्राम में महोदय, किसानों का धान नहीं खरीदा गया और गजेन्द्र किसान की सल्फाइड खाने से मृत्यु हो गई थी और राम सागर शर्मा, उनका धान भी क्रय नहीं हो पाया था, तो पहली बार महोदय, बिहार में घटना घट रही है और माननीय सदस्य ने कहा है महोदय... क्रमश:

टर्न–2/राजेश/10.3.16

श्री प्रेम कुमार, क्रमशः- महोदय, जैसा मैंने कहा कि समय कम रह गया है तो सरकार आखिर किस तरह से कम समय में धान क्रय कर पायेगी और महोदय जो धान क्रय किया गया है, तो हम जानना चाहते हैं कि उन किसानों को राशि का भुगतान हो पाया है कि नहीं और महोदय एक बात और मैं जानना चाहता हूँ कि बगल में हमारा भाजपा शासित राज्य छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश राज्य है, वहाँ इतना अच्छा प्रोक्योरमेंट है, धान का कटोरा कहा जाता है शाहाबाद, किसान इसकी प्रशंसा कर रहे थे कि बगल के राज्य छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में इतना सरल तरीके से किसानों का धान क्रय किया जा रहा है, हम आग्रह करना चाहेंगे माननीय मंत्री जी से, आपने तो बोनस का एलान किया नहीं, पिछले साल बोनस मिला था महोदय लेकिन पिछले साल के राशि का भुगतान नहीं हो पाया है, तो मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि धान क्रय के मामले में पिछले साल का जो ढ़ाई लाख मिट्रिक टन का बकाया है,उसका भुगतान कब तक करेगी।

अध्यक्षः- माननीय नेता प्रतिपक्ष, अभी माननीय मंत्री ने इस बार जो धान अधिप्राप्ति की स्थिति है, उसके संबंध में बताया है कि 9 मार्च तक 9 लाख 97 हजार मिट्रिक टन की अधिप्राप्ति हुई है, इन्होंने 999 करोड़ रुपये का आवंटन दिया है, जिसमें से 812 करोड़ रुपया किसानों को दिया गया है, यह बात सही है, इसको सरकार ने स्वीकार किया है कि लक्ष्य से कम है लेकिन पिछले साल की तुलना में हम आगे हैं और बाकी जो बचा हुआ है, उसको करने के लिए सरकार निदेश दे रही है।

श्री प्रेम कुमारः- महोदय, सरकार ने ऐलान किया था धान क्रय केन्द्र खोलने के संबंध मे, तो मैं माननीय मंत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि धान क्रय केन्द्र खोलने का कुल कितना लक्ष्य था और कितना बिहार में खुला और वर्तमान में जो धान क्रय किया गया, उसका भुगतान हुआ कि नहीं । महोदय, मैंने तीन बात कही है कि नंबर 1 लक्ष्य कितना था नम्बर–2 कितना खोला गया और नम्बर–3 कितने राशि का भुगतान हुआ तो मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः- अध्यक्ष महोदय, एक तो यह अवधारणा ही गलत है कि सरकार संपूर्ण धान खरीदने का लक्ष्य रखती है, मिनिमम सपोर्ट प्राईस जो भारत सरकार तय करती है बाजार में, उससे कम दाम पर अनाज न बिके, इसलिए सरकार बाजार में सपोर्ट प्राईस को मेनटेन करने के लिए एक टारगेट बनाकर धान खरीद पैक्स के माध्यम से करती है, यह

अवधारणा की 100 प्रतिशत धान सरकार खरीदेगी, यह किसी भी राज्य में नहीं होता है, इसलिए यह अवधारणा ही गलत है.....(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार:- महोदय, धान खरीद के मामले में काफी महोदय अनियमितता है, तो हम सरकार से जानना चाहते हैं कि क्या सरकार इस जिले में धान क्रय में अनियमितता की जांच कराना चाहती है। महोदय, यह गंभीर मामला है.....(व्यवधान)

अध्यक्ष:- सरकार निदेश देगी।

तारांकित प्रश्न संख्या- 410 (डा0 शमीम अहमद)

श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा:- महोदय, इसमें समय की आवश्यकता है।

अध्यक्ष:- ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्या- 902 (श्री मो0 तौसीफ आलम)

श्री मदन सहनी:- महोदय, 1:- उत्तर अस्वीकारात्मक है। राज्य खाद्य निगम बहादुरगंज के 81 बिक्रेता एवं टेढ़ागाछ प्रखंड के छह बिक्रेता से संबंध है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत माह नवंबर एवं दिसम्बर 2015 में पी0एच0एच0 एवं अन्त्योदय में कुल खाद्यान का आवंटन एवं उठाव निम्नवत है:-

नवंबर 2015 गेहूं-3494 और चावल-5241, अन्त्योदय में गेहूं-1597 एवं चावल-2395, दिसम्बर माह में गेहूं-3494 एवं चावल-5241, अन्त्योदय में गेहूं-1584 एवं चावल-2376, कुल हमलोगों ने आवंटन दिया है अध्यक्ष महोदय अन्त्योदय में गेहूं - 3181 और चावल-4771, पी0एच0एच0 में गेहूं-6998 और चावल-10484 ।

2. उत्तर अस्वीकारात्मक है।

3. उपर्युक्त खण्ड में स्थिति स्पष्ट कर दी गयी है।

श्री मो0 तौसीफ आलम:- अध्यक्ष महोदय, उस दिन के पेपर में आया है और काफी हंगामा भी हुआ था, डीलर लोगों को 90 किलो चावल दे रहा था, उसी तरह से गेहूं भी 10 किलो कम दे रहा था प्रति बोरा में, तो हम आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहेंगे कि यह जो लीपा-पोती जवाब वहॉं से आया है,आप उसके आधार पर बोल रहे हैं या फिर हम स्थानीय विधायक के नाते जो प्रश्न किये है और प्रूभ के तौर पर हम उस दिन का पेपर भी दिये है और वहॉं काफी हंगामा हुआ था..... (व्यवधान)

अध्यक्ष:- आप पूरक पूछ चुके हैं, अब आप बैठ जाइये। माननीय मंत्री जी, आप माननीय सदस्य के प्रश्न पर गौर कीजिये कि आपने जो आवंटन की मात्रा बतायी है, माननीय सदस्य का इतना ही कहना है कि सही वजन से नहीं दिया जाता है,कम दिया जाता है,उनका प्रश्न यही है, उसके संबंध में जब माननीय सदस्य कह रहे हैं, तो उसको दिखवा लीजिये।

श्री मदन सहनी:- अध्यक्ष महोदय, हमने इस प्रश्न को समीक्षा के दरमियान देखा था और जवाब पर हमको लगा कि हम खुद अपने स्तर से भी जांच कर लें, तो हमलोगों के पास पदाधिकारी से भी रिर्पोट आया था लेकिन फिर दोबारा हमने बात किया, हमने इसको छान-बीन कर लिया है, आवंटन के हिसाब से मिलता है, जो कम लिखा गया है प्रश्न में, वैसी स्थिति नहीं है।

अध्यक्ष:- सिर्फ आवंटन की बात नहीं है, उनका कहना है कि वजन कम दिया जाता है,उसको दिखवा लीजिये।

श्री मदन सहनी:- महोदय, हम इसको दिखवा लेते है।

अध्यक्ष:- ठीक है।

श्री समीर कुमार महासेठ:- महोदय,एक तरफ मधुबनी में टोटल मशीन ही खराब है...(व्यवधान)

श्री मो0 तौसीफ आलम:- अध्यक्ष महोदय, डीलर लोगों को चावल कब मिलेगा, गेहूं कब मिलेगा, तो वह तो अनाज कम जनता को ही न देगा, चोरी तो तब करेगा, जब उसको कम मिलेगा, जब डीलर को पूरा माल मिलेगा, तो डीलर लोग चोरी नहीं करेगा। हम यह कहना चाहेंगे आपके माध्यम से, माननीय मंत्री जी को, कि यह जो कम दिया जा रहा है, उसका पूर्ति कैसे हो और इसमें उस दिन जो हंगामा हुआ, इसका जांच कराया जाय ताकि यह स्पष्ट पता चले कि यह .....(व्यवधान)

अध्यक्ष:- माननीय सदस्य तौसीफ जी, माननीय मंत्री कह चुके है कि सूचना के आधार पर फिर से इसकी जांच करायेंगे वो और जांच में जो आप बिन्दु बता रहे हैं,उसको भी शामिल कर लेंगे।

श्री मो0 तौसीफ आलम:- महोदय, किससे जांच करायेंगे।

श्री भाई वीरेन्द्र:- महोदय, यह पूरा बिहार का मामला है.....(व्यवधान)

अध्यक्ष:- किससे जांच कराना चाहते हैं ?

श्री मो0 तौसीफ आलम:- कलक्टर से ।

श्री मदन सहनी:- जिला पदाधिकारी से जांच करा देंगे।

श्री मो0 तौसीफ आलम:- महोदय, एक समय सीमा दिया जाय।

अध्यक्ष:- कलक्टर से जांच करायेंगे।

<u>तारांकित प्रश्न संख्या:- 903 (श्रीमती प्रेमा चौधरी)</u>

श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा:- महोदय, उत्तर आंशिक रुप से स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि वैशाली जिला के पातेपुर ग्रामीण जलापूर्ति योजना की स्वीकृति वर्ष 2006-07 में दी गई थी, जिसे वर्ष 2009-10 में चालू किया गया। परन्तु सड़क निर्माण के क्रम में नवंबर,

2015 में पाईप लाईन क्षतिग्रस्त होने के कारण जलापूर्ति बाधित हो गई है। जलमीनार का निर्माण पूर्ण है एवं कार्यरत है। पाईप लाइन की मरम्मति का कार्य कराया जा रहा है, जिसे 15 दिनों में पूर्ण कराकर जलापूर्ति पुनः प्रारंभ करने का लक्ष्य है।

मालपुर ग्रामीण पाईप जलापूर्ति योजना की स्वीकृति वर्ष 2009-10 में दी गई है। इस योजना का निर्माण कार्य (जलमीनार सहित) पूर्ण कर जलमीनार से जलापूर्ति चालू कर पाईप लाईन की टेस्टिंग की जा रही है। इस योजना में कुछ जगह पाईप लाईन रोड बनने के क्रम में टूट गया है, जिसकी मरम्मति कराकर 15 दिनों में योजना पूर्ण रुप से चालू की जाएगी।

श्रीमती प्रेमा चौधरी:- अध्यक्ष महोदय, हम जब से देख रहे हैं दोनों ही पानी टंकी को वह यथावत् बना हुआ है और इससे नागरिकों को लाभ नहीं मिला है। इसलिए सरकार का जो 7 निश्चय प्रोग्राम है,उसमें यह बहुत ही महत्वपूर्ण है जबकि कहीं बना हुआ नहीं है लेकिन वहॉ बना हुआ है जलमीनार लेकिन उसको नहीं चालू किया गया है लेकिन अब ये 15 दिनों में कह रहे हैं कि करा देंगे लेकिन हमें भरोसा नहीं हो रहा है कि 15 दिनों में ये करा देंगे, जो वर्षो से नहीं हुआ है।

टर्न-03/कृष्ण/10.03.2016

अध्यक्ष : अभी जब माननीय मंत्री जी सदन में आश्वासन दे रहे हैं तो श्रीमती प्रेमा जी, अभी आपको भरोसा करना चाहिए ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 904 (श्री मो0 तौसीफ आलम)

श्री महेश्वर हजारी : माननीय अध्यक्ष महोदय,उत्तर स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि दिनांक 13.02.2016 को आयोजित जला स्तरीय संचालन समिति द्वारा प्रश्न में वर्णित योजना का अनुमोदन प्रदान किया जा चुका है एवं योजना के कार्यान्वयन हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करने की कार्रवाई की जा रही है ।

श्री मो0 तौसीफ आलम : कब तक जो जायेगा ?

श्री महेश्वर हजारी : महोदय, मीटिंग में विलंब हो गयी, जिसके कारण कार्य प्रारंभ नहीं हुआ । जल्द से जल्द यह कार्य प्रारंभ करायेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 905 (श्रीमती गायत्री देवी)

श्री मदन सहनी : अध्यक्ष महोदय, 1. अस्वीकारात्मक है ।

सीतामढ़ी जिला के सोनवरसा प्रखंड में दिनांक 08.03.2016 तक 251 किसानों से 11,216 क्वींटल एवं परिहार प्रखंड के 75 किसानों से 3,894 क्वींटल धान की खरीदारी की जा चुकी है ।

2. वस्तुस्थिति यह है कि धान अधिप्राप्ति वर्ष 2015-16 में परिहार प्रखंड में प्रखंड स्तर पर व्यापार मंडल सहयोग समितियां, परिहार द्वारा अधिप्राप्ति का कार्य प्रारंभ करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है । सोनबरसा प्रखंड में प्रखंड स्तर पर व्यापार मंडल सहयोग समितियों में फोरम के अभाव में धान अधिप्राप्ति प्रारंभ नहीं हो पा रहा है । सरकार उक्त प्रखंडों के किसानों का धान पैक्सों के माध्यम से खरीद रही है तथा परिहार प्रखंड के व्यापार मंडल में अधिप्राप्ति कार्य करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है ।

श्रीमती गायत्री देवी : महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाषण में राज्य सरकार ने किसानों के लिये लंबी-चौड़ी बातें की है और किसानों की धान की खरीदारी नहीं हो रही

है। महोदय, किसान तबाह और परेशान है । 3 सालों से मेरे क्षेत्र में किसान सुखाड़ की मार झेल रहे है ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्या श्रीमती गायत्री देवी जी, अभी आप परिहार और सोनबरसा प्रखंडों के बारे में पूछ रहीं हैं ।

श्रीमती गायत्री देवी : जी । अभी किसानों ने मिहनत के बदौलत खेतों में धान ऊपजाने का काम किया और न पैक्स धान खरीद रही है और न एस0एफ0सी0 धाान खरीद रही है । किसान जाये तो कहां जाय ? महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहती हूं कि सोनबरसा और परिहार प्रखंड में धान खरीदने का लक्ष्य क्या था ओर अभी तक कितनी खरीदारी हुई है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री ने बताया है कि 251 किसानों से 11,216 क्वीटल धान अधिप्राप्ति की गयी है । उन्होंने अपने उत्तर में बताया है ।

श्रीमती गायत्री देवी : लक्ष्य क्या था ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्या लक्ष्य पूछ रही हैं ।

श्री मदन सहनी : महोदय, लक्ष्य के बारे में इस प्रश्न में नहीं पूछा गया है । इन्होंने प्रश्न में पूछा है कि वहां खरीदारी नहीं हो रही है, जिसके बारे में हमने बताया कि सोनवरसा प्रखंड में दिनांक 08.03.2016 तक 251 किसानों से 11,216 क्वींटल एवं परिहार प्रखंड के 75 किसानों से 3,894 क्वींटल धान की खरीदारी की जा चुकी है।

श्रीमती गायत्री देवी : मैं सुनी नहीं । लक्ष्य कितना है ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री के पास अभी लक्ष्य उपलब्ध नहीं है । आप अगला प्रश्न पूछिये ।

श्रीमती गायत्री देवी : कब तक ?

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, माननीय सदस्या जानना चाह रही हैं कि दोनों प्रखंडों में लक्ष्य के विरूद्ध धान की अधिप्राप्ति कितनी हुई है ?

श्री मदन सहनी : अध्यक्ष महोदय, हमलोगों को 31मार्च तक धान की अधिप्राप्ति करनी है और इस बीच जो भी किसान जो पैक्स के यहां या व्यापार मंडल में आते हैं, वैसे एक-एक किसान से हमलोगों को धान लेना है और जो भी किसान बचे हुये होंगे, अगर वे पैक्स में आते हैं, व्यापार मंडल में आते हैं तो हमलोग उनका धान खरीदेंगे ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 906 (श्री श्याम रजक)

श्री महेश्वर हजारी : 1. उत्तर स्वीकारात्मक है ।

2. नगर कार्यपालाक पदाधिकारी नगर पंचायत, नौबतपुर से प्राप्त जांच प्रतिवेदन एवं सशक्त स्थायी समिति नगर पंचायत, नौबतपुर तथा नगर प्रबंधक के प्रतिवेदनों में विरोधाभास होने के कारण विभाग के वरीय पदााधिकारी को पूरे मामले की जांच प्रक्रियान्तर्गत है । जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने पर दोषी व्यक्तियों के विरूद्ध नियमानुकूल कार्रवाई की जायेगी ।

श्री श्याम रजक : अध्यक्ष महोदय, जो जांच प्रतिवेदन है, वह एक दूसरे के विपरीत है । आपस में तुलना नहीं है । महोदय, 2013 का मामला है । हम जानना चाहते हैं कि विज्ञापन नीति के खिलाफ है और जो नगरपालिका ऐक्ट,2007 की धारा 37 की उपधारा 9 का उल्लंघन है । इन्होंने जांच कराया और जांच प्रतिवेदन भी आ गया । महोदय, सीधा-सीधा नगरपालिका का ऐक्ट है और फिर जांच की बात करना और फिर उसको लिंगर करना यह कहां तक न्यायोचित है और विज्ञापन नीति का उल्लंघन किया गया है, नगरपालिका के ऐक्ट का उल्लंघन किया है, यह सारा कुछ प्रतीत है। इसके बाद इसको लिंगर करना, बात साफ है कि ताकने-झांकने का काम कर रहे हैं ।

श्री महेश्वर हजारी : अध्यक्ष महोदय, जांच जो करवाये थे, जांच प्रतिवेदन जो आया है, दोनों जांच में कोई मेल नहीं खा रहा था, माननीय सदस्य चूंकि पूर्व मंत्री जी है और वरीष्ठ साथी भी है तो हमने स्पेशल आदेश दिया है कि इसको शीघ्र दो महीना के अंदर जांच करवा कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेंगे ।

श्री श्याम रजक : अध्यक्ष महोदय, 14 लोगों की नियुक्ति कर दी गयी । बिना नियम-कानून के लागू किये हुये हैं । अब माननीय मंत्री जी दो महीने का समय मांग रहे हैं । हम जानना चाहते हैं कि कम से कम कितना समय में इस पर कार्रवाई करेंगे ?

श्री महेश्वर हजारी : अध्यक्ष महोदय, चूंकि प्रक्रिया होती है ।

अध्यक्ष : आप दिखवा लीजिये । माननीय सदस्य कह रहे हैं कि पहले भी जांच हो कर एक रिपोर्ट आ चुकी है । अगर आ चुकी है तो आप शीघ्र कार्रवाई कीजिये ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 907 (श्री अशोक कुमार)

श्री कृष्णनन्दन वर्मा : अध्यक्ष महोदय, आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि समस्तीपुर जिला के भिरहा ग्रामीण जलापूर्त्ति योजना से सीधी जलापूर्त्ति की जा रही है । जल वितरण प्रणाली में ढठ्ठा ग्राम में पुल निर्माण के क्रम में पाईप लाईन क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण मरम्मति में कठिनाई उत्पन्न हो रही है । क्षतिग्रस्त पाईप लाईन की मरम्मति कराकर जलापूर्त्ति शीघ्र चालू करने हेतु निदेश कार्यपालक अभियंता,समस्तीपुर को दिया गया है ।

तारांकित प्रश्न संख्या : 908 (श्री आबिदुर रहमान)

श्री कृष्णनन्दन वर्मा : अध्यक्ष महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि अररिया जिलान्तर्गत वर्ष 2014-15 के मुख्यमंत्री चापाकल योजना के 1217 चापाकल के लक्ष्य के विरूद्ध अबतक कुल 790 चापाकल के अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है । इसी प्रकार 2015-16 के मुख्यमंत्री चापाकल योजना के 1217 चापाकल के लक्ष्य के विरूद्ध अभी तक कुल 50 चापाकल के अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण कर लिया गया है ।

टर्न-4/सत्येन्द्र/10-3-16

तारांकित प्रश्न संख्या- 908(श्री आबिदुर रहमान)

श्री आबिदुर रहमानः अध्यक्ष महोदय,मेरे क्षेत्रान्तर्गत 30 पंचायत है और 29 नगर इकाई है जिसमें से 30 में से 10 पंचायत में गड़वा दिया गया है और 20 बाकी है और 29 नगर में बाकी है। कबतक गड़वा देने का कष्ट करेंगे?

श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्माः महोदय,2014-15 में हमलोग लक्ष्य के करीब पहुंच गये हैं लेकिन 2015-16 में स्थिति थोड़ी भिन्न हो गयी है और इस संबंध में उच्चस्तरीय निर्णय लिया जाना है उसके बाद जो आदेश होगा उसी हिसाब से इसका काम किया जायेगा। अभी इसके निर्णय की प्रतीक्षा में है।

अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी वो 2014-15,2015-16 का जो बचा हुआ है उसके संबंध में कह रहे हैं उसको देखवा लीजिये, पहले का है तो उसको करवा दीजिये।

श्री भाई वीरेन्द्र: महोदय,यह पूरे बिहार का मामला है और विभागीय जो आया है निर्देश कि जो गड़ गया, गड़ गया जो बाकी है नहीं गड़ेगा। यह तो गलत बात है, लेयर भागता जा रहा है पूरे बिहार में, अभी पानी की व्यव्स्था नहीं होगी तो हाहाकार मचा हुआ रहेगा पूरे बिहार में तो माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से हम कहना चाहेंगे कि आप निर्देशित कर दीजिये कि जो 2015-16 का है वो चापाकल गड़ जाये।

(व्यवधान)

श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा: अध्यक्ष महोदय,चूंकि सात निश्चय में सरकार ने निर्णय लिया है।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार: महोदय,सात निश्चय से इसका क्या मतलब है, सात निश्चय से मुख्यमंत्री चापाकल योजना का क्या मतलब है?

(व्यवधान)

श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा: मेरी बात तो सुनिये आप।

अध्यक्ष माननीय मंत्री जी ,माननीय सदस्य सिर्फ यह कह रहे हैं कि 2015-16 में जो विधायकों द्वारा अनुशंसित स्थल हैं उस पर चापाकल गड़वा दिया जाये यही तो कह रहे हैं।

श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा:माननीय सदस्य, हमारी बात तो सुन लीजिये आप। सब के हित में है। अध्यक्ष महोदय, 2015-16 के लिए जिन भी क्षेत्रों में टेंडर हो चुका है, वहां चापाकल गाड़ा जायेगा और जहां टेंडर नहीं हुआ है, उसमें चूंकि हमलोग पाईप लाईन से जलापूर्त्ति करने की व्यवस्था कर रहे हैं, उसका सारा इंतजाम कर रहे हैं।

(व्यवधान)

भाई वीरेन्द्र: 2015-16 का टेंडर पूरे बिहार में हो गया है।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार: महोदय,पूरे राज्य में पानी का हाहाकार है,वर्षा महोदय कम हुआ है और पानी का लेयर नीचे चला गया है। माननीय सदस्यों की चिन्ता जो है सरकार ने घोषणा किया था वित्तीय वर्ष 2015-16 में लगाने के संबंध में, सरकार अविलम्ब सभी क्षेत्रों गड़वाने की घोषणा करें। सात निश्चय का मतलब क्या है, सरकार टालने का काम कर रही है इसलिए आपके माध्यम से आग्रह सरकार से होगा कि सरकार अविलम्ब युद्धस्तर पर सभी क्षेत्रों में

शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण क्षेत्र हो चापाकल जो गड़ना था, सात निश्चय से उसको जोड़ने का काम न करे, लगवाने का काम करें।

अध्यक्षः माननीय प्रेम बाबू, अभी माननीय मंत्री ने बतलाया है कि 2014-15, 2015-16 के जिन स्थलों का माननीय सदस्यों ने अनुशंसा की थी, जो टेंडर हो गया है वो गाड़े जायेंगे। वही माननीय मंत्री जी ने कहा है।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमारः महोदय,टेंडर कराने का काम सरकार का है विभाग का काम है। माननीय सदस्यों ने जो अनुशंसा कर दिया है तो टेंडर कराने की जिम्मेवारी माननीय विधायकों की नहीं है, ये सरकार की जिम्मेवारी है, विभाग की जिम्मेवारी है टेंडर कराना, हम चाहेंगे कि जिन माननीय सदस्यों ने सभी क्षेत्रों में पूरे राज्य के 243 विधान सभा क्षेत्रों में अबिलम्ब सरकार युद्धस्तर पर चापाकल गड़वाने की कार्रवाई करें।

अध्यक्षः ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्या- 909(डॉ0 सी0एन0गुप्ता)

श्री मदन सहनीः अध्यक्ष महोदय(1)उत्तर अस्वीकारात्मक है। छपरा शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अन्तर्गत उपभोक्ताओं के बीच खाद्यन्न का वितरण सरकारी मानक के अनुसार एवं सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर खाद्यन्न का वितरण किया जाता है।

डॉ0 सी0एन0गुप्ताः माननीय अध्यक्ष महोदय,राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उद्देश्य लोगों को सस्ती दर पर पर्याप्त मात्रा में उत्तम खाद्यान्न उपलब्ध कराना है ताकि इन्हें कुपोषण से बचाया जाय एवं खाद्य सुरक्षा में सम्मान के साथ जीवन जी सके।

अध्यक्षः आपका पूरक क्या है।

डॉ0 सी0एन0गुप्ताः हमारे जिले से संबंधित जो बात रखी है वह है ही, इसके अलावे पूरे बिहार में इस तरह की बातें कही जा रही है।

अध्यक्षः अभी आपने छपरा जो शहरी क्षेत्र के बारे में पूछा है,आप अपना पूरक भी उसी तक सीमित रखिये।

डॉ0 सी0एन0गुप्ताः अगर मंत्री जी को प्रमाण की जरूरत होगी तो हम ये प्रमाण उपलब्ध करायेंगे और इसकी खोजबीन होनी चाहिए।

अध्यक्षः प्रमाण उपलब्ध करवा दीजिये सरकार जांच करा कर के कार्रवाई करेगी।

तारांकित प्रश्न संख्या-910(श्री राम नारायण मंडल)

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

तारांकित प्रश्न संख्या- 911(श्री सिद्धार्थ सिंह)

श्री आलोक कुमार मेहता:अध्यक्ष महोदय,(क) अस्वीकारात्मक है। बिहार राज्य के वैसे किसान जो अपनी जमीन पर खेती नहीं करते हैं वैसे किसानों को उनकी ऊपज का न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करने हेतु खाद्य और उपभोक्ता संरक्षण विभाग के पत्रांक 9384 दिनांक 18-12-15 द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि इस प्रकार के किसानों का ऑनलाईन पंजीयन हेतु भूमि की विवरणी के साथ फोटो युक्त पहचान पत्र के आधार पर आवेदन प्राप्त की जाय और वैसे किसानों के द्वारा खेती की जाने वाली भूमि एवं फोटोयुक्त पहचान के सत्यापन के उपरांत ऑनलाईन रजिष्ट्रेशन करा सकते हैं। ऐसे किसानों के आवेदन के सत्यापन हेतु जिला स्तर पर कृषि विभाग के द्वारा सत्यापन एवं पंजीयन की व्यवस्था लागू की गयी है ताकि किसी भी प्रकार की फर्जीवाड़ा से बचा जा सके।

श्री सिद्धार्थ सिंह: महोदय,यह समाज का सबसे पिछड़ा और गरीब वर्ग है और आसान माध्यम बनाने की आवश्यकता है। चूंकि ये वर्ग जहां ऑनलाईन रजिष्ट्रेशन हो या कोई चीज हो वो लोग समझने से बहुत दूर हैं इसलिए मैं आग्रह करना चाहूंगा कि इनके धान खरीद की जो प्रक्रिया है उसे ज्यादा से ज्यादा आसान बनाया जाय।

अध्यक्ष: ठीक है।

तारांकित प्रश्न संख्या- 912(डॉ0 रंजू गीता)

श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा: आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। वस्तुस्थिति यह है कि सीतामढ़ी जिला के ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल सुविधा हेतु कुल 27873 अदद चापाकल निर्मित है इसके साथ ही 17 ग्रामीण पाईप जलापूर्त्ति एवं 17 मिनी जलापूर्त्ति के माध्यम से पेयजल सुविधा उपलब्ध करायी जाती है तथा शेष 25 अदद जलापूर्त्ति योजना निर्माणाधीन है। सीतामढ़ी जिला के अन्तर्गत स्वच्छ भारत मिशन, ग्रामीण लोहिया स्वच्छता योजना अन्तर्गत अबतक 89155 ग्रामीण परिवारों के लिए शौचालय का निर्माण कराया जा चुका है। जिला को खुले में शौच मुक्त बनाने हेतु प्रशिक्षित मोटिवेटेड के माध्यम से ग्रामीणों का सामुहिक व्यवहार परिवर्त्तन करते हुए ग्राम पंचायतों को खुले में शौचमुक्त बनाने की कार्रवाई की जा रही है। सीतामढ़ी जिला में अबतक चार ग्राम पंचायतों को समुदाय द्वारा खुले में शौचमुक्त घोषित किया गया है। विकसित बिहार के साथ निश्चय में से शौचालय निर्माण हर घर सम्मान अनतर्गत खुले में

शौचमुक्त स्वस्थ्य एवं स्वच्छ बिहार के लिए लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत अगले पांच वर्षों में हर घर में शौचालय की व्यवस्था करने का लक्ष्य है।

टर्न-5/मधुप/10.03.16

डॉ0 रंजु गीता : अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी ने जो जवाब में बताया कि वहॉ जल मीनार हैं, जल मीनार सारे जितने बने हैं, वह चालू नहीं हैं और जो निर्माणाधीन है, वह कबतक चालू करा देंगे ? इसकी समयावधि बता दी जाय ।

श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा : अध्यक्ष महोदय, हमने कहा कि जलापूर्त्ति योजना के तहत जो जलापूर्त्ति केन्द्र हैं, उसके माध्यम से जलापूर्त्ति की जा रही है । अगर कहीं पर कोई बन्द है स्पेसिफिक तो उसके बारे में माननीय सदस्या बतायें, मैं उसको देखवा लूँगा ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 913 (श्री बशिष्ठ सिंह)

श्री मदन सहनी : महोदय, 1- अस्वीकारात्मक है । पैक्स, व्यापार मंडलों एवं बिहार राज्य खाद्य निगम के क्रय केन्द्रों पर धान की अधिप्राप्ति की जाती है तथा एकरारनामानित मिलरों एवं पैक्स संचालित मिलों में इसका सी0एम0आर0 तैयार कराकर राज्य खाद्य निगम के लक्षित जन वितरण प्रणाली के गोदामों को भंडारण हेतु भेजा जाता है, जहॉ गुणवत्ता जॉच कर भंडारित किया जाता है ।

जहॉ तक करगहर चावल केन्द्र पर चावल अधिप्राप्ति में शिथिलता एवं लापरवाही बरतने की बात है, वह सही नहीं है । इस केन्द्र पर जितना सी0एम0आर0 आता है, उसका गुणवत्ता जॉच कर उसी दिन प्राप्त कर लिया जाता है ।

श्री बशिष्ठ सिंह : महोदय, वहॉ चावल लेने वाले जो पदाधिकारी वीर बहादुर जी थे, अन्य नटवार के केन्द्रों पर प्रतिदिन चावल का क्रय होता था 3 हजार क्विंटल लेकिन करगहर में 1-1.5 हजार क्विंटल के बीच में रहता था । हमने जब अपना क्वेश्चन लिखकर डाला, उसके बाद सरकार की तरफ से कार्रवाई हुई हो या जो भी हुआ हो, अभी पता चला कि जो पदाधिकारी वहॉ लापरवाही कर रहे थे किसानों के चावल लेने में, उनको हटा दिया गया है और दूसरे लोगों को रखा गया है । इसके लिए हम धन्यवाद देना चाहते हैं लेकिन अगला साल भी करगहर में 65 हजार क्विंटल धान की ही खरीद हुई थी जबकि उतना ही इलाका है दिनारा प्रखंड, वहॉ 3.5 लाख क्विंटल हुआ था ।

हम माननीय मंत्री महोदय से कहना चाहेंगे कि विशेष ध्यान देते हुए वहाँ के किसानों के धान की खरीदारी पूरी की जाय ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 914 (श्री अशोक कुमार-208)

श्री महेश्वर हजारी : महोदय, 1- उत्तर स्वीकारात्मक है ।

2- उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि दोनों जल मीनार तथा सासाराम सदर अस्पताल एवं नूरगंज से जलापूर्त्ति चालू है। मदार दरवाजा एवं मोहल्ला किला पाइप-लाईन जोड़ने का काम बाधित था । जिला प्रशासन के सहयोग से पाइप-लाईन संयोजन का कार्य कराया जा रहा है, जिसे शीघ्र पूर्ण कर दिया जायेगा ।

श्री अशोक कुमार(208) : महोदय, मैं माननीय मंत्री जी के जवाब को चुनौती देता हूँ कि दोनों में कोई टंकी चालू नहीं है । 2006-07 में 9 करोड़ रूपया सरकार ने दिया पी0एच0ई0डी0 को । मेरे प्रश्न में है कि 2006-07 में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को पैसा दिया गया । लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के अभियंता ने गलत काम किया है तो कार्रवाई करने का अधिकार लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को है, न कि नगर विकास विभाग को है । मेरा सवाल पी0एच0ई0डी0 से था और इसको नगर विकास मंत्रालय को दे दिया गया है । माननीय मंत्री जी कबूल करते हैं कि पैसा लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को दिया गया है, कार्रवाई तो लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग न करेगा ! ये कैसे करेंगे ? इनको कैसे जानकारी होगी कि पानी मिल रहा है या नहीं मिल रहा है ? यह तो जवाब पी0एच0ई0डी0 देगा । मैं चुनौती के साथ कह रहा हूँ कि दोनों टंकी बंद है । इसके लिए सदन की कमिटी बने और इसकी जॉच हो और अगले हफ्ते सदन में रखा जाय कि टंकी से पानी चलेगा कि नहीं चलेगा ?

श्री महेश्वर हजारी : माननीय अध्यक्ष महोदय, जब सदन में जवाब देती है तो सरकार जवाब देती है । माननीय सदस्य जिस तरह से बोल रहे हैं, मैं कहता हूँ कि सारे सबूत के साथ सदन में जवाब दिया जाता है । कार्यपालक अभियंता, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण प्रमंडल सासाराम द्वारा अपने पत्रांक 1762 दिनांक 16.12.14 के द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि रोहतास जिलान्तर्गत सासाराम नगर में दोनों जल मीनार तथा सासाराम सदर अस्पताल एवं नूरगंज से जलापूर्त्ति चालू है । मदार दरवाजा एवं मुहल्ला किला का पाइप-लाईन जोड़ने का कार्य बाधित था । जिला प्रशासन के सहयोग से पाइप-लाईन जोड़ने का कार्य

कराया जा रहा है, जिसे शीघ्र पूर्ण कर दिया जायेगा । कार्य चालू है, इसे शीघ्र पूर्ण कर दिया जायेगा ।

श्री अशोक कुमार(208) : माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल दोनों टंकी चालू करने का है। जिस मदार दरवाजा की चर्चा कर रहे हैं, वह तो 1950 में जो बना है, उससे पानी जाता है । जो दोनों टंकी बना हुआ है, मैं उसकी बात कर रहा हूँ । मैं वहाँ का लोकल एम0एल0ए0 हूँ, मैं जानता हूँ कि चालू नहीं है और इनके कार्यपालक अभियंता कहते हैं कि चालू है तो इसका फैसला बिना कमिटी के द्वारा कैसे होगा ?

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठ जाइये । माननीय मंत्री जी, जो आपका रिपोर्ट है और माननीय सदस्य कह रहे हैं कि नहीं चालू हैं तो किसी वरीय अधिकारी से, एक्ज्युकिटिव इंजीनियर से ऊँचे अधिकारी से स्थल जाँच करा लीजिये, यदि उसमें गड़बड़ी है तो उसका निराकरण करा दीजिये ।

श्री अशोक कुमार(208) : अध्यक्ष महोदय, जब जाँच कमिटी जाय तो मुझे भी सूचित कर दे, साथ में लेकर जायं ।

अध्यक्ष : ठीक है । माननीय सदस्य से भी सहयोग लें ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 915 (श्री निरंजन कुमार मेहता)

श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा : महोदय, 1- आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । वस्तुस्थिति यह है कि मधेपुरा जिला के बिहारीगंज प्रखंड मुख्यालय में स्थित ग्रामीण पाईप जलापूर्त्ति योजना में जलमीनार का प्रावधान नहीं है । उक्त जलापूर्त्ति से सीधे पम्पिंग कर स्टैण्ड पोस्ट के माध्यम से जलापूर्त्ति की जा रही है ।

2- वस्तुस्थिति यह है कि एकरारनामा के अनुसार प्रावधानित 4035 मीटर के विरूद्ध 4020 मीटर पाईप लाईन बिछाया जा चुका है ।

3- उक्त खंड में स्थिति स्पष्ट कर दी गई है ।

श्री निरंजन कुमार मेहता : माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि जलमीनार वर्ष 2008-09 से बनकर तैयार है और हमने स्वयं उसको देखा है, वह पी0एच0सी0 के कैम्पस में है । 70 परसेंट उसका काम हो चुका है, मात्र 30 परसेंट काम बचा हुआ है । माननीय मुख्यमंत्री महोदय के सात निश्चय में जलापूर्त्ति को सबसे अहम प्राथमिकता दी गई है, मैं आग्रह करूँगा कि इसे चालू करा दिया जाय । यह लोकहित में है और बिहारीगंज प्रखंड बहुत बड़ा मार्केट है, इसलिये मैं मंत्री जी से आग्रह करूँगा कि इसको चालू करा दिया जाय ।

तारांकित प्रश्न संख्या- 916 (श्री विजय कुमार खेमका)

श्री महेश्वर हजारी : अध्यक्ष महोदय, 1- स्वीकारात्मक है ।

2- आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है । नासवी संस्था द्वारा फुटपाथी दुकानदारों का सर्वेक्षण जारी है । पूर्णिया में अभी तक 2284 फुटपाथी दुकानदारों का सर्वेक्षण किया जा चुका है, जबकि सम्पूर्ण राज्य में अभी तक 53,807 फुटपाथी दुकानदारों का सर्वेक्षण किया गया है । सर्वेक्षित फुटपाथी दुकानदारों के लिए भेंडिंग जोन को चिन्हित करने का कार्य चल रहा है । अभी तक 311 भेंडिंग जोन चिन्हित किये जा चुके हैं इन्हें बसाने का दायित्व Town Vending Committee का है । राज्य में अभी तक 44 नगर निकाय में Town Vending Committee का गठन किया जा चुका है । राज्य में 42 Town Level Federation का भी गठन किया गया है ।

श्री विजय कुमार खेमका : अध्यक्ष महोदय, फुटपाथ विक्रेताओं का यह बड़ा गम्भीर मामला है। पूर्णिया के साथ-साथ यह पूरे बिहार का मामला है । अध्यक्ष महोदय, सरकार ने फुटपाथ विक्रेता कानून पारित किया है, उसके तहत सरकार ने फुटपाथियों को यह विश्वास दिलाया कि वेंडिंग जोन चिन्हित करके आपको सुविधा दी जायेगी....

अध्यक्ष : आप पूर्णिया के बारे में सवाल पूछिये ।

श्री विजय कुमार खेमका : जी । यह पूर्णिया के साथ-साथ पूरे बिहार का मामला है....

अध्यक्ष : आपने तो प्रश्न पूछा है पूर्णिया के बारे में !

श्री विजय कुमार खेमका : अध्यक्ष महोदय, पूर्णिया की ही बात बता रहा हूँ । पूर्णिया में जैसा कि माननीय मंत्री जी ने बताया, 2284 फुटपाथी दुकानदारों का सर्वेक्षण हुआ है लेकिन उन्हें अभी तक कोई प्रमाण-पत्र नहीं मिला । अध्यक्ष महोदय, पूर्णिया में जो सर्वेक्षण हुआ उसके बाद एक भी वेंडिंग जोन चिन्हित नहीं हुआ है । फुटपाथ दुकानदारों को जो लाइसेंस देने की बात थी, जो वित्तीय सहायता देने की बात थी, उसमें कोई भी प्रगति नहीं हुई है । अध्यक्ष महोदय, ये फुटपाथ दुकानदार पूरे राज्य में.....

टर्न-6/आजाद/10.03.2016

अध्यक्ष : आप पूरक पूछिए न ।

श्री विजय कुमार खेमका : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ माननीय मंत्री जी से कि वेंडिंग जोन कब तक चिन्हित होगा और जो उजड़े हुए फुटपाथी हैं, उनका पुनर्वास कब होगा ?

श्री महेश्वर हजारी : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य का जो क्वेश्चन था पूर्णिया के संबंध में, वहां पर 2284 चिन्हित किया गया है । अब चिन्हित स्थल पर संबंधित विभाग से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त होने पर सर्वेक्षित फुटपाथी दुकानदारों को पुनर्वासित किया जायेगा ।

जो चिन्हित किया गया है, उसपर संबंधित विभागों से अनापत्ति प्रमाण-पत्र मांगा गया है, एन0ओ0सी0 मांगा गया है, उसके बाद उनको हमलागे पुनर्वासित कर देंगे ।

श्री विजय कुमार खेमका : अध्यक्ष महोदय, फुटपाथी दुकानदार को सड़क चौड़ीकरण के नाम पर उनको दिन-रात सहना पड़ता है, उजड़ना पड़ता है, विस्थपित होना पड़ता है । इसलिए वेंडिंग जोन की कोई समय सीमा मंत्री महोदय बतावें कि इसके लिए कोई समय सीमा हो, जिसमें उनको वहां बसाया जा सके और वे उजड़ने से बच सकें ।

श्री महेश्वर हजारी : अध्यक्ष महोदय, वेंडिंग जोन में जो भी व्यक्ति हैं, उसको अलग बसाने की कहीं कोई व्यवस्था नहीं है । वे जहां पर हैं, उसी के किनारे हमलोग व्यवस्था करेंगे तो स्वाभाविक है कि विशेषकर लोग रोड पर ही रहते हैं, उनको हमलोग व्यवस्थित ढंग से बसाने का काम कर रहे हैं । जो चिन्हित कर लिया गया है, उनको जल्द से जल्द बसाने का काम करेंगे ।

श्री विजय कुमार खेमका : अध्यक्ष महोदय, वेंडिंग जोन अभी तक चिन्हित ही नहीं हुआ है.....

श्री प्रेम कुमार : महोदय, सरकार का अच्छा फैसला था कि राज्य के अन्दर बड़ी संख्या में फुटपाथी दुकानदार फुटपाथ पर बेचते हैं और वेंडिंग जोन बनाने का निर्णय था, दो साल हो गये, 2015 में सरकार ने आईडेन्टीफाई किया पूर्णिया में और 2016 चल रहा है और महोदय, इतना लम्बा समय के बावजूद सरकार ने राज्य में कहीं भी एक भी वेंडिंग जोन नहीं बनाया है । महोदय, 10हजार लोग गर्दनीाबाग में तीन रोज से अनिश्चितकालीन धरना पर हैं । हम सरकार से आग्रह करना चाहेंगे कि सरकार ने वेंडिंग जोन अभी तक बनाया नहीं है, इसलिए जहां गरीब लोग बेच रहे हैं, उसको प्रशासन फिलहाल उजाड़ने का काम नहीं करे और सरकार एक समय सीमा तय करे कि कब तक राज्य के अन्दर में पूर्णिया सहित वेंडिंग जोन का निर्माण करा लेगी ?

अध्यक्ष : ठीक है । प्रश्न संख्या-917

श्री प्रेम कुमार : महोदय,महोदय, ...

अध्यक्ष : आपने सुझाव दिया है ।

श्री प्रेम कुमार : जवाब चाहिए महोदय, कब तक करा लिया जायेगा ? दो साल महोदय हो गया है। महोदय, इधर भी थोड़ा ध्यान रखिए । आप ही जवाब दे दीजियेगा तो मामला गड़बड़ा जायेगा । इसलिए हमारा आग्रह है कि .....

अध्यक्ष : यह तो आपका पुराना विभाग है ।

श्री प्रेम कुमार : इसीलिए महोदय चाह रहा था, हमने कानून बनाया था और वेंडिंग जोन बनाने का फैसला सरकार ने लिया था । इसलिए हम आग्रह कर रहे हैं कि माननीय मंत्री बता दें कि कब तक होगा ?

अध्यक्ष : ठीक है, सरकार इसको शीघ्रातिशीघ्र देखे ।

श्री समीर कुमार महासेठ : सरकार ने स्पष्ट कहा, मंत्री जी ने कहा कि 53000 वेंडरों का सर्वे किया है पूरे प्रदेश में, उसमें मैं जानना चाहता हूँ, मैं डी0एम0,मधुबनी से बार-बार मिला, उस 53000 में मधुबनी कहां स्थान रखता है ?

अध्यक्ष : माननीय समीर जी, यह प्रश्न पूर्णिया के संबंध में है तो मधुबनी के संबंध में उत्तर कैसे देंगे ?

श्री समीर कुमार महासेठ : महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा कि पूरे प्रदेश में इसका सर्वेक्षण कराया है, जिसमें 53000 लोग पाये गये हैं, इसलिए मैं माननीय मंत्री जी के जवाब के आधार पर पूछ रहा हूँ ।

<u>तारांकित प्रश्न सं0-917 (श्री अशोक कुमार,स0वि0स0(208))</u>

श्री महेश्वर हजारी : अध्यक्ष महोदय, उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि इससे संबंधित कोई योजना नगर परिषद्, सासाराम से प्राप्त नहीं हुआ है । पटना नगर निगम, पटना में ट्रैफिक लाईट लगाया जा चुका है । राज्य के अन्य शहरों से प्रस्ताव प्राप्त होने पर निधि की उपलब्धता के आलोक में ट्रैफिक लाईट लगाने के संबंध में निर्णय लिया जायेगा ।

श्री अशोक कुमार : माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने सवाल विधान सभा सदन में किया है और माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि नगर परिषद् से प्रस्ताव नहीं आया है । मैं तो यहां से प्रस्ताव पास कराने की बात कह रहा हूँ और वे वहां का जवाब दे रहे हैं .....

अध्यक्ष : माननीय सदस्य, इस प्रक्रिया से तो आप अवगत होंगे कि शहरी क्षेत्र में कोई भी योजना लागू होती है तो वहां का जो निकाय है, वह उस योजना को पास करता है, वह योजना बनाता है और फिर सरकार की स्वीकृति से उसके लिए धन चाहता है । अगर वे नहीं बनायेंगे ।

श्री अशोक कुमार : महोदय, यह योजना नहीं है, ट्रैफिक लाईट की व्यवस्था करनी है । इसके अन्तर्गत माननीय मंत्री जी को ट्रैफिक लाईट में जितना पैसा लगना है, ये प्राक्कलन बनवा लें, उतना पैसा दे करके वे अपने आप गृह विभाग को स्थानान्तरित हो जायेगा, वह उसको देखभाल करेगा । ये पैसा देने के लिए आश्वस्त करें सदन में बाकि काम मैं वहां से मिलकर के करा दूँगा ।

तारांकित प्रश्न सं0-918(श्री राघव शरण पाण्डेय,स0वि0स0)

श्री कृष्णनन्दन वर्मा : आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि पश्चिम चम्पारण जिला के बगहा-1 प्रखण्ड के लगुनाहा, पतिलार एवं मतीरिया गोबरौरा ग्रामों के लिए स्वीकृत पाईप जलापूर्त्ति योजना के जलमिनार से जलापूर्त्ति की जा रही है । चौतरवा जलापूर्त्ति योजना में जल मिनार का कार्य निर्माणाधीन है । किन्तु तीन माह से सीधी जलापूर्त्ति की जा रही है । माह मई,2016 तक जलमिनार का कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य है । लौरिया पाईप जलापूर्त्ति योजना से भी सीधी जलापूर्त्ति की जा रही है । इस योजना अन्तर्गत जलमिनार अपूर्ण स्थिति में है, जिसे शीघ्र पूरा करने हेतु संवेदक को निदेश दिया गया है ।

श्री राघव शरण पाण्डेय : महोदय, प्रश्न का उत्तर संतोषप्रद नहीं है । इसकी जॉच करा ली जाय कि वहां साईनबोर्ड में क्या लिखा है - लिखा है कि 2013-14 में अमुक राशि से यह योजना पूरी कर ली गई है और कितने नल को वहां से पानी जा रहा है और योजना का लक्ष्य क्या था ? मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूँ कि तीन वर्ष से अधिक बीत गये, अगर आंशिक रूप से भी पूर्ण नहीं हुआ है तो सरकार यह मानती है कि इसमें वित्तीय अनियमितता और प्रशासनिक अनियमितता हुई है, अगर हुई है तो इसकी जॉच कराकर इस मामले को अन्त तक ले जाना चाहती है या नहीं ? मेरा दूसरा प्रश्न भी है, मैं इसके बाद पूछूँगा ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्य पूछ रहे हैं कि 2013-14 की योजना है, अगर अभी तक पूरी नहीं हुई है तो क्या इसमें कोई वित्तीय अनियमितता भी हुई है, सरकार जॉच करायेगी, सो पूछ रहे हैं ।

श्री कृष्णनन्दन प्रसाद वर्मा : जलापूर्त्ति की जा रही है, अगर माननीय सदस्य संतुष्ट नहीं हैं और कोई खास बात इसके बारे में कहना चाहते हैं तो वे मुझसे मिलकर कह दें, मैं देखूँगा ।

अध्यक्ष : दूसरा प्रश्न पूछिए पाण्डेय जी ।

श्री राघव शरण पाण्डेय : महोदय, जलमिनारों का निर्माण इसलिए कराया गया था कि यह चापाकल से मुक्ति की जो योजना बनायी जा रही है, उससे मुक्ति मिल जाय और घर-घर में नल का स्थापना हो । कई प्रश्नों के उत्तर में और मेरे प्रश्नों के उत्तर में भी माननीय मंत्री महोदय ने बताया कि त्रुटियां हैं, आंशिक रूप से चल रहा है या नहीं चल रहा है । यह 6 महीने या एक साल की बात नहीं है, कई वर्षों से ऐसा नहीं हो रहा है। तो ऐसा न हो कि जो नई योजना बन रही है और चापाकल की योजना पर जो पूर्णविराम लगा दिया गया है, इससे विधायकों के अधिकार का ही नहीं, जनता को पानी पीने का जो अधिकार है, उससे भी जनता को वंचित रखा जायेगा । महोदय, मेरा अनुरोध है कि यह इतना महत्वपूर्ण प्रश्न है, पहले भी आ चुका है, रूल-94 में आधे घंटे का समय दिया जाय, जिसमें इसपर वार्त्ता हो सके और सरकार उसपर उत्तर दे सके।

तारांकित प्रश्न सं0-919(श्री चन्दन कुमार,स0वि0स0)

श्री आलोक कुमार मेहता : 1. उत्तर अस्वीकारात्मक है ।

वस्तुस्थिति यह है कि खगड़िया जिलान्तर्गत अलौली प्रखण्ड अन्तगत मात्र 21 पैक्स हैं ।

2. उत्तर अस्वीकारात्मक है । सहकारी बैंकों द्वारा किसानों को के0सी0सी0 के माध्यम से अल्पकालीन ऋण वितरण पैक्स की प्रबंध समिति द्वारा अपने सदस्यों के लिए तैयार क्रेडिट लिमिट जिसे बैंक के निदेशक मंडल द्वारा स्वीकृत की जाती है । क्रेडिट लिमिट की स्वीकृति स्केल ऑफ फाईनांस एवं किसान के पास उपलब्ध भूमि के आधार पर किया जाता है । प्रबंध निदेशक, खगड़िया केन्द्रीय सहकारी बैंक से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार वर्ष 2015 के खरीफ मौसम में उक्त प्रखण्ड में कुल 3174 सदस्य को कुल 699. 92 लाख रू0 का ऋण वितरण हुआ है । जिसमें मात्र 27 नये सदस्य हैं । इन्हें कुल 8.55 लाख रू0 का ऋण वितरित हुआ है ।

3. प्रबंध निदेशक, केन्द्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड, खगड़िया के प्रतिवेदन के अनुसार बैंक प्रबंधक, अलौली एवं पैक्स अध्यक्षों द्वारा एल0पी0सी0 देकर अनियमित निकासी करने का आरोप निराधार है ।

टर्न:7/अंजनी/दि0 10.03.16

श्री चन्दन कुमार : अध्यक्ष महोदय, वहां जो पैक्स अध्यक्ष हैं, बैंक प्रबंधक हैं, उनके द्वारा जो एल0पी0सी0 दिया जाता है, वह एकदम फर्जी तरीके से दिया जाता है और उसकी निकासी बैंक प्रबंधक और पैक्स अध्यक्ष के द्वारा किया जाता है । जब हम अपने क्षेत्र में घूमते हैं तो इस तरह की बहुत शिकायतें मिलती हैं ?

अध्यक्ष : प्रश्नोत्तर-काल समाप्त हुआ, जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों.....

(व्यवधान)

श्री रामदेव राय : अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वाइंट ऑफ और्डर है । महोदय, जिन सवालों का जवाब पटल पर भी नहीं दिया जा सका है तो क्या आप ऐसा कोई नियमन देंगे कि माननीय मंत्री संबंधित प्रश्नकर्त्ता सदस्य के साथ समीक्षा करके इसका जवाब देंगे ।

अध्यक्ष : यह एक स्थापित प्रक्रिया है कि जो प्रश्न अनागत होते हैं, उन प्रश्नों के उत्तर विभाग द्वारा दिये जाते हैं, वह सरकार सुनिश्चित करेगी कि जिन प्रश्नों को आज सदन में नहीं लिया जा सका है या दूसरे दिन भी जो सूचीबद्ध होते हैं लेकिन यहां पर नहीं आ पाते हैं, उन प्रश्नों के उत्तर भी विधान सभा सचिवालय को उपलब्ध करा दिये जायें विभागों द्वारा जिससे कि उसके उत्तर की सूची बनाकर माननीय सदस्यों के बीच वितरित कर दिये जायें ।

श्री रामदेव राय : महोदय, समीक्षा के बारे में, समीक्षा करेंगे कि नहीं ? उन प्रश्नों की समीक्षा माननीय मंत्री प्रश्नकर्त्ता सदस्य के साथ बैठकर करेंगे ?

अध्यक्ष : इसके बारे में अलग से बात कर लेंगे ।

(व्यवधान)

श्री श्याम रजक : महोदय, मैं प्वाइंट ऑफ और्डर पर खड़ा हूँ । मनसे नेता राज ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र में ऑटो चालक और टैक्सी चालक जो मराठी नहीं हैं, उनको अगर परमीट दिया जायेगा तो उनको सड़क पर जला दिया जायेगा । यह बिहारी एवं पूर्वांचल लोगों के साथ खतरा है । हम जानना चाहते हैं कि इस देश के प्रधानमंत्री इस तरह की क्षेत्रीयतावाद लोगों के साथ सहयोग कर रहे हैं, इसपर तुरंत कार्रवाई होनी चाहिए और एक निंदा प्रस्ताव होना चाहिए ।

अध्यक्ष : जिन प्रश्नों के उत्तर तैयार हों, सदन पटल पर रख दिया जाय ।

(व्यवधान)

श्री विनय वर्मा : महोदय,मेरा बड़ा ही महत्वपूर्ण प्रश्न 920 नम्बर पर है...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य श्री विनय जी, समय-सीमा में नहीं पड़ता है । ठीक है, इसको हम देख लेंगे ।

कार्य-स्थगन प्रस्ताव

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज दिनांक 10 मार्च, 2016 के लिये निम्न माननीय सदस्यों से कुल सात कार्य-स्थगन प्रस्ताव की सूचनाएं प्राप्त हुई हैं :-

माननीय सदस्य श्री संजय सरावगी
माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह
माननीय सदस्य श्री विजय कुमार सिन्हा
माननीय सदस्य श्री मिथिलेश तिवारी
माननीय सदस्य श्री विद्या सागर केशरी
माननीय सदस्य श्री अरूण कुमार सिन्हा एवं
माननीय सदस्य श्री तार किशोर प्रसाद

आज दिनांक 10 मार्च, 2016 को सदन में वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में सम्मिलित अनुदानों की मांग में से पथ निर्माण विभाग की मांग पर वाद-विवाद तथा मतदान होने का कार्यक्रम निर्धारित है । कार्य-स्थगन प्रस्ताव में जिन विषयों को उठाने की सूचना दी गयी है, उसके संबंध में पहले से ही विधान सभा के कार्यक्रम में विचार के लिए विषय सन्निहित है या माननीय सदस्य दूसरे माध्यम से भी अन्य विषयों को उठा सकते हैं ।

अतएव बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम-99(1) के (ii) एवं (iii) के तहत् उपर्युक्त सभी कार्य-स्थगन प्रस्ताव नियमानुकूल नहीं होने के कारण अमान्य किया जाता है ।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमार : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने पूरे राज्य में जो खाद्य सुरक्षा योजना में काफी अनियमताओं की शिकायतें आ रही हैं और राज्य की बड़ी संख्या में लोग वंचित रह गये हैं, जिनका नाम नहीं जोड़ा गया है । इस संबंध में सभी क्षेत्रों के बड़ी संख्या में लोगों ने आवेदन दिया था लेकिन प्रशासन के स्तर से जांच नहीं करायी गयी है, इससे काफी लोग वंचित हैं और जहां वितरण हो रहा है तो वहां दो रूपये किलो गेहूँ है, उसके बदले तीन रूपये किलो दिया जा रहा है । चावल का दर 3 रूपये प्रति किलो है, उसके बदले चार रूपये किलो दिया जा रहा है । तो इस तरह से दाम भी अधिक लिया जा रहा है और वजन भी कम दिया जा रहा है । सरकार द्वारा समय पर अनाज का उठाव नहीं हो रहा

है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने बिहार के गरीबों के लिए सारी व्यवस्था की है, समय पर सरकार गेहूँ, चावल उपलब्ध कराये लेकिन यह नहीं हो पा रहा है । हम आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करेंगे कि आखिर जो अनियमितता एवं गड़बड़ियां हैं, उसपर सरकार जांच कराने का काम करे, अन्यथा हम चाहेंगे कि बिहार विधान सभा की समिति बनाकर पूरे मामले की जांच करा दी जाय... (व्यवधान)

शून्य-काल

अध्यक्ष : श्री केदार प्रसाद गुप्ता ।

श्री प्रेम कुमार : महोदय, बहुत ही गंभीर मामला है, हम आपके माध्यम से आग्रह कर रहे हैं कि सारी गड़बड़ियों की जांच करायी जाय, जो कम तौल दिया जा रहा है, अधिक दाम लिये जा रहे हैं और जिस तरह से लोग बड़ी संख्या में छूट गये हैं, उनका नाम जोड़ा जाय, यह हमारा आपसे निवेदन है । आप आसन से सरकार को कहिए.....

अध्यक्ष : सरकार ने तो अपने उत्तर में कहा है कि जहां अधिक मूल्य लिये जा रहे हैं, उसके बारे में स्पेसिफिक शिकायत दीजियेगा तो जांच करायेगी ।

अध्यक्ष : श्री केदार प्रसाद गुप्ता जी ।

(माननीय सदस्य द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गयी)

(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह ।

(इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के माननीय सदस्यगण कुछ कहते हुए सदन के वेल में चले आये)

श्री वीरेन्द्र कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, औरंगाबाद जिलान्तर्गत बारूण प्रखंड के सिरीस-जम्होर रोड में मुन्सी विगहा के पास बटाने नदी में पुल न होने से जनता को आवागमन में भारी कठिनाई होती है ।

अत: मैं सरकार से बारून प्रखंड के सिरीस जम्होर रोड में बटाने नदी पर शीघ्र पुल निर्माण कराने की मांग करता हूँ ।

श्री नीरज कुमार सिंह : महोदय, बीते कल सीतामढ़ी जिला के परिहार प्रखंड में कार्यरत शिक्षिका रागिनी दीक्षित को वेतन नहीं मिलने से वह अपना समुचित ईलाज नहीं करा पायी, जिससे उसकी मौत हो गयी । सरकार से घटना की जांच एवं मुआवजे की मांग करता हूँ । बहुत संवेदनशील मामला है...

अध्यक्ष : श्री विनोद कुमार सिंह ।

(माननीय सदस्य द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गयी)

श्री तारकिशोर प्रसाद ।

(माननीय सदस्य द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गयी)

श्री विजय कुमार सिन्हा ।

(माननीय सदस्य द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गयाी)

श्री मुंद्रिका सिंह यादव ।

श्री मुंद्रिका सिंह यादव : अध्यक्ष महोदय, जहानाबाद जिला एवं प्रखंड के ग्राम पंचायत कनसुआ के ग्राम-कनसुआ में जलापूर्त्ति योजना खराब होने के कारण जलापूर्त्ति बंद है । फलस्वरूप ग्रामीणों के समक्ष पेय जल की समस्या है ।

अत: इस संवेदनशील विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए खराब जलापूर्त्ति योजना को ठीक कराकर जलापूर्त्ति चालू कराने की मुांग करता हूँ।

श्री ललन पासवान : अध्यक्ष महोदय, बिहार राज्य में वृद्धा, विधवा एवं विकलांग पेंशन की राशि मात्र पांच सौ रूपये है, जो इनके जीने के लिए पर्याप्त नहीं है ।

अत: हम सरकार से मांग करते हैं कि उक्त पेंशन को पांच सौ रूपये से बढ़ाकर दो हजार रूपये शीघ्र किया जाय ।

डॉ0 रामानुज प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, सारण जिला के सोनपुर प्रखंडान्तर्गत बाकरपुर ग्राम में दिनांक 08.03.2016 की रात्रि भीषण डकैती हुई, जिसमें डकैतों ने दीनानाथ सिंह, पिता-स्व0 हरिहर सिंह एवं उनकी पतोहु की हत्या कर दी, अन्य सदस्य घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती हैं ।

अत: सरकार पीड़ित परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा मुआवजा प्रदान करे ।

अध्यक्ष : श्री संजय सरावगी ।

(माननीय सदस्य द्वारा सूचना नहीं पढ़ी गयी)

श्री समीर कुमार महासेठ ।

श्री समीर कुमार महासेठ : अध्यक्ष महोदय, डी0एम0सी0एच0,दरभंगा का सर्जरी भवन जर्जर हो चुका है, जिससे कभी-भी भयानक दुर्घटना घट सकती है । चिकित्सक, चिकित्सोत्तर कर्मी, मरीज, परिजन आदि भयभीत रहते हैं ।

अत: डी0एम0सी0एच0 में नये सर्जरी भवन के निर्माण की मांग करता हूँ।

टर्न-8/शंभु/10.03.16

(व्यवधान)

श्री विनोद प्रसाद यादव : महोदय, गया जिलान्तर्गत शेरघाटी प्रखंड में प्रोजेक्ट कन्या प्लस टू इन्टर विद्यालय में नामांकित छात्राओं की संख्या लगभग तीन हजार है। प्रोजेक्ट कन्या विद्यालय में मात्र 6 कमरा है। छात्राओं को पढ़ाई में काफी कठिनाई होती है। सरकार से अतिरिक्त वर्ग कक्षा निर्माण अविलम्ब कराने की मांग करता हूँ।

श्री सत्यदेव राम : महोदय, सीवान जिलान्तर्गत हरिराम कॉलेज, मैरवा में शिक्षकों का कुल सृजित पद 17 के जगह मात्र 2 और गैर शिक्षकों का सृजित पद 25 के जगह 14 है। जबकि कुल छात्रों की संख्या 1900 है। शिक्षक और गैर शिक्षक के अभाव के कारण पढ़ाई बंद है। सरकार शिक्षक बहाल करे। कॉलेज में शिक्षा व्यवस्था पूरे तौर से बंद है। चार ब्लॉकों में मात्र 1 कॉलेज है, वहां सारे गरीबों के बच्चे पढ़ते हैं, लेकिन आज पढ़ाई ठप हो गयी है।

श्री सुदामा प्रसाद : महोदय, वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा में स्नातकोत्तर की सीट छात्रों के अनुपात से कम है, जिससे अधिकांश छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। अतः हम शिक्षा मंत्री से अनुरोध करते हैं कि स्नातकोत्तर की सीट में तत्काल बढ़ोत्तरी की जाय।

श्री महबूब आलम : महोदय, कटिहार जिला के शिवानन्दपुर पंचायत के शिवानन्दपुर गांव के किनारे होकर बहती हुई महानन्दा नदी के पूरब पार 40-45 परिवार का वागराय नामक एक टोला है। इस टोला में आंगनबाड़ी केन्द्र या प्राथमिक विद्यालय नहीं है। मैं टोला में आंगनबाड़ी केन्द्र तथा विद्यालय खोलने की मांग करता हूँ।

(व्यवधान)

ध्यानाकर्षण

अध्यक्ष : अब ध्यानाकर्षण। श्री मुंद्रिका सिंह यादव, अपने ध्यानाकर्षण की सूचना को पढ़ें।

श्री मुंद्रिका सिंह यादव, स0वि0स0 से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार (राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग) की ओर से वक्तव्य।

श्री मुंद्रिका सिंह यादव : महोदय, बिहार के विभिन्न अंचलों में अमीनों की भारी कमी है, फलस्वरूप सरकारी कार्य में बाधा होती है। अवर सेवा चयन पर्षद् द्वारा आयोजित परीक्षा में सफल 280 अमीन की नियुक्ति मा0 न्यायालय के आदेश के बावजूद भी नहीं किया गया है।

अतः परीक्षा में सफल अमीनों की नियुक्ति हेतु मैं सदन के माध्यम से सरकार का घ्यान आकृष्ट करता हूँ।

श्री(डा0)मदन मोहन झा : महोदय, वस्तुस्थिति यह है कि विभाग द्वारा अमीन संवर्ग नियमावली 2013 के आलोक में 721 अमीनों की नियुक्ति हेतु अधियाचना वर्ष 2013 एवं 2014 में बिहार कर्मचारी चयन आयोग को भेजी गयी थी। आयोग द्वारा परीक्षा आयोजित कर वर्ष 2014 में कुल 820 अमीनों की नियुक्ति की अनुशंसा विभाग को उपलब्ध करायी गयी। अनुशंसित अभ्यर्थियों को विभाग स्तर पर काउंसेलिंग हेतु बुलाया गया। किन्तु उनके द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रमाण पत्रों के सत्यापन के दौरान मात्र तीन अभ्यर्थी ही अमीन संवर्ग नियमावली 2013 के प्रावधानों के अनुसार अर्हताधारी पाये गये। नियुक्ति की प्रक्रिया विभाग द्वारा प्रक्रियाधीन थी, तभी कुछ आवेदकों द्वारा माननीय पटना उच्च न्यायालय, पटना में सी0डब्लू0जे0सी0 सं0-4964/2015 तथा सं0-2763/2015 दायर किया गया। उक्त वाद में माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक-11.08.2015 को पारित न्यायादेश के तहत उपरोक्त 3 अभ्यर्थियों को छोड़कर शेष की अनुशंसा को यह कहते हुए अमान्य कर दिया गया कि सफल अभ्यर्थियों द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र बिहार अमीन संवर्ग नियमावली 2013 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित उक्त न्यायादेश के विरूद्ध आवेदकों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, पटना में एल0पी0ए0 सं0-1657/2015 तथा 1730/2015 दायर किया गया जिसमें माननीय उच्च न्यायालय पटना में दिनांक 10.12.2015 को समेकित रूप से पारित न्यायादेश में उक्त वाद को खारिज कर दिया। अमीनों के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु पुनः बिहार कर्मचारी चयन आयोग को अधियाचना भेजने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

श्री मुंद्रिका सिंह यादव : महोदय, बिहार भर के सारे अंचलों में अमीन की भारी कमी है। अमीन नहीं रहने के कारण जो नापी का काम है भूमि का, वह नहीं हो पाता है। जितने भी विवादित मामले रहते हैं उसका ससमय मापी नहीं हो पाता है जिससे बड़े पैमाने पर लड़ाई झगड़ा होते रहता है, विधि व्यवस्था की समस्या रहती है। महोदय,

आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहते हैं कि बिहार के सारे अंचलों में कब तक अमीन की नियुक्ति करने का काम करेंगे ?

श्री(डा0)मदन मोहन झा : अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य की चिंता वाजिब है और यह बात सही है कि पहले 820 और आजकल 1600 अमीनों का पद रिक्त है और उसे बहाल करने के लिए हमलोग प्रक्रिया में हैं।

अध्यक्ष : ठीक है। माननीय सदस्य श्री तारकिशोर प्रसाद, अपने घ्यानाकर्षण की सूचना को पढ़ें।

श्री तारकिशोर प्रसाद एवं श्री नितिन नवीन, स0वि0स0 से प्राप्त ध्यानाकर्षण सूचना तथा उसपर सरकार (योजना एवं विकास विभाग) की ओर से वक्तव्य।

(माननीय सदस्य द्वारा घ्यानाकर्षण की सूचना नहीं पढ़ी गयी।)

सभा मेज पर कागजात का रखा जाना

अध्यक्ष : माननीय प्रभारी मंत्री, संसदीय कार्य विभाग।

श्री श्रवण कुमार : महोदय, मैं बिहार विधान मंडल (सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन) अधिनियम, 2006 की धारा-8(3) के तहत् संसदीय कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या-738, दिनांक-05.08.2008 की प्रति को सदन के पटल पर रखता हूँ।

अध्यक्ष : बिहार विधान मंडल (सदस्यों का वेतन, भत्ता और पेंशन) अधिनियम, 2006 की धारा-8(3) के तहत् संसदीय कार्य विभाग की अधिसूचना संख्या-738, दिनांक-05.08.2008 की प्रति सदन के पटल पर चौदह दिनों तक रखी रहेगी।

अब सभा की कार्यवाही 2 बजे दिन तक के लिए स्थगित की जाती है।

टर्न-9/अशोक/10.03.2016

(अन्तराल के बाद)

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया)

अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही प्रारम्भ की जाती है ।

वित्तीय कार्य

अध्यक्ष : पथ निर्माण विभाग के अनुदान की मांग पर वाद-विवाद तथा सरकार का उत्तर एवं मतदान होगा । इसके लिए तीन घंटे का समय उपलब्ध है, विभिन्न दलों को उनकी सदस्य संख्या के आधार पर समय का आवंटन निम्न प्रकार किया जाता है, इसी समय में से सरकार को उत्तर के लिए भी समय दिया जायेगा :

राष्ट्रीय जनता दल	59 मिनट
जनता दल(यूनाईटेड)	52 मिनट
भारतीय जनता पाटी	39 मिनट
इन्डियन नेशलन कॉग्रेस	20 मिनट
सी.पी.आई(एम.एल.)	2 मिनट
लोक जनशक्ति पाटी	2 मिनट
हिन्दुस्तानी आवामी मोर्चा	1 मिनट
राष्ट्रीय लोक समता पाटी	2 मिनट
निर्दलीय	3 मिनट

कुल :	180 मिनट ।

प्रभारी मंत्री, पथ निर्माण विभाग, अपनी मांग प्रस्तुत करें ।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि:

"पथ निर्माण विभाग" के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा,उसकी पूर्त्ति के लिए 65,99,06,38,000/- (पैंसठ अरब निनानवे करोड़ छः लाख अड़तीस हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।

यह प्रस्ताव राज्यपाल की सिफारिश पर किया गया है ।

अध्यक्ष : इस मांग पर माननीय सदस्यगण, श्री विनोद कुमार सिंह, श्री अरूण कुमार सिन्हा, श्री विजय कुमार सिन्हा, श्री सुनील कुमार, श्री संजय सरावगी, श्री अशोक कुमार सिह, श्री सचीन्द्र प्रसाद सिंह, श्री नीरज कुमार सिंह एवं श्री मिथिलेश तिवारी से कटौती प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं, जो व्यापक हैं । इस पर सभी माननीय सदस्य विचार विमर्श कर सकते हैं । माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह का प्रस्ताव प्रथम है अतएव माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह अपना कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करें । श्री विनोद कुमार सिंह ।

श्री विनोद कुमार सिंह : माननीय अध्यक्ष महोदय,

अध्यक्ष : विनोद जी, आपको 17 मिनट में अपनी सारी बातें कह डालनी है ।

श्री विनोद कुमार सिंह : जी हां । अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ कि :

"राज्य सरकार की पथ निर्माण नीति पर
विचार-विमर्श करने के लिए इस शीर्षक की मॉग
10/- से घटाई जाय ।

मैं कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ ।

अध्यक्ष : विनोद जी, कटौती प्रस्ताव आप पेश कर रहे हैं । दूसरे आपके साथी आपके पक्ष में बोलेंगे ।

श्री विनोद कुमार सिंह : जी । अध्यक्ष महोदय, हमलोग आज जिस विषय पर डिसकशन करने वाले हैं वह है पथ निर्माण विभाग और बिहार राज्य के अन्दर पथ निर्माण विभाग के सड़कों का बहुत बुरा हाल है । अध्यक्ष महोदय, आज से दो-तीन साल पहले बिहार के अन्दर एन.डी.ए. की सरकार थी और एन.डी.ए. की सरकार में आदरणीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार मुखिया थे बिहार के और नीतीश कुमार के सरकार में पथ निर्माण विभाग का कार्य बिहार के योग्य व्यक्ति जो मंत्री के रूप कें रहे श्री नंद किशोर यादव जी, उनको प्रभार दिया गया था और उन 5-7 सालों के अन्दर हम कहना चाहेंगे इस सदन के अन्दर, जो बिहार के अन्दर सड़कों का जाल बिछा था, जो इस बिहार के अन्दर पुलों का अम्बार लगा था (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, प्रेम बाबू भी थे, हम दोनों व्यक्तियों का साथ-साथ नाम लेना चाहता हूँ । अध्यक्ष महोदय, उस समय बिहार का नाम सम्पूर्ण भारतवर्ष के अन्दर लिया जा रहा था कि बिहार में सड़कों का विकास हो रहा है । बिहार के अन्दर पुलों का निर्माण किया जा रहा है । और काफी चर्चायें हुई थीं हालांकि एन.डी.ए0 सरकार के पहले केन्द्र एवं बिहार में 50-60

सालों तक कॉग्रेस की हुकूमत रही, 15अगस्त, 1947 को हमारा मुल्क आजाद हुआ था, आजादी के बाद 1952 से लेकर लगातार अधिक समय तक देश के अन्दर और राज्य के अन्दर कॉग्रेस की हुकूमत रही । कॉग्रेसी हुकूमत जाने के बाद 1990 से लेकर 2005 तक बिहार के अन्दर लालू –राबड़ी देवी की सरकार थी । अध्यक्ष महोदय, लेकिन मैं उस समय का स्मरण कराना चाहते हैं, उस समय भी आपका अलकतरा घोटाला हुआ था, जिस कारण से 11 सौ करोड़ का अलकतरा घोटला इस बिहार के अन्दर में, जो किर्तीमान स्थापित किया पशुपालन चारा घोटाला के बराबरी का घोटला करके, अलकतरा घोटला पूरे बिहार के अन्दर खंडहर में तबदील कर दिया बिहार की सड़कों को अध्यक्ष महोदय, इन बातों को बतलाने के लिए हम आये हैं । उस गढ्ढे में तबदील सड़कों को भरने का काम उस पांच सालों में एन.डी.ए. की सरकार ने किया था। एन.डी.ए. की सरकार हमारे बिहार से चली गई, और एन.डी.ए. सरकार के बाद में बिहार में यू.पी.ए. की सरकार आई, महागठबन्धन की सरकार आई अध्यक्ष महोदय...

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी : महोदय, मैं व्यवस्था पर हूॅ । माननीय सदस्य मुक्का दिख रहे हैं आसन की तरफ ।

श्री विनोद कुमार सिंह : यह मेरा स्टाईल है । अध्यक्ष महोदय, हम यह बतलाना चाहता हूॅ कि जो हमलोग उत्तरी बिहार से आते हैं, पश्चिम बंगाल और बिहार के बोर्डर पर, भारत और बंगला देश के बोर्डर पर हमारा जो प्राणपुर विधान सभा क्षेत्र, कटिहार जिला, पूर्णिया, किशनगंज, अररिया – चार जिला है । इन चार–पांच जिलों में पथ निर्माण की सड़की की जो बुरा हाल है, कटिहार से चलकर पूर्णिया 30 कि.मी. दूरी तय करते हैं, कटिहार से चलकर हम मनिहारी के अन्दर में जाते हैं, कटिहार से चलकर किशनगंज और अररिया जाते हैं, कटिहार से चलकर सुपौल और मधेपुरा चले जाते हैं– आज हम सही समय पर नहीं पहुंच पाते हैं । जो बिहार के आदरणीय मुख्यमंत्री ने कहा था उस समय में कि बिहार के किसी भी कोने से बिहार की राजधानी पटना आने में चार से पांच घंटे लगेंगे । मैं जीता जागता उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत हूॅ, महोदय हमारा विधान सभा क्षेत्र प्राणपुर विधान सभा क्षेत्र का पश्चिम बंगाल का बोर्डर जो घरसौता पंचायत के अन्दर , वहां से जब हम 12–13 कि.मी. लम्बी पथ निर्माण विभाग की सड़क से जब कटिहार गुजरते है तब कटिहार आने में हमे तीन घंटा लगता

है और कटिहार से पटना पहुंचने में आठ घंटा लगता है । अध्यक्ष महोदय, यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है । यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है । अध्यक्ष महोदय, हम उन बातों को उद्धृत करना चाहते हैं, माननीय अध्यक्ष महोदय, आज हम बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग पर चर्चा कर रहे हैं, बिहार के अन्दर में 38 जिले है। अध्यक्ष महोदय, और 38 जिले के अन्दर में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने

बड़ी-बड़ी सभा करके उन्होंने कहा था बिहार को चमकाने का दृढ़ संकल्प लेते हैं । बिहार को सही रास्ते पर लाने का मैं दृढ़ संकल्प लेता हूॅ। हम बिहार को गुजरात के मॉडल पर, हम बिहार को विकसित राज्य बनाना चाहते हैं । अध्यक्ष महोदय, भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार की राजधानी पटना और बिहार के 38 जिलों में यहां की जनता को आग्रह करने के लिए आये थे, हम आपको बतलानाा चाहते हैं कि अध्यक्ष महोदय, आज बिहार की तुलना दूसरे राज्यों से करते हैं- मैं माननीय सदस्यों से अपील करना चाहता हूॅ हम किसी के हृदय को ठेंस नहीं पहुचाना चाहते हैं, हम सुझाव भी देना चाहते हैं अध्यक्ष महोदय...

अध्यक्ष : माननीय सदस्य ने पूरे सदन से अच्छी अपील की है, अच्छी अपील की है कि जब ये बोल रहे हैं तो शांति बनाये रखें और दूसरे सदस्य जब बोलें तब माननीय सदस्य आप भी शांति बनाये रखियेगा ।

.. क्रमशः ..

टर्न-10-ज्योति-2016

श्री विनोद कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, हम एक उदाहरण यह देना चाहते हैं कि जब बिहार से सटे झारखण्ड से हम गुजरते हैं और सभी माननीय सदस्य जाते ही होंगे बिहार के बगल में मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ है उससे गुजरते हुए जब बिहार में प्रवेश करते हैं तो उन सड़कों से जब गुजरते हैं, जिन सड़कों पर प्लेन और समतल रुप में निर्माण कराया गया है दूसरे राज्यों के अंदर में तो लोगों को नींद आ जाती है गाड़ी पर चलते चलते और जैस ही बिहार में प्रवेश करते हैं तो लोगों का शरीर तलमलाना स्टार्ट हो जाता है तो लोग समझ लेते हैं कि बिहार में पथ निर्माण की सड़क पर हम दौड़ रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, हल्ला करने से काम नहीं चलेगा । इस देश के अंदर में , राजस्थान भी एक राज्य है जहाँ भारतीय जनता पार्टी की सरकार है,मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ राज्य हैं जहाँ भारतीय जनता पार्टी की सरकार है । गुजरात भी राज्य हैं जहाँ भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। पंजाब भी है, हरियाणा भी है, महाराष्ट्र भी है, गुजरात भी है यहाँ तक कि जम्भू-कश्मीर और आपका झारखण्ड भी है उन राज्यों के अंदर चले जायें अध्यक्ष महोदय, वहां सड़कों का जो दृश्य मिलता है आज हमारा बिहार सड़कों के मामले में बीमारु राज्य बनता जा रहा है । हम तो चाहेंगे आदरणीय पथ निर्माण मंत्री जी से कि वहाँ पर जाकर देखें ।

अध्यक्ष : अन्य प्रदेशों में तो है लेकिन जम्भू-कश्मीर में तो अभी राष्ट्रपति शासन है ।

श्री विनोद कुमार सिंह : सड़क पर राष्ट्रपति शासन तो नहीं है अध्यक्ष महोदय । सड़क पर तो चलते हैं । वहाँ वैष्णव माता का दर्शन आप भी करने जाते हैं । हमलोग भी माता का दर्शन करने जाते हैं । सड़क तो अच्छी सड़क है । वास्तविकता को तो झुठलाया नहीं जा सकता है । हम आपको बतलाने के लिए आए हैं कि राज्य सरकार पथ निर्माण की योजना की राशि में कटौती कर रही है । इस वर्ष 2016-17 में 6599 करोड़ 6 लाख 38 हजार रुपया का आवंटन किया गया है । जिसमें योजना में 5641. 91 करोड़ और गैर योजना मद में 947.65 करोड़ का प्रावधान है । विश्व बैंक के एक अध्ययन में बताया गया है कि जिन ग्रामीण क्षेत्रों का सम्पर्क पक्की सड़कों से है उन क्षेत्रों में 2000-2009 के बीच में 50-100 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है । विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों के निर्माण में 10 लाख के निवेश पर करीब 163 लोग गरीबी से बाहर निकल गए हैं। यह आर्थिक सशक्तीकरण का आयाम भी है, सड़क की व्यवस्था होने से लोगों का जीवन स्तर सुधर रहा है । वे

अपने बच्चों की शिक्षा पर खर्च की हिम्मत जुटा रहे हैं । अध्यक्ष महोदय, सड़कों के बारे में हम बताना चाहते हैं कि 3 अगस्त 2014 का पेपर में निकला है कि राजापुर के बाद अब न्यू डाक बंगला रोड में 8 फीट गहरी धंसी सड़क । यह भी वास्तविक बात नहीं है क्या ? यह भी झूठे बात बोल रहे है क्यां ? ''राजधानी की सड़कें हुई आउट औफ डेटेड '' यह पेपर में निकला है । सड़क झील में तब्दील , सेतु निर्माण में करार से 1.08 करोड़ अधिक राशि पार कर दी गयी , यह घपला । अध्यक्ष महोदय, एक चीज और हम बताना चाहते हैं कि आई0बी0ई0एफ0 सर्वे रिपोर्ट उसे एजेन्सी का नाम है जिसकी रिपोर्ट में है कि नेशल हाई-वे के लिए 4572.49, स्टेट हाई-वे के लिए 4389.28 और मेजर डिस्ट्रीक्ट रोड के लिए 10128 और रुरल रोड के लिए 207406. 75 इतने कि0मी0 रोड के निर्माण के लिए सेंट्रल गवर्नमेंट ने सेंक्शन किया और वह काम आजतक प्रारम्भ नहीं किया गया है ।

अध्यक्ष महोदय, हम आपको बताना चाहते हैं कि मेरी 30 कि0मी0 लम्बी सड़क जो कटिहार से चलकर बस्तौल प्राणपुर रोड और यह निर्माण पॉच सात सालों से चल रहा है पता नहीं विभाग कहॉ पर सो गया और वह काम सही ढंग से चल भी नहीं रहा है और आधा अधूरा काम पड़ा हुआ है । वह काम भी अभी तक चालू नहीं हुआ है और पश्चिम बंगाल से जोड़ने वाली वह सड़क है उसको अविलम्ब चालू करना चाहिए । अध्यक्ष महोदय, राज्य के अंदर जो महत्वपूर्ण कुछ सड़क और पुल हैं मेरे पास सूची है और उस सूची को हम पढ़ना चाहते हैं ।

1- राजधानी पटना में गंगा किनारे से दीघाघाट से लेकर पटना सिटी के दीदारगंज के बीच बन रहे लोक नायक जय प्रकाश नारायण गंगा ड्राईव का निर्माण जमीन अधिग्रहण की समस्या के कारण धीमी गति से चल रहा है, कब उसका जमीन का अधिग्रहण होगा अध्यक्ष महोदय, अपने भाषण में पथ निर्माण मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूँ कि इन बातों का उल्लेख करेंगे ।

2- पटना न्यू बाईपास 2016 तक मिलने वाला था जो स्टेट हाई-वे 78 के रुप में बिहटा-सरमेरा पथ के नाम से जाना जायगा उसमें 50 प्रतिशत का काम हुआ है और 50 प्रतिशत का काम बाकी है ।

3- वेनीबाद -कटरा औरईया मार्ग पर 7 करोंड़ से बन रहा पुल गिर गया है ,ध्वस्त हो गया है ।

4-अध्यक्ष महोदय, कोईलवर पुल 150 साल पुराना है उसका दूसरा विकल्प अभीतक बिहार में नहीं ढूंढा गया है ।

5–पटना में एम्स से दीधाा तक बन रहा एलीवेटेड कोरीडोर की गति अत्यंत धीमी है । काम धीमी गति से चल रहा है ।

6–कच्ची दरगाह विदुपुर पुल 6 लेन का का होगा लेकिन जमीन अधिग्रहण के कारण वह भी पुल का निर्माण अभी तक व्यवधान के रुप में है ।

गांधी सेतू पुल अध्यक्ष महोदय, उस पुल होकर हमलोगों को कटिहार बराबर जाना पड़ता है । गांधी सेतू पुल का जो बुरा हाल है, जाम में फंसा हुआ रहता है । उसकी मरम्मती तक बिहार सरकार करवा नहीं रही है। आज तक आरा–छपरा,दाउदनगर –नासरीगंज, गंगा पर अगुवानी घाट पुल , बंगरा घाट पुल सहित दर्जनों पुलों का निर्माण अभी तक नहीं हो पाया है । भारत– नेपाल के बोर्डर पर रोड , पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, किशनगंज में अत्यंत धामी गति से रोड का निर्माण चल रहा है । इस प्रकार से अध्यक्ष महोदय, बिहार के अंदर में पथ निर्माण विभाग की सड़कों का बुरा हाल है, सरकार पता नहीं कहॉ पर सोयी हुई है । हम चाहते हैं माननीय मंत्री, नये नये माननीय मंत्री शपथ ग्रहण किए हैं बिहार के अंदर में हम एक सुझाव देना चाहते हैं । आप नंद किशोर यादव जी जैसा एक चमत्कार बिहार में लाईये नहीं तो आने वाले दिनों में बिहार की जनता आपको माफ करने वाली नहीं है । अध्यक्ष महोदय, बस इतनी ही बात कह कर मैं अपने विचारों को विराम देने के पूर्व एक दोहा अंत में सुनाना चाहता हूॅ ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, शान्ति बनाये रखिये । आपलोगों को जो कहना है आपकी बारी आयेगी तो बोलियेगा ।

श्री विनोद कुमार सिंह : अध्यक्ष महोदय, अंत में अपनी वाणी को विराम देने के पूर्व एक दोहा सुनाना चाहता हूॅ :

‘‘ उल्फत न सही, नफरत ही सही,यह हम भी गंवारा कर लेंगे । हल्ला तो कर रहे हैं उसी को स्वीकार भी कर लेते हैं ।

‘‘ उल्फत न सही, नफरत ही सही, यह हम भी गंवारा कर लेंगे, गंवारा का मतलब होता है अध्यक्ष महोदय, बर्दाश्त, उल्फत का मतलब होता है स्नेह, मोहब्बत और प्यार, उल्फत न सही, नफरत ही सही, यह हम भी गंवारा कर लेंगे एक याद आपकी, दिल में लेकर जीने का सहारा कर लेंगे। इन्हीं चंद शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देता हूॅ । धन्यवाद ।

टर्न–11/विजय/10.03.16

श्री भोला यादव: अध्यक्ष महोदय, आज मैं सरकार द्वारा पथ निर्माण विभाग का जो बजट लाया गया है, उसके पक्ष मे बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं ।

(व्यवधान)

महोदय, जिस तरह से एक स्वस्थ शरीर को संचालित करने के लिए स्वस्थ धमनियों की जरूरत होती है उसी तरह से विकसित राज्य को सुदृढ़ करने के लिए विकसित पथ की जरूरत होती है और पथ पर जब गाड़ी दौड़ती है तो जिस तरह से शरीर के नसों में, धमनियों में रक्त दौड़ता है उसी तरह से शरीर पूर्ण रूप से स्फुट होता है वही हाल राज्य के विकास का होता है जब सड़कों पर फर्राटे से गाड़िया दौड़ती हैं तो लगता है राज्य विकसित है ।

महोदय, हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय पथ निर्माण मंत्री जी ने एक निश्चय किया था और वह निश्चय था कि, बिहार के किसी कोने से राजधानी में 5 घंटे में पहुंचा जाय । इसके लिए सड़कों का सुदृढ़ीकरण होना आवश्यक है महोदय । सड़क बनकर तैयार हो गया है, राज्य विकास के पथ पर आगे निकल गया है । आज राज्य के किसी कोने से इवेन किशनगंज से भी राजधानी 5 घंटे में आप आराम से पहुंच सकते हैं महोदय। मै माननीय नीतीश कुमार जी और माननीय तेजस्वी प्रसाद यादव जी को धन्यवाद देता हूं कि इनके अथक प्रयास से इतना बड़ा सफल आयोजन हुआ है । मैं इसके लिए कोटि कोटि धन्यवाद देता हूं महोदय।

महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज जिस तरह से सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है और पुल पुलियों का जाल बिछाया जा रहा है उसकी जितनी भी तारीफ की जाय कम है । हमारे राज्य में झारखंड बंटवारा के बाद संसाधन का अभाव हुआ है, संसाधन की कमी हुई है । लेकिन इसके बावजूद भी दृढ़ इच्छाशक्ति के द्वारा विकास पुरूष माननीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जिस तरह से विकास की लहर बही है उससे हम इंकार नहीं कर सकते । हमारा राज्य विकसित राज्य की श्रेणी में आ गया है।

महोदय, मैं चंद विकास की बातें आपने समक्ष रखना चाहता हूं । माननीय मुख्यमंत्री जी ने पथ निर्माण विभाग में माइल स्टोन निर्धारित किया है जिसमें महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उच्च पथों को चार लेन में चौड़ीकरण का प्रोजेक्ट इन्होंने लाया है। राज्य उच्च पथों को टू लेन में चौड़ीकरण का प्रस्ताव लाया है और जिला पथों

को कम से कम इंटरमिडियेट लेन में चौड़ीकरण का प्रस्ताव इनका है और उस दिशा में बहुत तेजी से काम हो रहा है और उन्नयन का काम बहुत तेजी से चल रहा है महोदय । जितने भी पुराने जर्जर स्क्रू पाइप पुल थे उन सबको आर0सी0सी0 पुल में परिवर्तित किया जा रहा है महोदय । वर्तमान में राष्ट्रीय उच्च पथ की लम्बाई 4621 कि0मी0 हो गया है महोदय और राज्य उच्च पथ की लंबाई 4253 कि0मी0 हो गया है महोदय । जिला के अंतर्गत जो वृहत जिला पथ है उसकी लंबाई 10634 कि0मी0 हो गया है महोदय ।

महोदय, मैं यह बताना चाहता हूं कि सी0टी0पी0 योजना के तहत मुख्य रूप से 3 सड़कों का उन्नयन कार्य चल रहा है जिसमें बख्तियारपुर, करजइन और ताजपुर जिसमें पुल की लंबाई साढ़े पांच कि0मी0 है उस पुल को पी0पी0पी0 योजना के तहत किया गया है महोदय । दूसरा मोहनिया–आरा मार्ग है महोदय और तीसरा है बख्तियारपुर–रजौली मार्ग है इन सब को पी0पी0पी0 योजना के तहत बहुत तेजी से कार्य चल रहा है और इसमें बहुत ही जल्दी सफलता प्राप्त कर लिया जाएगा महोदय । एक अन्य योजना इ0पी0पी0 योजना चालू किया गया है महोदय जिसके तहत दीदारगंज से दीघा चार लेन लोकनायक गंगा पथ जो गंगा नदी के किनारे किनारे जायेगी उसका निर्माण भी काफी प्रगति पर है, आधा से अधिक काम हो गया है और जल्द ही वह काम पूरा हो जाएगा महोदय । और दूसरा है एम्स से दीघा तक चार लेन एलिवेटेड कोरीडोर का कार्य वह भी बहुत तेजी से हो रहा है, यह पथ जब बनकर तैयर हो जाएगा तो पटना के रिंग रोड के रूप में स्थपित हो जाएगा महोदय और पटना सिटी से आराम से कोई आदमी आसानी से आ जा सकता है, बिना रूकावट के महोदय ।

कच्ची दरगाह से बिदुपुर सिक्स लेन मेगा ब्रिज का कार्य जारी हो गया है महोदय । हमारे मित्र और हमारे सहयोगी विनोद बाबू कह रहे थे कि वहां जमीन अधिग्रहण में ही कठिनाई है लेकिन कहीं कोई कठिनाई नहीं है महोदय । राघोपुर और बिदुपुर के लोग इसको बहुत ही संजीदगी से लिया है और सहर्ष जमीन देने के लिए तैयार हैं कहीं कोई रूकावट नहीं है महोदय ।

महोदय, भारत नेपाल सीमा पर उत्तर प्रदेश के सीमा पर गोबरहिया है वहां से लेकर बंगाल सीमा तक गलगलिया जिसके बीच में नेपाल सीमा के सामानान्तर पथ के योजना का कार्य बहुत ही तेजी से हो रहा है महोदय।

महोदय, मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत 4778 पुलों का निर्माण हो चुका है और 1323 पुलों का निर्माण जारी है महोदय ।

(इस अवसर पर माननीय सभापति श्री मो0 इलियास हुसैन ने आसन ग्रहण किया)

सभापति महोदय, मैं अपने मित्र विनोद कुमार सिंह जी के भाषण को बड़ी संजीदगी से सुन रहा था । उन्होंने बहुत ही एक गंभीर प्रश्न उठाया है कि राजद के 15 वर्षो में सड़कों का बुरा हाल था । क्वेश्चन बहुत अच्छा छेड़े हैं । मैं उसका जवाब बहुत ही संजीदगी से दे रहा हूं । विपक्ष के भाइयों से अनुरोध है कि जाइयेगा मत, सुन लीजियेगा मेरी बातों को ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य, भोला बाबू एक सेकेन्ड । आप सरकारी बेंच हैं, सम्मानित सदस्य हैं आपलोग । यह मानकर चलिये, संसार लेवल पर मैं बात बता रहा हूं ,

भला करने वाले भलाई किये जा,

बुरा करने वालों को दुआएं दिये जा ।

जिसका काम ही है नित्य सुबह से शाम तक गालियां देना उनको क्या बात बताइयेगा । अपनी बात कहिये ।

श्री भोला यादव: महोदय, मेरे पुरखे, बाप दादा बहुत दिनों तक गाली सुने अब अधिक दिन तक गाली सुनने की हममें क्षमता नहीं है । मैं जवाब देना चाहता हूं और जवाब सुनाना चाहता हूं । ये लोग जो बैठे हैं सामंती विचारधारा के लोग हैं इनको सुनने की भी आदत डालनी चाहिए । प्रेम बाबू को छोड़कर सामंती सब हैं ।

महोदय, 15 वर्षो के शासन काल में ये कह रहे हैं कि कुछ नहीं हुआ । महोदय मैं याद दिलाना चाहता हूं ।

(व्यवधान)

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) मैंने किसी व्यक्ति विशेष को या आपको इंगित नहीं किया है । मैंने जेनरल रूप में कहा है ।

श्री संजय सरावगी: इस तरह से नहीं होना चाहिए ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन): आप संदेश दे सकते हैं । मानवता के नाम पर बुराई के बदले भलाई किया जा सकता है । बोलिये भोला बाबू ।

श्री भोला यादवः महोदय, आसन सर्वोपरि है आसन का जो आदेश होता है निदेश होता है । माननीया पूर्व मुख्यमंत्री, श्रीमती राबड़ी देवी जी का कार्यकाल था उस समय केन्द्र में माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जी प्रधानमंत्री थे और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय उच्च पथों के मद में पैसा जो दिया जाना था राज्य को वह देना बंद कर दिये महोदय और जिसके कारण जितनी भी एन0एच0 की सड़के थीं सब में ठेहुना ठेहुना भर का गड्ढ़ा हो गया था महोदय और हमें याद है उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री, श्रीमती राबड़ी देवी जी के दिशा निदेश पर सभी पथों पर बोर्ड लगाया गया था महोदय- यह भारत सरकार का पथ है ।

(व्यवधान)

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): शांति, शांति ।

महोदय, मैं याद दिलाना चाहता हूं ये जो भाजपा के लोग हैं जहां इनकी सरकारें होती हैं वहां तो सहयोग करते हैं लेकिन जहां इनके विपक्ष की सरकार होती है वहां ये लोग सहयोग नहीं करते । उनको परेशान करते हैं महोदय । वही सीन आज हो गया है महोदय जब 2004 में यू0पी0ए0-1 आयी और पैसों का बूम किया तो आप कहते हैं कि हमने सड़कें बनवाई, आपने सड़कें नहीं बनाया । माननीय लालू प्रसाद यादव जी रेल मंत्री बने, माननीय रघुवंश प्रसाद सिंह ग्रामीण विकास मंत्री बने और पैसों का बूम किया केन्द्र से और उन पैसों के बदौलत बिहार में प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत गांव गांव को सड़कों को जोड़ा गया महोदय और एन0एच0 में इतना पैसा दिया गया कि जितने भी गड्ढ़े थे सब भर गए ।

टर्न–12/बिपिन/10.3.2016

श्री भोला यादव : क्रमशः और एन.एच. में इतना पैसा दिया गया जो जितने भी गढ़े थे, सब भर गये और अच्छे–अच्छे रोड बन गए ।

सभापति (मो.इलियास हुसैन) माननीय सदस्य, अपना भाषण समाप्त करें । कृपया ।

श्री भोला यादवः महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं आज वही स्थिति आ गया है। आज केंद्र में माननीय नरेन्द्र मोदी जी का शासन है और माननीय नरेन्द्र मोदी जी चाहते हैं कि बिहार का विकास नहीं हो और वो बिहार के विकास में पुनः 2004 से पहले वाला स्थिति लाना चाहते हैं महोदय और पैसों में कटौती कर रहे हैं । जो केन्द्रीय परियोजना था, यू.पी.ए. के टाइम में मिलता था 90परसेंट केन्द्र सरकार द्वारा और 10परसेंट राज्य को लगाना पड़ता था । महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि उस समय 90परसेंट केन्द्र के द्वारा द्वारा पैसा मिलता था और 10परसेंट राज्य को लगाना पड़ता था । विनोद बाबू कहते हैं कि आप बीमारू राज्य हैं, ठीक है हम बीमारू राज्य हैं तो बीमारू का इलाज न कीजिएगा कि पैसा लेकर भाग जाइएगा ?

सभापति(मो.इलियास हुसैन): अब समाप्त कीजिए ।

श्री भोला यादवः महोदय, आप कहते हैं हम 60परसेंट पैसा देंगे, 40आपको लगाना होगा । 'न राधा को नौ मन घी होगा, न राधा नाचेगी' । आप चाहते हैं कि न इनके पास फंड होगा, न विकास करेंगे ।

सभापति(मो.इलियास हुसैन): अब समाप्त कीजिए । माननीय सदस्य ललन पासवान जी । दो मिनट आपका ।

श्री ललन पासवानः सभापति महोदय, दो मिनट का समय है । मैं सरकार से आग्रह करूंगा, मेरे यहां एक सड़क है एन.एच. से मोहनिया और भभुआ से.

(व्यवधान)

सभापति(मो.इलियास हुसैन): अब तो आगे बढ़ गए हमलोग । (व्यवधान) भोला बाबू, व्यवधान मत डालिए । कृपया बैठ जाइये । लिखित दे दीजिएगा, माननीय मंत्री, उप–मुख्यमंत्री देख लेंगे । चलिए।

(व्यवधान)

सभापति(मो.इलियास हुसैन): कृपया आसन को दुविधा में मत डालिए । कृपया । आप लिख कर दे दीजिएगा । ललन पासवान ।

श्री ललन पासवानः सभापति महोदय, एक सड़क का सरकार से हम मांग करना चाहते हैं । तेजस्वी यादव जी डिपुटी चीफ मिनिस्टर हैं और पथ निर्माण मंत्री हैं । संकल्प के साथ कुछ काम करने आए हैं । मैं इनसे आग्रह करूंगा । मेरे यहां एक सड़क है एन.एच. -2 मोहनिया से मॉ मुण्डेश्वरी, मॉ मुण्डेश्वरी से भगवानपूर, रामपुर से वेलांव होते हुए चेनारी आती है और चेनारी से सदोखर, सदोखर से से मलिकपुर, सदोखर दरियांव से सड़क आकर ताराचंडीधाम एन.एच.-2 सासाराम से मिलती है । पिछले समय भी सदन में डिमांड पर मैंने कहा था । नन्द किशोर यादव जी माननीय मंत्री थे । उन्होंने स्टेट हाइवे सदन में घोषणा कर चुके हैं और घोषणा के बाद भी अभी तक यह सड़क लम्बित है । माननीय मंत्री जी से आग्रह करेंगे कि इस सड़क को स्टेट हाइवे घोषित कर दें । यह चार पर्यटक स्थल को जोड़ती है - मॉ मुण्डेश्वरी, रोहतासगढ़ किला, गीताघाट आश्रम और ताराचण्डी धाम । चार सड़क को जोड़ती है ।

दूसरा आग्रह है माननीय मंत्री जी से । एन.एच.-2 सी. सासाराम से तिलौथू, डिहरी तिलौथू, अमझौर होते हुए रोहतास, नौहट्टा और सीधे जदुनाथपुर जाते हुए जारदा होकर जाती है चोपल से । हमारी सीमा तक अगर थोड़ी-सी, वैसे मैं नितिन गडकरी जी से मिला था, मेरे सामने उन्होंने ऑर्डर किया है । राष्ट्रीय राज मार्ग में एन.एच.-2 है । अगर उन्होंने घोषणा किया, इनसे आग्रह करेंगे, हमारे सड़क से बद से बदतर है । आधी बनी है और आधी नहीं बनी है । वहां ट्रैक्टर भी नहीं जा सकता है । बैलगाड़ी भी नहीं चल सकता है ।

सभापति(मो.इलियास हुसैन): ठीक है, आपका समय समाप्त ।

श्री ललन पासवानः एक मिनट, एक सड़क और है । एन.एच. टू मोहनिया से सोनभद्र जो सड़क जाती है जोड़ती है, अगर वह सड़क जुड़ जाती है तो वह सड़क दो राज्यों को जोड़ती है तो हमारी सीमा तक जोड़ना है । उधर से उत्तर प्रदेश से जुड़ा हुआ है । एस. एच.-5 राजमार्ग है । उत्तर प्रदेश का दोनों सड़क अगर जुड़ जाती है, एक सड़क है, एक पुल का, पंडुका पुल, हम समझते हैं कि अखबार में खबर छपी है । केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार के और नरेन्द्र मोदी जी के ..

सभापति(मो.इलियास हुसैन): आपका समय समाप्त, ललन पासवान जी ।

श्री ललन पासवानः एक सेकेंड में । पंडुका एक पुल है सभापति महोदय, दो राज्यों को जोड़ने वाली सड़क है, पुल है सभापति महोदय, दो हजार करोड़ का है । हम सुन रहे हैं। इसका शिलान्यास होने वाला है । मंत्री जी को ज्यादा पता है । अभी उस पुल के सवाल पर भारत के केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी साहब से मिले थे,मैंने खबर पढ़ा था । उस पुल

का शिलान्यास कब करेंगे, हमको लगता है कि अगर पुल का शिलान्यास जल्द हो जाए तो निश्चित तौर से इसका भला होगा ।

सभापति(मो0इलियास हुसैन): ठीक है, अब आपका समय समाप्त हुआ । माननीय सदस्य मुजाहिद आलम । 10मिनट आपका समय है ।

श्री मुजाहिद आलम: माननीय सभापति महोदय, 65,99,06,38,000रूपया जो पथ निर्माण विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2016-17 के लिए अनुदान मांग रखी गई है मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं ।

माननीय सभापति महोदय, आप सब लोग जानते हैं कि आज बिहार सबसे ज्यादा तेज गति से तरक्की करने वाला राज्य है और किसी भी रियासत की तरक्की के लिए पथ निर्माण का बहुत ही महत्वपूर्ण रोल रहता है । अभी हमारे साथी विनोद सिंह भाई बोल रहे थे कि बिहार एक बीमारू राज्य है, जबकि आप ही की केन्द्र सरकार ने बिहार को सबसे ज्यादा तरक्की करने वाला राज्य का सर्टिफिकेट दिया है और हमारे नेता नीतीश कुमार ने संकल्प किया था हम तो राज्य के सबसे अंतिम छोर पर हैं, किशनगंज जिला जो राजधानी पटना से सबसे ज्यादा दूरी पर है छः घंटे में राजधानी पहुंचाने का काम करेंगे । आज में गर्व के साथ कहता हूं कि आज हमलोग 6घंटे में राजधानी पटना किशनगंज से पहुँचते हैं । जब मैं छात्र था पढ़ने के लिए आता था 12 से 14 घंटा किशनगंज से पटना पहुंचने में लगता था और विनोद भाई बोल रहे हैं कि कटिहार से पटना आने में इनको 8घंटे का समय लगता है। इनको अपनी गाड़ी चेक-अप करा लेना चाहिए ।

सभापति(मो.इलियास हुसैन): माननीय सदस्य, मुजाहिद आलम साहब, आपके बगल में भोला बाबू बोले कि पांच घंटे में आ जाते हैं, क्यों एक घंटा बढ़ा दिया आपने ? बगल में सुनना चाहिए था आपको ।

श्री मुजाहिद आलम: जी ।

श्री भोला यादव: सभापति महोदय..

सभापति(श्री इलियास हुसैन): आप कुछ कहना चाहते हैं क्या भोला बाबू ?

(व्यवधान)

श्री भोला यादव: महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं । मुझे 20 मिनट आवंटित समय था, मुझे 7 मिनट ही बोलने दिया गया है । मैं आपका संरक्षण चाहता हूं महोदय ।

श्री मुजाहिद आलम: माननीय सभापति महोदय, आप सब लोग जानते हैं कि बिहार सरकार ने अपने बूते पर 2232कि.मी. नेशनल हाइवे का उन्नयन कार्य किया है, 3261कि. मी. स्टेट हाइवे, 12554 कि.मी. विभिन्न जिला पथों का उन्नयन कार्य संभव हो पाया है ।

आज नेपाल सीमा के तमाम उत्तर पश्चिमी चम्पारण, पूर्वी चम्पारण सीतामढ़ी, सुपौल, अररिया से किशनगंज जिला से गलगलिया तक 552.293कि.मी. सड़क का निर्माण कार्य चल रहा है । इसके अलावे 34रेलवे ओवर ब्रीज का कार्य चल रहा था जिसमें से 22पूर्ण हो चुका है, 12 पर काम तेजी से से चल रहा है । विजन 2020 के तहत हमारे नेता नीतीश कुमार और हमारे उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने राज्य के सबसे अंतिम छोर से राजधानी पटना पहुंचने का पांच घंटे का लक्ष्य निर्धारित किया है और उस पर कार्य चल रहा है । मैं आपके माध्यम से किशनगंज जिले में सेवेन स्टेट्स से जो सेवेन सिस्टर्स कहलाता है उसका इंट्री प्वायंट किशनगंज कहा जाता है । जब हमलोग बचपन में थे तो बाहर से जो लोग सेवेन सिस्टर्स से किसनगंज इन्ट्री करते थे तो गाड़ियों से उनको पता चल जाता था कि बिहार में दाखिल हो गए हैं । आज सड़कों हालत ऐसी अच्छी हो गई हैं कि आज बाहर के लोग जब किशनगंज से जब सेवेन स्टेट्स से जब इन्ट्री करते हैं तो सड़क से ही पता चलता है कि बिहार की सीमा समाप्त हो गई है और दूसरे राज्य की सीमा में प्रवेश कर गए हैं... क्रमशः

टर्न–13/राजेश/10.3.16

श्री मोहाजिद आलम, क्रमशः– अब हमलोग दूसरे राज्य की सीमा में प्रवेश कर रहे हैं। सभापति महोदय हम आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय का ध्यान आकृष्ट करना चाहूंगा कि हमारे किशनगंज जिला में पथ निर्माण विभाग की कुछ समस्या है। जैसा कि एक सड़क है मस्तानचौक–बगलबाड़ी–कमलपुर–बरबट्टा, यह 21 कि0 मी0 सड़क है, यह सड़क जिला मुख्यालय से पूणियाँ जिला को जोड़ती है, इसकी चौड़ाई बहुत कम है और इस सड़क पर बहुत ट्रैफिक है,जिसके कारण दुर्घटनाएँ होते रहती है, इसलिए इसको चौड़ीकरण किया जाय और यह 2015–16 के कार्य योजना में भी शामिल है। दूसरा हमारे टेढ़ागाछ प्रखंड जो दूर का प्रखंड है,वहाँ से जिला मुख्यालय आने के लिए अररिया जिला होकर आना पड़ रहा है, वहाँ पर लऊचा में कंकई नदी पर एक पुल का निर्माण 32 करोड़ की लागत से चल रहा है, जिसका शिलान्यास माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के द्वारा 2012 में सेवा यात्रा के दौरान किया गया था और जिसको जनवरी, 2014 में पूरा होना था लेकिन अभी तक वह पूरा नहीं हो सका है, तो इसके लिए माननीय मंत्री जी से आग्रह कर रहा हूँ कि इसके लिए दोषी पदाधिकारियों एवं संवेदक पर यथाशीघ्र कार्रवाई कर उस पुल को पूरा करने की कृपा की जाय। हमारे यहाँ किशनगंज के पोठिया में अरबलआरी में आपका ध्यान 990 करोड़ की लागत से हमारे नेता श्री नीतीश कुमार जी ने डा0 कलाम कृषि कॉलेज का निर्माण कराया है, वही पर थरथरी के पास महानंदा नदी में एक पुल की मांग जब हमारे नेता श्री नीतीश कुमार जी 11 जनवरी, 2014 को शिलान्यास में लोगों द्वारा मांग रखी गयी थी कि ठाकुरगंज और बहादुरगंज प्रखंड के बहुत सारे एरिया के लोगों को जिला मुख्यालय आने में 40 किलोमीटर घूमकर आना पड़ता है,इसलिए आग्रह करता हूँ कि उस पुल का भी निर्माण कराया जाय। हमारे यहाँ एक महत्वपूर्ण सड़क है रहमदपाड़ा–बरबट्टा–मस्तानचौक,इसमें एक मोदोहॉट के पास मुर्गीगेदी नदी पर एक स्क्रू पाईल पुल है, उस पुल की स्थिति यह है कि उसमें बैरियर लगा हुआ है, ट्रैक्टर तक भी उसमें आना–जाना नहीं कर रहा है, इसलिए स्क्रू पाईल की जगह पर आर0सी0सी0 पुल बनाने की कृपा की जाय। हमारे यहाँ एक सड़क है शीतलनगर से आलमनगर पुराना बरबट्टा महुआ से शाहनगरा, यह जो ग्रामीण कार्य विभाग की सड़क है लेकिन यह बहुत ही महत्वपूर्ण सड़क है, मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि इस पथ को पथ निर्माण विभाग में

अधिग्रहित करते हुए इसका निर्माण कराया जाय। इसके अतिरिक्त एक और बहुत इम्पौरटेंट सड़क है,जो पूर्णिया जिला के सीमा बथमदाह से निकलकर भगालशाहपुर–भवानीगंज–पुट्टी–कमलपुर–रहमदपाड़ा होते हुए जनता हाट..... (व्यवधान)

सभापतिः– माननीय सदस्य आपका समय समाप्त हुआ।

श्री मोहाजिद आलमः– महोदय उस सड़क को भी ग्रामीण कार्य विभाग से अधिग्रहित करते हुए उस सड़क को निर्माण कराने की कृपा की जाय। एक और इम्पौरटेंट सड़क है काकोईहाट से हरवादारा होत ेहुए मांगी होते हुए महमूदचौक आती है,उस ग्रामीण कार्य विभाग की सड़क को भी पथ निर्माण विभाग में अधिग्रहित करते हुए उसका निर्माण कराया जाय। हमारे यहॉ एक सड़क है डी0वी0–15 जिसको कोचाधामन का लाईफ लाइन कहा जाता है,उस सड़क का अधिग्रहण 2004 मे बिहार सरकार के द्वारा किया गया है लेकिन अब 2004 से अब 2016 हो गया है लेकिन अब उस पथ पर पथ निर्माण विभाग के द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया है जो रहमदपाड़ा से शुरु हो करके शीतलनगर तक जाती है भाया विशनपुर चैनपुर बसौरा,उस सड़क पर पथ निर्माण विभाग को काम करने की आवश्यकता है, इसपर काम शुरु करने की कृपा की जाय। सभापति महोदय,आपने मुझे मौका दिया, आपको बहुत–बहुत धन्यवाद ।

सभापति (श्री मो0इलियास हुसैन):– धन्यवाद। एक स्पष्टीकरण राष्ट्रीय जनता दल को 59 मिनट में श्रीमान् माननीय सदस्य भोला बाबू को 10 मिनट का समय दिया गया था, वे आक्रोशित है, मैंने उन्हें 12 मिनट बुलवा दिया, 17 मिनट की गलतफहमी है, जो चार्ट हमारे सामने बना हुआ है।

श्री भाई वीरेन्द्रः– 10 मिनट विजय कुमार विजय जी वाला था ।

सभापति(श्री मो0इलियास हुसैन):– यह कहा बताया गया था, यह नहीं बताया गया था हमको ।

श्री विजेन्द्र प्रसाद यादवः– चलिये। हो गया ।

सभापति(श्री मो0इलियास हुसैन):– भारतीय राष्ट्रीय कॉग्रेस समय आपको 17 मिनट। माननीय सदस्य श्री विजय शंकर दूबे ।

श्री विजय शंकर दूबेः– महोदय, समय कॉग्रेस का 20 मिनट निर्धारित था।

सभापति(श्री मो0इलियास हुसैन):– अभी मैनेजमेंट माननीय अध्यक्ष द्वारा 17 मिनट का आया है सदस्यों की संख्या को देखते हुए।

श्री विजय शंकर दूबेः- महोदय,पथ निर्माण विभाग के प्रभारी मंत्री, राज्य के उप-मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी यादव जी द्वारा जो पथ निर्माण विभाग के लिए मांग प्रस्तुत किया गया है उसके समर्थन में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ ! सभापति महोदय, समर्थन मैं इसलिए करता हूँ और समर्थन होना भी चाहिए कि आज प्रदेश में नयी मैनडेट को लेकर जो सरकार आयी है और सरकार सदन में बजट ले करके पथ निर्माण विभाग का लेकर आयी है,उसको और पैसे बढ़ाने की जरुरत है,उसका समर्थन करने की जरुरत है, इसलिए हम उस मांग का पुरजोर समर्थन कर रहा हूँ। महोदय माननीय सदस्य भारतीय जनता पार्टी के विनोद जी बोल रहे थे कि देश में प्रजातंत्र के बाद कॉग्रेस ज्यादा समय तक शासन की, निःसंदेह कॉग्रेस ज्यादा समय तक शासन की और कॉग्रेस की शासन की ही देन है कि आज हमारा मुल्क दुनिया में सर उठाकर चलता है,जब स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी, तो सूई का कारखना भी हमारे देश में नहीं था और आज परमाणु बम हमारे बनाने की स्थिति में है,आज दुनिया के सामने हम सर उठाकर चलते हैं,यह कॉग्रेस का देन है। महोदय, आलोचनाएँ होती हैं, लोकतंत्र में आलोचना और पक्ष विपक्ष दोनों ही है, केवल सत्तापक्ष ही लोकतंत्र नहीं है, लोकतंत्र में महोदय सब चलता है और अब तो इस देश में महोदय सबको सत्ता करने का मौका मिल गया,अब केवल कॉग्रेस ही नहीं बल्कि भारतीय जनता पार्टी को भी हुकुमत करने का मौका मिल गया है, मोदी जी को देखकर देश की जनता बड़े ही गौर से निहार रही है,उनकी घोषणाओं को और उनकी करनी को। महोदय, हम आगे कहना चाहता हूँ कि पथ निर्माण विभाग की मांग पर हम पूर्वांचल से शुरु करना चाहता हूँ। हमारे दल के नेता माननीय सदानन्द बाबू के क्षेत्र से संबंधित एक महत्वपूर्ण सवाल है,पिछले दिनों पहले सत्र में माननीय सदस्य ने अल्पसूचित प्रश्न के माधयम से सवाल उठाया था और माननीय मंत्री जी ने आश्वस्त किया था महोदय कि आपको धरना पर नहीं जाना पड़ेगा, आपके पथ का निर्माण कराया जायेगा। महोदय, वह पथ है 80 किलोमीटर लंबा भागलपुर और घोरघट-मिर्जाचौकी-पीरपैती, उस पथ का हालत महोदय भागलपुर और कहलगॉव मिर्जाचौकी तक 70 किलोमीटर की स्थिति अत्यन्त ही दयनीय है, उस पथ के नहीं बनने के कारण, लंबे समय से लंबित रहने के कारण, उस पथ के भूभाग में पड़ने वाले लोगों ने मतदान का बहिष्कार किया था और सदानन्द बाबू का मतदान थोड़ा घट गया, वैसे तो माननीय सदस्य निर्वाचित हुए, इसलिए हम आज कहना चाहते हैं कि हमारे नेता, हमारे पार्टी विधायक दल के नेता, वे राज्य के सबसे पुराने सदस्य

हैं, महोदय जहॉ पर आप बैठे हुए हैं उस चेयर पर भी प्रोटेम स्पीकर की हैसियत से भी उनको बैठने का मौका मिला, मैं माननीय उप–मुख्यमंत्री जी से भी निवेदन करना चाहता हूँ कि आपने जो सदन को आश्वस्त किया था,आप अविलंब अधिकारियों का बैठक करके, स्पेशल मीटिंग करके, माननीय सदस्य को भी उसमें रख करके उसका निराकरण कराइये, नहीं तो उस आश्वासन का कोई अर्थ ही नहीं रह जायेगा। महोदय, दूसरा एक पूर्वांचल का चर्चा, उस रोड के बारे में चर्चा करना चाहता हूँ, हमारे पार्टी के मो0जावेद जी सदस्य है और वे हमारे पार्टी के व्हिप भी है..... (व्यवधान)

सभापति (श्री मो0इलियास हुसैन):– माननीय सदस्य क्या बोल गये, अभी बोलने के क्रम में कि इस आश्वासन का कोई..... (व्यवधान)

श्री विजय शंकर दूबे– अर्थ ही नहीं रह जायेगा।

सभापति(श्री मो0इलियास हुसैन):– आशा पराकाष्ठा पर आ चुका है, स्वार्थ तंत्र कब टूटे।

श्री विजय शंकर दूबे:– महोदय, आशा का भी कोई सीमा होती है।

क्रमशः

टर्न–14/कृष्ण/2016

श्री विजय शंकर दूबे (क्रमशः) पथ निर्माण विभाग, आर0सी0डी0 डिवीजन, किशनगंज के अन्तर्गत मोरा थाना आजाद नगर होते हुये बुधरा पोठिया रोड 12.9 किलोमीटर रोड है । महोदय, यह पश्चिम बंगाल को जोड़ता है, राष्ट्रीय राज मार्ग को जोड़ता है । अगस्त,2015 में इसका टेंडर हो गया, निविदा स्वीकृत हुआ, अस्वीकृत हुआ, आज तक पेपर के सीन से गायब है । उस पथ का न तो निर्माण हो रहा है, न तो टेंडर कैंसिल हुआ, न वह बता रहा है विभाग । महोदय, उस पथ का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है, दो विधान सभा क्षेत्रों के सदस्यों का वह रोड है, मात्र 12.9 किलोमीटर रोड है, माननीय मंत्री जी उस पर ध्यान रखेंगे । उस पथ को बनाना नितांत आवश्यक है ।

महोदय, अब मैं सारण डिवीजन के अन्तर्गत अपने पड़नेवाले क्षेत्र छपरा की ओर आप के माध्यम से सरकार का और माननीय मंत्री जी का ध्यान आकृष्ट करना चाहते हूं । महोदय, पटना पहाड़ी से ले कर के हाजीपुर, छपरा, मांझी, रघुनाथपुर, दरौली, गुठनी पथ सर्वे हुआ था, जब स्व0 राजेश पायलट जी एन.एच0 का मंत्री हुआ करते थे । उसके बाद कालांतर में चन्द्रशेखर जी,पूर्व प्रधान मंत्री थे, बाद में हुये थे । लेकिन राष्ट्र के बड़े नेता थे । उस पथ का मांझी से ले करके बलिया, गाजीपुर,गुठनी तक सर्वे हुआ था, एन0एच0 19 है, मांझी तक ही शेष रोड का भाग बलिया गाजीपुर जिला में पड़ता है । महोदय, मैं इस संदर्भ में कहना चाहता हूं कि मांझी से ले कर के ताजपुर तक उस पथ की स्थिति बहुत दयनीय है । मैं माननीय मंत्री को धन्यवाद देना चाहता हूं, सदन में सदस्य निर्वाचित हो कर के मैं आया, उस पथ के बारे में ध्यान आकृष्ट किया, रोड में गड्ढे हैं या गड्ढे में रोड है, कहना मुश्किल था । मैंने माननीय मंत्री का ध्यान आकृष्ट किया । मैं धन्यवाद करना चाहता हूं उप मुख्यमंत्री को कि गड्ढे को तो भरवा दिया लेकिन उस पथ को जबतक प्लान हेड में ले जाकर निर्माण नहीं कराया जायेगा, वह पथ चलने लायक नहीं हो सकता है । महोदय, उस रोड में काम लगा बहुत जगहों पर, आधे रोड में आर0सी0सी0 की ढलाई का काम हो गया, आधा रोड ऐसे ही पड़ा हुआ है । ठीकेदार भाग गया, ठीकेदार का काम रीसाईन हुआ, काम रीसाईन हुआ तो इससे जनता को संतोष नहीं है । उस रोड में पड़नेवाले पूरा निर्वाचन क्षेत्र, दो विधान सभा के क्षेत्रों के लोगों को, रोड पर रहनेवाले लोग स्नोफिलिया बीमारी का शिकार हो गये, धूल के कारण । तो गड्ढे तो भरे गये । मैं माननीय मंत्री से अनुरोध करना चाहता हूं कि उस पथ को प्लान हेड में लेकर उसका जिर्णोद्धार,नवीनीकरण करायें ।

सभापति महोदय, आप भी जानते है, आप भी पथ निर्माण विभाग के मंत्री रहे हुये हैं । छपरा शहर गाड़ियों का फ्लीट बढ़ने की वजह से गोपालगंज, उत्तर प्रदेश, सीवान के यात्रियो कों छपरा शहर से निकलने के लिये कम से कम एक घंटा से ज्यादा समय तक जाम में रूकना पड़ता है, जाम में फंसना पड़ता है । इसलिए मैं वैकल्पिक मार्ग का सुझाव देता हूं ।

सभापति (श्री मो. इलियास हुसैन) : माननीय सदस्य वहां तो स्व.भिखारी ठाकुर थे, स्मारक के बगल से बाईपास बना हुआ है ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, वह तो घूम कर अली स्टैंड पर मिल जाता है । अली स्टैण्ड से आगे भगवान बाजार तक ..

सभापति : ठीक है , ठीक है ।

श्री विजय शंकर दूबे : महोदय, मेरी बात पूरी होने दिया जाय । मैं कह रहा हूं वह वैकल्पिक मार्ग मानपुर-गरखा, शाहपुर-नगरा जलालपुर मार्ग यह पी0डब्ल्यू0डी0 का है । श्री मुनेश्वर चौधरी जी का, श्री जितेन्द्र यादव जी का और मेरे निर्वाचन क्षेत्र का यह पी0डब्ल्यू0 डी0 का रोड है और इसको पूरी तरह से प्लान हेड के पैसे से इसका निर्माण कराना चाहिए ताकि छपरा का वैकल्पिक मार्ग बन सके । इसलीए महोदय, मैं इतनी राय दे करके पथ निर्माण विभाग के बाद इस गिलोटीन में दूसरा विभाग भी है, सप्लाई डिपार्टमेंट भी इस में शामिल है । महोदय, भारतीय जनता पार्टी के लोग विरोध के लिये विरोध करते हैं जरूर, विपक्ष में हैं । उनका विरोध करना भी वाजिब है । उन्होंने उठाया था, आज राज्य में हो क्या रहा है ? महोदय, हम मैनडेट लेकर आये हैं गरीबों का । गरीब लाग भोजन के अधिकार के अन्तर्गत 70 से 80 प्रतिशत लोगों को जो कार्ड मिला हुआ है, पूरे राज्य में राशन कार्ड का बंटवारा सही ढंग से नहीं हो रहा है । महोदय, मैं यह बात आपसे कहना चाहता हूं और सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं । चुनाव के समय अक्टूबर-नवंबर में, दिसंबर-जनवरी में दो माह का गैप हुआ । आखिर वह राशन कार्ड कहां चला गया ? किरासन तेल कहां चला गया ? एक बात और मैं बड़ी वेदना के साथ कहना चाहता हूं कि आखिर गरीब लोग दुकानदार के समक्ष कार्ड लेकर जाते हैं, अंधे लोग हैं, फटेहाल लोग हैं, बेवायें है उनको पी0डी0एस0 के दुकानदार अपमानित करते हैं। यह बात सरकार को ध्यान में रखना चाहिए ।

सभापति (श्री मो0इलियास हुसैन) आपका समय समाप्त हुआ । अच्छा तर्क आपने दिया । श्रीमती आशा देवी । आपका समय 10 मिनट हैं ।

श्रीमती आशा देवी : सभापति महोदय, मैं कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के लिये खड़ी हुई हूं । साथ ही मैं अपने नेता के प्रति आभार व्यक्त करती हूं । मैं आदरणीय माननीय सदस्यों से आग्रह करती हूं कि डिस्टर्ब न करें क्योंकि मैं पहली बार बोलने के लिये खड़ी हुई हूं । सभापति महोदय, अभी हमारे भोला भाई ने कहा कि बहुत दिनों से लोग गाली दे रहे हैं, अब गाली सुनने की क्षमता नहीं है । भोला भाई, मैं आग्रह करती हूं कि अभी आप सरकार में हैं, आप बहुत अच्छा-अच्छा काम करें ताकि जनता गाली न दे । 15 सालों तक तो बहुत बेहाल रहे । आप उस समय थे । हम भी कभी आप से मिले थे । मैं अभी पथ निर्माण विभाग पर बोलने के लिये खड़ी हुई हूं । महोदय, अभी जो बिहार की स्थिति है, वह बहुत दयनीय है । अभी कहीं भी आने-जाने में समय लगता है । मैं कहना चाहती हूं कि केन्द्र सरकार के द्वारा जो राशि की स्वीकृति दी जाती है, वह राज्य सरकार खर्च नहीं कर पाती हळ । पथ निर्माण विभाग में कर्णांकित राशि का मात्र 62 परसेंट ही खर्च पायी है। यह राशि भी निगम को स्थानान्तरित कर दी जाती है ।

राज्य सरकार के निर्माण से संबंधित जितने भी विभाग हैं, सब ने अपना-अपना निगम बना रखा है । निगमों के माध्यम से सरकार पैसे खर्च करती है, जिससे अनावश्यक विलंब होता है और समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण नहीं हो पाता है । निगमों के लिये कोई स्थापित नियम अभी तक नहीं बनाया गया है, जिसके कारण निगम मनमाने ढंग से अपना काम करती है ।

महोदय, जिस विभाग में योजना राशि का खर्च ज्यादा दिखा गया गया है जैसे पथ निर्माण विभाग 79.01 प्रतिशत, स्वास्थ्य विभाग 57.34 प्रतिशत, शिक्षा विभाग 50. 38 प्रतिशत । भवन निर्माण विभाग और लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की तो अलग कहानी है । जो बड़े-बडे. विभाग हैं, उनका अपना-अपना निगम है, जिसकी अधिकांश राशि सरकार द्वारा इन निगमों में स्थानान्तरित कर दिया जाता है - जैसे पुल निर्माण निगम, पथ विकास निगम, भवन निर्माण निगम, आदि निगमों के माध्यम से सरकार अपने कार्यों का संचालन करती है । पैसा सरकार का होता है, व्यवस्था निगम करती है और समूचा पैसा मार्च आते-आते निगमों में स्थानान्तरित कर दिया जाता है । निगमों में इस पैसे को सुरक्षित रख कर उसी पैसे को निर्माण कार्यों में खर्च कराया जाता है ।

क्रमश :

टर्न-15/सत्येन्द्र/10-3-16 .

श्रीमती आशा देवी : (क्रमशः) .. क्योंकि इसकी एकाउन्टब्लिटी सरकार के ऊपर नहीं होती है। इसके अलावे सभी निगमों में भारत सरकार में कार्यरत बिहार के एलायड सर्विस के पदाधिकारी को भारत सरकार से अनुरोध कर अपने मनचाहे पदाधिकारियों को मांगा जाता है फिर निगम एवं बोर्ड में महाप्रबंधक के पद पर नियुक्ति कर उनके माध्यम से वे सरकार के सभी योजना के पैसे को निगम में स्थानांतरित करते है और धीरे-धीरे योजना को क्रियान्वित करती, जिससे कार्य नहीं हो पाता है। सभी संबंधित निगमों में जहां-जहां खासकर आधारभूत संरचना का कार्य हो रहा है।

सभापति(मो0 इलियास हुसैन) माननीय सदस्या अपने दानापुर के बारे में कहें।

श्रीमती आशा सिन्हा: महोदय,वहां बड़े पैमाने पर अपरोक्ष रूप से ठेका देना एवं कार्यान्वयन में भ्रष्टाचार फैला हुआ है जिसमें वहां के अधीनस्थ उच्चस्थ पदाधिकारी संलिप्त है।महोदय, राज्य सरकार को जो भी पैसा आता है उससे काम नहीं होता है। महोदय,मैं अभी एक बात बतलाना चाहती हूँ। महोदय, राज्य में पथ निर्माण में लगी एजेंसी से रंगदारी मांगी जाती है, उनमें कार्यरत पदाधिकारी से रंगदारी मांगते हैं उनके मशीन को जला दिया जाता है और उनके इंजीनियर मुंशी की हत्या कर दी जाती है। महोदय इससे बिहार में काम कैसे होगा? मैं सरकार से कहना चाहती हूँ कि लॉ एंड आर्डर ठीक करे। महोदय,दानापुर दियारा में हर साल 6 महीने के लिए पीपा पुल लगाया जाता है। महोदय, वहां के लोग 6 महीने पीपा पुल का प्रयोग करते हैं और 6 महीने नाव से आवागमन करते हैं, इससे दुर्घटना होती रहती है। दानापुर का यह पुल दिघवारा को जोड़ने का काम करती है जिसका प्रयोग सारण के लोग पटना आने जाने के लिए करते हैं। यहां अगर पक्का पुल का निर्माण मंत्री महोदय करवा दें तो ज्यादा अच्छा होगा जो साल में एक करोड़ रू0 पानी में बहाया जाता है वह सरकार के पक्ष में काम आयेगा। महोदय,दानापुर के आर0पी0एस0 की जो सड़क है वहां की आबादी काफी घनी है वह 2-3 कि0मी0 से ज्यादा लम्बा सड़क है महोदय हम बहुत बार से इसके लिए लिखते रहे लेकिन अभी तक सरकार के नॉलेज में नहीं गया । महोदय,मंत्री जी से मैं कहना चाहती हूँ, मंत्री जी बगल में दानापुर है कभी भी इसको जाकर देख लीजिये कि वहां क्या हालत है। मैं आपसे कल भी पथ निर्माण के बारे में बात की थी। हम चाहेंगे कि दानापुर पर विशेष ध्यान दिया जाय। महोदय,पथ निर्माण पर कई माननीय सदस्य बड़ी बड़ी बात बोल रहे थे मैं कहना चाहती हूँ कि क्या आप लोग जो बतला रहे हैं कि 6 घंटा 7 घंटा लगते हैं, भगवान करें आप सरकार में हैं आपको सुदबुद्धि दें कि यहां की सड़क अच्छी रहे ताकि यह आपको भी काम आयेगा और हमें

भी आयेगा। यहां इसके गार्जियन बैठे हुए हैं। अभी बिहार में सड़क की स्थिति काफी दयनीय है। दानापुर में कैंटोमेंट का जो रोड है बहुत दिन से जर्जर पड़ा हुआ है हम इसके लिए बहुत बार लिखें लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पांच साल से लिखते लिखते थक गये हैं दानापुर में उसरी से लेकर लक्ष्मी बिगहा तक का रोड बन रहा है उसमें मेटेरियल गिर रहा है लेकिन काम नहीं हो रहा है। महोदय,मैं मंत्री जी से कहना चाहती हूॅ कि अपने पदाधिकारी को जरूर बतायें कि जो काम लगा हुआ है उस काम को जल्द पूरा करायें ताकि आम जनता को सुविधा मिले। मैं सभापति महोदय का समय देने के लिए आभारी हूॅ। जय हिन्द।

श्री अत्री मुनि उर्फ शक्ति सिंह यादव:सभापति महोदय,आसन के प्रति सबसे पहले कृतज्ञता व्यक्त करते हुए माननीय पथ निर्माण मंत्री और बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा प्रस्तुत बजट के समर्थन में और विपक्ष द्वारा दिये गये कटौती प्रस्ताव के विरोध में मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूॅ। सभापति महोदय,महागठबंधन की सरकार बनने के बाद आदरणीय उपमुख्यमंत्री जी और माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी ने पथ निर्माण की दिशा में 2020 का कार्यक्रम स्पष्ट तौर पर रेखांकित किया है,स्पष्ट किया है बिहार के मतदाताओं को बिहार के लोगों को कि बिहार के सड़क निर्माण में राज्य सरकार पूरी तरह से जो राज्य के जनता को वादा किया है उसके प्रति अडिग है, प्रतिबद्ध, है कटिबद्ध है। बिहार की सरकार आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व जो सरकार महागठबंधन की चल रही है और आदरणीय उप मुख्यमंत्री जी बिहार के पथ निर्माण मंत्री है, उन्होंने पथ निर्माण की दिशा में जो अपनी बातें रखी है स्पष्ट तौर पर बिहार निश्चित रूप से सड़क के क्षेत्र में एक लम्बी छलांग लगायी है और आगे इन्होंने जो भिजन रखा है 2020 का उसमें स्पष्ट तौर पर राज्य की सड़क की बेहतरी के लिए उसमें चिन्हित किया गया है। कई पुल पुलियों का, कई सड़कों का, कई टू लेन को फोर लेन में कनभर्ट करने का रखा हैं जो राज्य के विकास में, सर्वांगीण विकास में एक बड़ा योगदान होगा। राज्य का सेहत राज्य के सड़क से जानी जाती है निश्चित तौर पर बिहार की सड़कें बिहार की सेहत आज अगल बगल के पड़ोस के जो राज्य है उस राज्य के सड़क से बेहतर स्थिति है वो बयां करती है कि राज्य की सड़कें राज्य की सेहत और सड़क दोनों बेहतर है और अच्छा है जो राज्य के प्रमुख शहर है उसको ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने लक्ष्य निर्धारित किया है। आवागमन के लिए गांव से माल ढोने की सुविधा उन सबों को चिन्हित कर के जो प्रमुख बाजार है उनको कैसे कनेक्टभिटी करेंगे इसका जो लक्ष्य विभाग ने रखा है उससे आम अमाव, उस इलाके में रहने वाले लोग के लिए अपने प्रमुख बाजारों में अपने मालों को लेकर, जो कृषि

उत्पादन है उसको लेकर कैसें पहुंचाये इसमें उसका भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह बिहार के विकास में दूदरर्शी नतीजा का परिणाम है कि कोई भी सरकार विकास करना चाहती है राज्य का विकास निश्चित तौर पर आदरणीय उपमुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव और आदरणीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार विकास की दिशा में लंबी छलांग लगायेगी। विपक्ष के नेता कई सवाल पर बोल रहे थे हम सुन रहे थे कटौती प्रस्ताव पर चर्चा इन्होंने की लेकिन इन चीजों को आप भलीभांति देखा नहीं है, रोड के सवाल पर आपने कटौती प्रस्ताव लाया। एक तरफ रोड के सवाल पर आपने कटौती प्रस्ताव लाया तो दूसरी तरफ आप सड़क की स्थिति पर बयां कर रहे हैं, बता भी रहे हैं कि राज्य की सड़कें किस रूप में है। महोदय, जब पूर्व में सरकार बनी थी तो आदरणीय नीतीश कुमार जी के साथ आप भी सरकार में थे आपके वरिष्ठ नेता प्रतिपक्ष के नेता प्रेम कुमार जी भी मंत्री थे, आदरणीय नन्दकिशोर जी भी मंत्री थे, कई घंटे का लक्ष्य निर्धारित हुआ लेकिन राज्य की सरकार 2015 में जो बनी महागठबंधन की सरकार उसे स्पष्ट तौर पर कहा कि राज्य के अंतिम छोर पर राजधानी पहुंचने का समय 5-6 घंटा होगा।

सभापतिः हमलोग यह चर्चा करने से बेहतर अपनी बात रखें मौजूदा वक्त में आप तमाम राष्ट्र के सहयोग से 19 साल की उम्र में सिकन्दर विजेता बना था । मैं सदन से कहता हूॅ कि आप सहयोग कीजिये, पोजिटिव मंत्री है यह भी सिकन्दर की तरह इस राज्य को विजय दिलायेगा।

श्री अत्री मुनि उर्फ शक्ति सिंह यादवःनिश्चित। यह बात तो मैं कह रहा हूॅ इनके मन में जो राज्य के विकास के लिए इन्होंने जो मन में एक संकल्प लिया है राज्य की जनता के साथ इन्होंने जो वादे किये उन वायदे के मुताबिक आपने विभागों में राज्य की सरकार और माननीय तेजस्वी जी जो बिहार के उपमुख्यमंत्री हैं इन्होंने विकास को आगे बढ़ाने के लिए काम किया है।(क्रमशः)

टर्न-16/मधुप/10.03.16

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव : ...क्रमशः... ये विकास को आगे बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित हैं । इन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा सरकार बनने के बाद कि हम राज्य में काम करने के लिए आये हैं, भोग लगाने के लिए नहीं आये हैं । उसी का प्रतिफल है कि 5 घंटे का लक्ष्य इन्होंने निर्धारित किया है कि किसी भी इलाके से लोग राजधानी तक पहुँच सकें ।

बगल में हमारे साथी बोल रहे थे, मोकामा में जो नदी पर पुल है 2-लेन, उसको 4-लेन में कन्वर्ट करने के लिए निविदा आमंत्रित किया जा चुका है । आवागमन की दिक्कते होती थीं, ट्रैफिक की जो स्थिति थी वहाँ, सारी चीजें की जा रही हैं । जो गाँव की सड़कें हैं, आज जो सबसे ज्यादा खास्ता हाल है, आपका जो एन0एच0 है, उसकी स्थिति सबसे बुरी है । इस सन्दर्भ में प्रतिपक्ष के लोग अपनी सकारात्मक भूमिका अदा करें कि राज्य को ज्यादा से ज्यादा विकास के सवाल पर हम अपनी सहभागिता उसमें दें कि राज्य को ज्यादा से ज्यादा पैसा मिले ताकि हमारा राज्य आगे बढ़े । आप कह रहे थे कि जो भाजपा शासित राज्य है, वहाँ की सड़कें बहुत अच्छी हैं । मैं हाल ही के दिनों की चर्चा करना चाहता हूँ, आप चले जाइये दतिया से लेकर ग्वालियर तक जाने वाला जो पथ है, भाजपा शासित राज्य है मध्य प्रदेश, उसकी स्थिति बहुत जर्जर है । किस निगाह से आप अपने जो शासित राज्य हैं, उसकी चर्चा आप उन्नत राज्यों की श्रेणी में करते हैं ? जहाँ आप रहते हैं, जहाँ साँस लेते हैं, जहाँ चलते हैं, फर्राटेदार गाड़ियों से दौड़ते हैं, वहाँ क्या भला-बुरा कहते हैं ! लोकतंत्र में पक्ष-विपक्ष की बातें होती हैं लेकिन जहाँ तक विकास का सवाल सामने आता है, निश्चित तौर पर सकारात्मक बातें होनी चाहिए, सुझाव होना चाहिए । प्रतिपक्ष के लोग सुझाव देते हैं तो अच्छा लगता है ।

निश्चित तौर पर आदरणीय तेजस्वी जी ने युवाओं के बीच में जो उत्साह का संचार किया है, आदरणीय नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व में, कुशल प्रबंधन में इन्होंने बिहार के युवाओं के लिए एक संदेश दिया है । आइडियल ऑफ यूथ के रूप में तेजस्वी जी सामने बिहार में आये, लोगों ने अंगीकार किया है, स्वीकार किया है इनको । ये जीतकर आये हैं, जनता के समर्थन से जीतकर आये हैं, किन्हीं की कृपा पर नहीं आये हैं, जनता ने इन्हें चुना है । बिहार की बेहतरी के लिए, बिहार के विकास में इनका जो सकारात्मक योगदान है, वह अदा कर रहे हैं । लगातार ये ज्यादा से ज्यादा अपने सभी विभागों में टाइम देते हैं ।

प्रभारी मंत्री जो पथ निर्माण विभाग के हैं, बिहार के उप मुख्यमंत्री भी हैं, उनसे मैं आग्रह करूँगा कि अपने क्षेत्र के बारे में भी कि हमारे यहाँ जो सड़कें हैं, डियामा से लेकर बेरथू पथ जो मसौढ़ी को जोड़ता है, वह पथ अधिग्रहित किये जा चुके हैं पथ निर्माण विभाग के द्वारा, उसको निश्चित तौर पर कार्य योजना में लें । हिलसा के बारे में कहना चाहता हूँ, आदरणीय नीतीश कुमार जी ने जाकर पिछली बार कहा था, कार्य रूप लिया गया है, दोनों तरफ से पूरब और पश्चिम, दोनों तरफ से बाईपास बनाने का जो प्रस्ताव है, निश्चित तौर पर सरकार के पास विचाराधीन है । जल्द से जल्द उसका शिलान्यास हो, भूमि अधिग्रहण के जो उसमें सवाल थे, लगभग सारी अड़चनें दूर की जा चुकी हैं । खासकर हिलसा-चिकसारा और बासडीह को जोड़ने वाली जो पथें हैं पथ निर्माण विभाग का, उसमें धन आवंटित करके, निश्चित तौर पर जो सुदूर इलाका था, उसको उन्नत की श्रेणी में आदरणीय मुख्यमंत्री जी के कुशल प्रबंधन और कुशल नेतृत्व में विकास हो रहा है, जो बिहार आगे बढ़ रहा है और आगे बढ़ता रहेगा । आप अपना युवा नेतृत्व देकर सबसे ज्यादा से ज्यादा युवाओं के बीच में बिहार को आगे ले जाने में जो अपनी महती भूमिका अदा कर रहे हैं। इसलिए मैं आपके प्रति भी कृतज्ञता जाहिर करता हूँ । खास करके मैं कहना चाहता हूँ, सभी नये-नये सदस्य जो यहाँ जीतकर पहली बार इस सदन में आये हैं, चूँकि मैं बोल रहा हूँ इसलिए मैं कहना चाहता हूँ माननीय वरिष्ठ नेताओं से, आप लगातार किन्हीं सवालों को लेकर सदन में आकर जिस तरह से अपनी भूमिका अदा करते हैं, निश्चित तौर पर जनता के सवालों का, विधायकों के सवालों की हकमारी करते हैं । सुबह में जब सदन चालू होता है, प्रश्नकाल चलता है बाधित करते हैं, शून्यकाल चलता है बाधित कर देते हैं, ध्यानाकर्षण चलता है तो बाधित कर देते हैं....

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : अभी यह विषय है क्या !

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव : यह सभी विषय जुड़ा हुआ है, महोदय । बिहार के विकास के साथ जुड़ा हुआ है, उनके हितों के साथ जुड़ा हुआ है । इसलिए निश्चित रूप से इन चीजों पर ध्यान देने की जरूरत है ।

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : अब आपका समय समाप्त ।

श्री अत्री मुनी उर्फ शक्ति सिंह यादव : आदरणीय उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी के द्वारा पथ निर्माण विभाग का जो बजट प्रस्तुत किया है, मैं इसका समर्थन करते हुए अपनी बातों को समाप्त करता हूँ । जय हिन्द ।

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : श्री राजू तिवारी । आपका दो मिनट का समय है ।

श्री राजू तिवारी : आदरणीय सभापति महोदय, पथ निर्माण विभाग के बजट के कटौती प्रस्ताव पर अपनी बात रखने के लिए आपने जो हमें समय दिया है, उसके लिए धन्यवाद । सबसे पहले मैं केन्द्र सरकार को आपके माध्यम से बधाई देना चाहता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में दो रोड, पूर्वी चम्पारण के हरसिद्धि बनकट यादवपुर लगुनिया और अरेराज दरियापुर, जो महत्वपूर्ण रोड है जो केन्द्र सरकार ने दिया है तथा महत्वपूर्ण रोड राज्य सरकार भी बनवाने जा रही है । हम दोनों सरकारों को बधाई देते हुए अपनी बात को आगे बढ़ाते हैं ।

हमारे गोविंदगंज विधान सभा क्षेत्र में गोविंदगंज पहले एक बहुत छोटा-सा बाजार हुआ करता था । आज विधान सभा क्षेत्र उसी के नाम से है लेकिन बाजार विलुप्त हो गया है । बाढ़ आने से वहाँ पर, पहले एक बड़ा बाजार हुआ करता था, जल मार्ग से वह बाजार बहुत महत्वपूर्ण था । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूँ माननीय मंत्री जी का कि गोविंदगंज घाट से, बाजार से मुश्किल से चार-पाँच किलोमीटर दूर गोपालगंज जुड़ जायेगा, मैं सरकार का ध्यान उसपर आकृष्ट करना चाहूँगा कि उसपर एक पुल देकर जिससे नेपाल से सीधे, रक्सौल से सीधे रोड निकल जायेगा गोपालगंज और यू0पी0 बोर्डर की तरफ । मैं सरकार का ध्यान उस ओर आकृष्ट कराना चाहूँगा कि उसको अपने प्राथमिकता में रखने का कष्ट करें । इसलिये भी जरूरी है क्योंकि एन0एच0 23 पर जो डुमरिया घाट पुल है, जहाँ पर हमारे गोपालगंज के एम0एल0ए0 लोग भी उसी रास्त का प्रयोग करते है, एक पुल के बगल में एक पुल बन रहा है । हम करीब 6-7 साल से देख रहे हैं कि हमेशा काम लगा रहा है, कभी पुल टेढ़ा हो जाता है, फिर दूसरी कोई कम्पनी आती है, समझ में नहीं आता है कि 6-7 साल से बगल में एक जो पुल बन रहा है, उसमें क्या उपाय हो रहा है, सरकार उसमें क्या कर रही है, समझ से परे है । गन्ना के सीजन में एक बहुत पतला पुल है जिसपर अगर एक गन्ना वाला कोई ट्रैक्टर रूक जाय तो बड़ी भयावह स्थिति होती है । मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूँगा कि वह पुल भी जल्द से जल्द जुड़ जाय चूँकि वह अन्तर्राज्यीय रास्ता है । जो गन्ना किसान ले जाते हैं या हमलोगों के भी आने-जाने में जो दिक्कत होती है उसे दूर कराया जाय । मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ अपने विधान सभा क्षेत्र की ओर, पशुपति चौक से सिरनी होते हुए, यह रास्ता सीधे निकल जाता है पश्चिमी चम्पारण, सिरनी बाजार होते हुए गहरी बाजार । हम आपके माध्यम से सरकार का ध्यान दिलाते हुए आग्रह करेंगे कि इसको पी0डब्लू0डी0 में लेकर काम कराया जाय । धन्यवाद ।

सभापति (मो0 इलियास हुसैन) : श्री सत्यदेव राम । आपका समय दो मिनट है ।

श्री सत्यदेव राम : सभापति महोदय, राज्य सरकार के पथ निर्माण नीति पर बात करने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ लेकिन महोदय, आपने घोषणा की है कि दो ही मिनट बोलना है तो निश्चित रूप से दो मिनट में किसी नीति पर बात पूरी नहीं होगी । इसलिए सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री, पथ निर्माण से आग्रह करता हूँ कि मेरे विधान सभा क्षेत्र दरौली में एक सड़क है, ग्रामीण सड़क है टीयर आन्दर भाया आसाम। मैं आग्रह करता हूँ कि इस सड़क को पी0डब्लू0डी0 से जोड़कर उसका निर्माण कार्य कराया जाय चूंकि उस प्रखंड का जो भौगोलिक बनावट है, ऐसा बनावट है कि पूरे प्रखंड के लोगों के लिए एकमात्र वह रास्ता बनता है, उसका पश्चिमी छोर और पूर्वी छोर दोनों पी0डब्लू0डी0 से मिलता है । लेकिन आज उस सड़क की जर्जर हालत है और पूरे प्रखंड के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है । मैंने पहले दिन के भी अपने भाषण में कहा था और आज भी आग्रह करता हूँ कि कम से कम वह एक सड़क इस वित्तीय वर्ष में बना दिया जाय ।

.....क्रमशः...

श्री सत्यदेव राम : (क्रमशः) ऐसे हम बहुत लम्बा बात नहीं करना चाहते हैं, लेकिन यह मांग हमारी है । इस तरह से मेरा जो दरौली विधान सभा क्षेत्र है, दरौली में भी एक लोगों का डिमांड है जिससे हम सरकार को अवगत करा देना चाहते हैं कि दरौली यू0पी0 के सिकन्दरपुर दोनों के बीच में गंगा नदी में एक पुल निर्माण कराने का मांग है, यह मांग लम्बे समय से उठ रही है और वह लंबित है । मैं सरकार से यह आग्रह करूँगा कि भागलपुर के बाद छपरा में ही एक पुल है, जो नदी को पार करता है, बीच में कहीं कोई पुल नहीं है । इसलिए हम आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि इसको भी रिपोर्ट में रखा जाय और सरकार इसपर ध्यान देकर काम कराये । सभापति महोदय, आपने समय दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : जनता दल यूनाइटेड, माननीय सदस्य श्री अभय कुमार सिन्हा, आपका समय 10 मिनट ।

श्री अभय कुमार सिन्हा : सभापति महोदय, मैं पथ निर्माण विभाग के 2016-17 के बजट मांग के पक्ष में और कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । सभापति महोदय, सबसे पहले आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपके प्रति आभार प्रकट करता हूँ । महोदय, किसी भी राज्य के विकास में पथों एवं पुल-पुलियों का अहम योगदान होता है । राज्य को गति देने में सड़क और पुल-पुलियों का बहुत ही बड़ा योगदान होता है। मैं आपके माध्यम से विकास पुरूष मुख्यमंत्री जी को और माननीय उर्जावान पथ निर्माण विभाग के मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ । केन्द्र सरकार के उपेक्षा के बावजूद भी अपने बूते गंभीर और सार्थक पहल राज्य में सड़कों के निर्माण और पुल-पुलियों के निर्माण में तथा अनुरक्षण का कार्य कर रहे हैं । महोदय, यह कहते हुए हमें तनिक भी झिझक नहीं होती कि सरकार पथ निर्माण एवं वृहत पुलों के क्षेत्र में एक से एक कार्य कर रही है । हम आपके माध्यम से कहना चाहेंगे कि बिहार में पहला सिक्स लेन का पुल गया के फल्गू नदी में बना और बनकर के जनता के लिए समर्पित भी कर दिया गया है । हम आपके माध्यम से कहना चाहेंगे कि गंगा नदी पर कच्ची दरगाह विदुपुर के पास पुल का निर्माण कार्य चल रहा है, उससे आने वाले समय में लोगों को जो फायदा पहुँचेगा, उसके एहसास से ही बिहार की जनता आज सरकार को कोटि-कोटि धन्यवाद दे रही है । महोदय, अनेकों कार्य पथ निर्माण विभाग के द्वारा कराये जा रहे हैं । बिहटा-सरमेरा, लखीसराय पथ, औरंगाबाद जिला के दाऊदनगर, रोहतास जिला अन्तर्गत नासरीगंज के बीच

सोन नदी पर पुल का निर्माण हुआ महोदय । यह तो एक-दो उदाहरण है, परन्तु आने वाले दिनों में जनहित एवं जनभावना के अपेक्षा के अनुरूप विभाग के द्वारा कार्य कराये जा रहे हैं । यह तमाम कार्य माननीय मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व और माननीय उप मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व में चलाये जा रहे हैं । मैं उस ओर बैठे साथी को शायद विकास दिखायी नहीं देती है । मैं आपके माध्यम से गर्व से कहना चाहता हूँ मुझ जैसे गरीब के बेटा को माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में काम करने का मौका मिला, इसके लिए हम अपने आप को गौरवान्वित महसूस करते हैं । महोदय, मैं आपके माध्यम से चैलेज करता हूँ कि विरोधी दल के सदस्य बहुत सारी बातें रख रहे थे और मैं भी बहुत गौर से सुन रहा था । मैं इसको चैलेंज करता हूँ कि बिहार का कोई भी ऐसा घर बता दे, चाहे वह किसी जाति वर्ग का घर हो, जहां माननीय मुख्यमंत्री जी के विकास की किरण नहीं पहुँची हो ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : इसमें किसी को कोई शक है क्या ?

श्री अभय कुमार सिन्हा : शक वाले वेल में आ जाते हैं महोदय । माध्यम पथ निर्माण विभाग हो या अन्य सभी विभाग हो, किसी न किसी माध्यम से कोई भी घर अछूता नहीं है विकास की किरण से । बिहार का गौरव है कि आज महागठबंधन की सरकार और आदरणीय नेता नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में जनता ने जो आस्था और विश्वास रखी है। वो जो कहते हैं उसको करने में विश्वास रखते हैं । वायदे करते हैं तो उसे निभाने में विश्वास रखते हैं । हमने बिहार की धरती पर बहुत ऐसे नेताओं का भाषण सुना है और बहुत ऐसे राजनेताओं का इस बिहार की धरती से झूठ भी आया है । हम तो कहना चाहेंगे, अभी बहुत सारे साथी हमारे बता रहे थे कि बिहार की धरती पर, बिहार के एक कोने से आने में 8 से 11 घंटा लगता है । यह तो झूठ बोल रहे हैं, यह तो अपने आप साबित करता है । कोई भी ऐसा क्षेत्र बता दे, जहां से लक्ष्य था 6 घंटा में राजधानी पहुँचने का, 6 घंटा का लक्ष्य प्राप्त कर लिया गया है । अब जो महागठबंधन की सरकार बनी है, उसमें लक्ष्य रखा गया है कि अब हम राजधानी में किसी भी बिहार के कोने से 5 घंटे में पहुँचे महोदय, वह भी निश्चित रूप से पूरा किया जायेगा । बिहार की जनता सारी बातों से अवगत है, अब बिहार की जनता को, आवाम को नीतीश कुमार जी जो बोलते हैं, उसपर पूर्णरूपेण विश्वास भी है । बिहार के साथ सौतेलापन व्यवहार केन्द्र की सरकार कर रही है । हम कहना चाहते हैं कि केन्द्र की सरकार सौतेलापन व्यवहार न करे । कार्य करने के लिए राशि दे, न कि उसमें कटौती करे । बिहार की जनता तमाम चीजों को देख रही है । बिहार सरकार को भी देख रही है और केन्द्र सरकार को भी देख रही है । अतः भेद-भाव छोड़े और सहयोग करे। साकारात्मक वातावरण बनाये और बिहार जिस गति के साथ विकास कर रहा है,

उसमें हमारे विपक्षी साथी भी सहयोग करें । यही हम आपके माध्यम से आग्रह करना चाहते हैं । महोदय, हम कहना चाहते हैं कि जिस तरह से छोटी-छोटी बातों पर माननीय पिक्षी सदस्य वेल में आ जाते हैं । हरेक विभागों में केन्द्र सरकार के द्वारा राशि की कटौती की जा रही है, यह एक बहुत बड़ा मुद्दा है । अगर हमलोग भी चाहें तो यहां नहीं वेल में आकर हमलोग दिल्ली में जाकर के धरना प्रदर्शन माननीय सदस्य लोग करने का काम करें ताकि केन्द्र सरकार के कान में यह गूँज पहुँचे कि हमारे बिहार के साथ जो भेद-भाव किया जा रहा है, उसको सही हक और अधिकार मिल सके । अन्त में महोदय, हम बहुत, बहुत आभार प्रकट करते हुए हमारे टेकारी विधान सभा क्षेत्र में भी एक-दो समस्या है । हम तो धन्यवाद देना चाहेंगे माननीय पथ निर्माण मंत्री जी को कि चितौड़ा उसराहा दौड़ा पथ है, वह थोड़ी जर्जर हो गई थी, उसकी निविदा निकाल दी गई है, इसके लिए धन्यवाद देना चाहते हैं । महोदय, हमारे विधान सभा क्षेत्र में दो प्रखण्ड आता है - एक कोच प्रखण्ड है, कोच के पास से एक ढ़ैरा की ओर नहर जाती है, यह कच्ची सड़क है, उसमें दर्जनों गांव चतुरीबिगहा, हुलासगंज, तरारी, दौलतपुर, सीताबिगहा ऐसे कई गांव हैं, जो रोड से वंचित है बहुत दिनों से, चूँकि उस क्षेत्र में विकास की गई है लेकिन भेद-भाव के साथ विकास किया गया है ।

..... क्रमशः .....

टर्न-18/अंजनी/दि010.03.16

क्रमशः....

श्री अभय कुमार सिन्हा : हम आपके माध्यम से माननीय विभागीय मंत्री जी से आग्रह करना चाहेंगे कि चूंकि वरसात का जब समय आता है तो उन गांवों के लोगों का आवागमन तक बंद हो जाता है, इसलिए इस विभाग के द्वारा जल्द-से-जल्द कार्य कराया जाय । महोदय, टेकारी प्रखंड में बेला से एक रोड जाती है जो बेलहरिया से टेकारी के पास पहुंचता है, बगल में मोहरर नदी है, उसपर पुल का निर्माण हो गया है, उस रोड को पी0डब्लू0डी0 से लेकर अगर उसका कार्य कराया जाता है तो पटना से टेकारी की दूरी तकरीबन 30 किलोमीटर कम हो जायेगी, इसलिए सभापति महोदय, हम आपके माध्यम से यह आग्रह करना चाहेंगे । बेला बेलहरिया से एक पंचानपुर रोड जाती है, उसकी दूरी भी कम हो

जायेगा और तकरीबन दर्जनों गांव उससे लाभान्वित होंगे, इसलिए उसको भी पी0डब्लू0डी0 में लेकर कराया जाय ताकि पटना की दूरी कम हो जाय ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : अब आप समाप्त करें, आपका समय हो गया ।

श्री अभय कुमार सिन्हा : महोदय, एक और आग्रह है कि बेला टेकारी से पेसपा एक आर0ई0ओ0 की रोड है, उसको अगर पी0डब्लू0डी0 में लेकर कराया जाय तो दर्जनों गांव लाभान्वित हो सकेंगे और इधर गया जिला, अरवल जिला और जहानाबाद जिला को भी बहुत अच्छा लाभ भी मिलेगा । महोदय, यह हम आग्रह करते हुए आपने मुझे जो समय दिया, उसके लिए बहुत-बहुत आभार प्रकट करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूँ ।

जय हिन्द-जय बिहार ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : धन्यवाद । भारतीय जनता पार्टी, समय 12 मिनट, माननीय सदस्य श्री राणा रणधीर । आप अपने नाम के मुताबिक हम आशा करते हैं कि **सारगर्भित** भाषण देंगे ।

श्री राणा रणधीर : जी धन्यवाद । सभापति महोदय, मेरे लिए बड़े ही गौरव और सौभाग्य की बात है कि मुझे यह सुअवसर मिला है कि आज मैं आप सबों के समक्ष बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ । पथ निर्माण विभाग की बजट की जो मांग है वर्ष 2016-17 के लिए, उस मांग की कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने का अवसर मिला है । इस अवसर को देने के लिए मैं अपने नेता आदरणीय श्री प्रेम कुमार जी, आदरणीय श्री अरूण कुमार सिन्हा जी एवं सभापति महोदय के प्रति आभार प्रकट करता हूँ और अपना सौभाग्य समझता हूँ । मैं मोतीहारी जिला के मधुवन विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ, जो काफी पिछड़ा भी है लेकिन जुड़ा हुआ रहा है । महोदय, मैं कटौती प्रस्ताव के पक्ष में बोलने के पहले मनोवर राणा साहेब का एक मशहुर शेर है और मैं आदरणीय सभापति महोदय के मिजाज को समझता हूँ, इसलिए एक शेर के साथ मैं अपनी बात को शुरू करूँगा कि मंजिल करीब आते ही एक पांव कट गया, मनोवर राणा साहेब का एक शेर है- मंजिल करीब आते ही एक पांव कट गया, चौड़ी हुई सड़क तो मेरा गांव कट गया । बिहार में एन0एच की 4,572 किलोमीटर की सड़कें हैं, करीब 4300 किलोमीटर एस0एच0 की सड़कें हैं लेकिन मेरे विधान सभा क्षेत्र के फेनहरा ब्लॉक में, तीन ब्लॉक का मेरा विधाान सभा क्षेत्र है और जो फेनहरा ब्लॉक है, उसमें न तो एन0एच0 की और न ही एस0एच0 की एक भी किलोमीटर की कोई सड़क है । मैं आज बोलने के लिए खड़ा हुआ था, हमारे फेनहरा बलॉक की हमलोगों की एक बूढ़ी दादी लगती है, मैंने उनका आर्शीवाद लिया और अपने सबसे वरिष्ट, सदन के सबसे वरिष्ट नेता आदरणीय सदानंद बाबू का चरण छुकर आया कि आज मुझे

बोलने का अवसर मिला है तो मैं आज जो बोलुंगा तो उसमें थोड़ा असर भी देना । उसने कहा कि कितनी करूणा और उसके श।ब्द महादेवी वर्मा जी के शब्द हैं, उनके माध्यम से सदन के सामने रखना चाहता हूँ । कितनी करूणा, कितने संदेश पथ में बिछ जाते वनपराग, गाता प्राणों का तार-तार, ककहरिया नाले पर पुल बन जाता एक बार । वह व्याह करके 1980 में आयी थी, फेनहरा ब्लॉक में एक ककहरिया नाला है, उसकी कहीं चर्चा नहीं होती और एक तरफ जब मैं बजट में देखता हूँ तो मुख्यमंत्री सेतु निर्माण योजना में राशि 400 करोड़ आयी खर्च करने के लिए लेकिन किताब पढ़कर देखा तो 273 करोड़ रूपये ही खर्च हुए । इससे थोड़ा ऐसा लगता है कि और भी राशि खर्च करने के लिए है बजट में । जो केन्द्र सरकार से पैसा आया 1574 करोड़ और खर्च हुआ 1117 करोड़ । अनुसूचित जाति, जनजाति के लिए आया 242 करोड़, खर्च हुआ 214 करोड़ । भारत-नेपाल सीमा, मेरा विधान सभा क्षेत्र उग्रवाद से प्रभावित रहा है और आप सबों को ज्ञात होगा कि 23 जून,2005 को मैं चुनाव जीत गया था, निर्वाचित होने का सौभाग्य मिला था लेकिन सदन में आने का सौभाग्य 10-11 वर्षों के बाद मिला । वह उग्रवाद से प्रभावित इलाका है और उस इलाके में जो सड़कों का हाल है, हमारे विधान सभा क्षेत्र के एक ब्लौक मे जैसा कि मैंने पहले भी कहा कि दस वर्षों में सड़कों पर कहीं कोई काम नहीं हुआ है महोदय । मैं उन सड़कों का नाम आपके समक्ष रखना चाहता हूँ और आग्रह करना चाहता हूँ कि उसपर काम कराया जाय । सत्ता पक्ष के जो हमारे छोटे भाई की तरह हैं और उनको इतनी बड़ी जबाबदेही और इतना बड़ा सौभाग्य इतने कम उम्र में बिहार के उप मुख्यमंत्री का पद मिला, पथ निर्माण विभाग जैसे बड़े विभाग की जबाबदेही उनो मिली। पथ निर्माण विभाग जो होता है, वह कहीं के भी पथ के समग्र विकास से जुड़ा रहता है, वह राज्य के विकास का दोतक होता है । अगर सड़कें अच्छी हैं, जैसा आदरणीय भोला जी, अभय जी और कई मित्रों ने इस बात को रखा है, मैं सब के साथ अपने आप को जोड़ता हूँ और यह कहना चाहता हूँ कि सड़कें अगर अच्छी हैं तो आने वाले जो हमारे बाहर के लोग हैं, उनको भी अच्छा लगता है । मैं इस बात को ईमानदारी से मानना भी चाहता हूँ कि वर्ष 2010 में आदरणीय नीतीश कुमार जी की सरकार भारी बहुमत से बनी थी, उसमें सड़कों का बड़ा योगदान रहा था, अच्छी सड़कों का बहुत बड़ा योगदान था । लेकिन जो सड़कें बनीं, उसके मेन्टेनेंस का कोई प्रावधान नहीं है । हमारे विधान सभा क्षेत्र में जैसा कि मैंने कहा कि एक ब्लौक जिसमें एक चीज जानकर बड़ी दुविधा वाली स्थिति और शंका वाली स्थिति होती है कि 11 किलोमीटर, 21 किलोमीटर की सड़क है मधुवन को फेनहरा से जोड़ती है, 3 किलोमीटर की सड़क को एन0एच0 ने ले लिया है, 8

किलोमीटर की सड़क को पी0डब्लू0डी0 ने लिया है लेकिन बाकी के 11 किलोमीटर की सड़कें वह वैसी ही आर0डब्लू0डी0 में पड़ी है । वह फेनहरा ब्लॉक शिवहर से जुड़ता है, इधर अनुमंडल से नहीं जुड़ सका है । ये सड़कें जिसका सपना हमारे एक बड़े विजिनरी नेता, जिनको पूरा देश उनका सम्मान करता है, हमारे देश के आदरणीय अटल बिहारी बाजपेयी जी ने जिन्होंने यह सपना देखा कि सड़कों को सड़कों से जोड़ना, स्वर्णिम चतुर्भुज योजना, इतनी बड़ी योजना, इतना बड़ा विजन कि हम देश के सभी ग्रामीण इलाकों के सड़कों को खास करके जहां 500 बसावट वाली जो आबादी है, उसको जोड़ने का रखा । हम इस बात के लिए केन्द्र सरकार और यहां की सरकार की प्रशंसा करना चाहेंगे । सरकार ने कहा कि 250 बसावट वाली सड़कों को भी हम पक्कीकरण करना चाहेंगे, उन सड़कों को जोड़ेंगे । सड़कों को सड़कों से जोड़ना, नदियों को नदियों से जोड़ना, हवाई मार्गों को जोड़ना, यह इतनी बड़ी योजना और इतना बढ़िया सोच हमारे विजनरी नेता आदरणीय अटल बिहारी बापजेयी जी जैसे हमारे पूर्व प्रधानमंत्री रहे, उनकी बड़ी सोच रही है । हम आग्रह करते हैं कि जो इलाके, जो क्षेत्र हमारा अधूरा रह गया, जहां काम नहीं हुआ, जैसे हमारे यहां, आपको ज्ञात होगा सभापति महोदय कि आप मंत्री भी रहे हैं कि मोतीहारी-ढ़ाका, भाई हमारे फैसल रहमान जी बैठे हुए हैं, वे भी सहमत होंगे, चिरैया के विधायक जी बैठे हुए हैं, बेलवा घाट होते हुए शिवहर को जोड़नेवाली सड़क महोदय, अभीतक न तो बेलवाघाट पर पुल बना, न वह सड़क बनी महोदय । वह पी0डब्लू0डी0 की सड़क है, हम आपके माध्यम से माननीय पथ निर्माण मंत्री जी से मांग करते हैं कि उसको एस0एच0 में कनवर्ट किया जाय । पकड़ीदयाल अनुमंडल से, पकड़ीदयाल से पताही को जोड़नेवाली, दो विधान सभाओं को जोड़नेवाली सड़कें.....

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन) : किस चीज में परिणत किया जाय ?

श्री राणा रणधीर : एस0एच0 में, स्टेट हाई-वे में चूंकि मोतीहारी जिला को, शिवहर जिला को जोड़नेवाली वह सोर्टेस्ट रूट है, करीब 50 किलोमीटर की लम्बाई है और यह सोर्टेस्ट रूट हो जायेगा । मोतीहारी जिला मुख्यालय है, शिवहर जिला मुख्यालय है, उग्रवाद से प्रभावित इलाका है, बीच में बेलवाघाट पुल है, जिसपर कई वर्षों से पुल बनने की बात हो रही है, यह आपके भी संज्ञान में होगा महोदय । हम मांग करते हैं कि अगर इसपर काम होता है तो यह बहुत बड़ी बात होगी । पकड़ीदयाल अनुमंडल बना महोदय लेकिन अनुमंडल को ब्लौक से जोड़नेवाली हमारी फेनहरा की सड़क, वह पी0डब्लू0डी0 की सड़क है, चोरमा से झरोखर तक इसमें कुछ सड़क पी0डब्लू0डी0 की है, बीच का एक पैच है जो पकड़ीदयाल से ढ़ाका को जोड़ती है, फैसल भाई बैठे हैं, वह पैच करीब 17 किलोमीटर का है, वह

काफी जर्जर हालत में है, उसपर कोई काम दस वर्षों में नहीं हुआ है । कुछ सड़कें जो बनी थी, उसका मेन्टेनेंस नहीं होने की वजह से उसकी स्थिति खराब है । उसपर कोई काम नहीं हुआ महोदय । एक इब्राहिमपुर घाट महोदय, तीन विधान सभाओं से जुड़ा हुआ मामला, दो जिला से जुड़ा हुआ मामला, उसके बारे में लोग लगातार बोलते हैं । महोदय, आपको भी ख्याल होगा, स्मरण होगा कि इब्राहिमपुर घाट पर पुल का निर्माण हो जाने से मुजफ्फरपुर से हमारे मधुवन की और इधर आने की दूरी बहुत कम हो जायेगी, शिवहर की दूरी बहुत कम हो जायेगी । हम उसकी मांग करते हैं और दूसरी बात हम कहना चाहते हैं कि हमारे यहां सोनखड़ा बाजार जो एस0एच0 की सड़क है, वह चकिया को जोड़ती है, वहां भी दस वर्षों से कोई काम नहीं हुआ है ।

...क्रमशः...

टर्न-19/शंभु/10.03.16

श्री राणा रणधीर : क्रमशः.....हम इसकी मांग करते हैं मंत्री जी से कि आप इन सड़कों को बनायें, अच्छा करें। हमारे लिये एक और महत्वपूर्ण सड़क है, जो उत्तर प्रदेश और बिहार को जोड़ती है मात्र 7 कि0मी0 की लंबाई है- रामगढ़ से बढ़ौरा पथ काफी जर्जर हालत में है, हजारों गाड़ियों का, बड़ी गाड़ियों का, हैवी व्हैकिल्स का आना जाना है, अगर इस पथ का निर्माण कराते हैं तो यह अच्छी बात होगी। हम इस बात की प्रशंसा करते हैं कि आपने लक्ष्य रखा है, पहले 6 घंटे का रखा गया, फिर 5 घंटे का आपने रखा, यह अच्छी बात है। हमारे उप मुख्यमंत्री जी युवा हैं, नौजवान हैं, खेलप्रेमी रहे हैं, हम सबलोग उम्मीद करते हैं कि वे बढ़िया और बेहतर काम करेंगे। लेकिन सड़कों की जो हालत है, जो सड़कें बनी हैं मेनटेनेंस के अभाव में वहां भी गड्ढे हैं कहीं कहीं, हमलोग भी जाते हैं वहां तो कठिनाई महसूस होती है।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : राजकीय उच्च पथ में क्या बोल रहे हैं ?

श्री राणा रणधीर : एस0एच0 की सड़कों में या जो सड़कें बनी, उच्च पथ तो अच्छी सड़कें बनी हैं। इसमें राज्य का भी सकारात्मक सहयोग रहा है। मैं बिलकुल किस रूप में डेवलपमेंट हो इसकी बात कर रहा हूँ, टीका टिप्पणी की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं

इसकी बात कर रहा हूँ कुछ जो चीजें हैं, जहां काम रूका हुआ है। गया में शेरघाटी डिविजन में विभाग में 5 माह से अधिक समय से लंबित पड़ा है, टेंडर पर कोई आगे कोई एक्टिविटी नहीं है उसकी भी मांग करता हूँ कि उसपर एक्टिविटी हो। हमारा इलाका जो नेपाल का बार्डर वाला इलाका है। वह पूर्णियां, किशनगंज उधर से सब जुड़ा हुआ है शिवहर, झरोखर वहां पर सड़कों के निर्माण की गति बहुत स्लो है, धीमा है। वह सड़क अगर अच्छी बन जाय। महोदय, आपको ज्ञात होगा कि जब आप सुगौली से रक्सौल जाते हैं और पिछले दिनों जब भूकंप आया था तो काफी परेशानी हुई थी।.....

...

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : कृपया शांति बनाये रखें। माननीय सदस्य की बातों को सरकार को ग्रहण करने दीजिए।

श्री राणा रणधीर : वहां भूकंप में राहत पहुंचाने में काफी कठिनाई हुई थी और उस सड़क का निर्माण अभी तक अधूरा है। पूर्णियां प्रमंडल में नेपाल, आसाम और बंगाल को जोड़नेवाली एक महत्वपूर्ण सड़क है। एन0एच0आइ0 और एन0एच0 से कनेक्टिविटी हो गयी है, लेकिन एस0एच0 की जो सड़क है, वह काफी जर्जर हालत में है। उस सड़क का काम अगर होता है तो काफी अच्छी बात होगी। अररिया जिलान्तर्गत फारबिसगंज से बौरैया चांड़ तक सड़क जो पूर्व में कई प्रखंडों को जोड़ती है, हजारों लोगों का आना जाना है। वह सड़क काफी जर्जर हो गयी है, बाधित हो गया है वहां पर आने जाने में लोगों को कठिनाई हो रही है, अगर उस सड़क का निर्माण होता है तो यह एक अच्छी बात होगी, उस सड़क के स्टेट हाइवे में लेने की मांग करता हूँ। महोदय, करवा एक नदी है वहां भी पुल नहीं है, उसपर निर्माण की बात करता हूँ। कटौती प्रस्ताव के पक्ष में मैंने इसमें जो संशय बताये हैं। आदरणीय नेता हमारे बैठे हैं सिद्दिकी साहब, उन्होंने कहा कि पक्ष में बोलने वालों के यहां काम नहीं होगा तो मैंने सर पहले ही कहा कि हमारे यहां 10 वर्षों में काम नहीं हुआ। इसलिए मैं सदन का और आप सब लोगों का और एक जो ब्लॉक मैं फिर से दुहराना चाहता हूँ- फेनहरा ब्लॉक।

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी : महोदय.....

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : माननीय मंत्री, आपने आसन से अनुमति ली है ? यह अच्छी बात नहीं है ?

श्री अब्दुल बारी सिद्दिकी : महोदय, आपकी अनुमति से ही बोलता हूँ कि तत्कालीन मंत्री स्व0 सीताराम सिंह जी की अनुशंसा पर राजद की सरकार ने जो मधुबनी घाट का बड़ा पुल बनाया उसके लिए भी तो धन्यवाद दीजिए।

श्री राणा रणधीर : महोदय, पहले भी धन्यवाद दिया। मैंने कहा कि मैं सकारात्मक बात करने के लिए खड़ा हुआ हूँ। उसके लिए धन्यवाद दिया, लेकिन इधर 10 वर्षों में.....

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : अब तो बोल दीजिए न, जो माननीय मंत्री जी ने कहा है।

श्री राणा रणधीर : मैं तो ज्यादा उम्मीद करता हूँ चूंकि मैं आपसे जुड़ा रहा हूँ और आपसे जुड़कर उधर से इधर आया हूँ। लेकिन जैसा मैंने कहा कि सड़कें जो होती है वह विकास का आइना है तो अगर इसमें तेजी आप लाते हैं, बढ़िया काम करते हैं तो यह अच्छी बात होगी। हमलोग चुनकर आते हैं, जनता चुनकर भेजती है तो यह एक अच्छी बात होगी। अपने क्षेत्र की कुछ और सड़कों के बारे में जो मैं जानता हूँ- पकड़ीदयाल से शेखपुरवा पथ महोदय आपके संज्ञान में भी होगा और हमारे वरीय मंत्री सिद्दिकी साहब उनके संज्ञान में भी होगा। पकड़ीदयाल से शेखपुरवा पथ जो काफी जर्जर स्थिति में है और काफी महत्वपूर्ण सड़क है। इसको भी एस0एच0 में परिवर्तित किया जाय। पकड़ीदयाल अनुमंडल से पोठही बाजार चौक चैता गांव होते हुए यह भी हमारे दूसरे विधान सभा को जोड़ती है। इन सब सड़कों पर कुछ भी काम नहीं हुआ।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : राणा जी, आपका समय समाप्त होने को है 1 मिनट।

श्री राणा रणधीर : जी। मैं अपनी बात समाप्त करूँगा चन्द पंक्तियों के माध्यम से और आपको धन्यवाद देते हुए कि आपने अवसर दिया और उम्मीद करता हूँ कि अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जो एक सपना देखा था सड़कों को सड़कों से जोड़ने का एक एक विजन था।

सभापति (श्री इलियास हुसैन) : शांति-शांति!

श्री राणा रणधीर : उसमें समग्र और बढ़िया तरीके से काम करते हुए बिहार की सरकार सकारात्मक कदम उठाते हुए.....

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : माननीय सदस्य कृपया, अभी वाजपेयी जी की बोल रहे हैं, अभी तुरंत माननीय मुख्यमंत्री नीतीश जी के सात निश्चय पर भी बोलेंगे। एक नयी चीज आयी है, क्यों घबड़ा रहे हैं आप।

श्री राणा रणधीर : जो वाजपेयी जी का सपना रहा कनेक्टिविटी ऑफ रोड, सड़कों को सड़कों से जोड़ना।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : अब आप समाप्त करें।

श्री राणा रणधीर : बहुत-बहुत धन्यवाद, आपको अवसर देने के लिए आप सब लोगों को।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : माननीय सदस्य श्री नीरज कुमार- 9 मिनट।

(व्यवधान)

श्री नीरज कुमार : महोदय, मैं सभापति जी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। पहली बार बोलने का अवसर प्राप्त हुआ है मुझे। मैं आज पथ निर्माण विभाग के 65 अरब 99 करोड़ 6 लाख 38 हजार रूपये की जो राशि प्रबंध की गयी है उसके समर्थन में मैं खड़ा हुआ हूँ। महोदय, आदरणीय हमलोग जिस दल से चुनकर आये हैं आदरणीय नेता श्री लालू प्रसाद यादव जी के प्रति भी हम विशेष रूप से उनके प्रति आभार प्रकट करते हैं, उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते है। साथ ही साथ मैं अपने निर्वाचन क्षेत्र बरारी विधान सभा कटिहार के महान मतदाता मालिक, बंधुओं के प्रति भी सम्मान व्यक्त करता हूँ। महोदय, यह जो सरकार महागठबंधन की बनी है। हमारे बड़े भाई विनोद सिंह जी ने कहा अपने भाषण में कि 15 साल में कोई काम नहीं हुआ। महोदय, आप तत्कालीन पथ निर्माण मंत्री हुआ करते थे और गंगा के इस छोर से उस छोर तक जोड़ने का बिहार में पहला गंगा पर ब्रिज बनाने का काम अगर किसी सरकार ने किया था तो वह आदरणीय लालू प्रसाद जी और राबड़ी देवी के नेतृत्व में जो सरकार थी वह बिक्रमशीला सेतु पुल का निर्माण किया गया था। याद नहीं है, हम जिस क्षेत्र से आते हैं उससे ही पूरा कोशी और सीमांचल संत मत का प्रचार प्रसार होता है।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : भागलपुर पुल की बात कह रहे हैं ?

श्री नीरज कुमार : जी।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : उसके शिलान्यास में लालू जी गये थे और कम से कम 10 लाख की भीड़ थी।

श्री नीरज कुमार : महोदय, हमलोग जिस क्षेत्र से आते हैं वहां गांव में.....

श्री सदानन्द सिंह : सभापति महोदय, उद्घाटन के वक्त हम भी थे।

सभापति(श्री इलियास हुसैन) : इसमें माननीय सदस्य सदानन्द बाबू का भी नाम जोड़ लिया जाय।

श्री नीरज कुमार : सदानन्द बाबू के प्रति भी आभार प्रकट करते हैं हमलोग। महोदय, हमलोग जिस निर्वाचन क्षेत्र से आते हैं वह पूरा कोशी और सीमांचल संत मत का प्रचार प्रसार होता है, घ्यान कराया जाता है। उसमें पहला वाक्य संतों के द्वारा कहा जाता है कि झूठ छोड़िए, नशा, हिंसा, व्यभिचार से अलग रहना चाहिए। हमलोग जिस क्षेत्र से आते हैं वहां के बिहार के प्रेमचन्द कहे जानेवाले स्व0 फनीश्वर नाथ रेणु के द्वारा लिखित तीसरी कसम फिल्म में एक लोकप्रिय गाना हमलोगों के इलाके में गुणगुणाया जाता है और उस गाने का बोल है- सजन रे झूठ मत बोलो खुदा के पास जाना है, न हाथी है

न घोड़ा है वहां तो पैदल ही जाना है, अकड़ किस बात की प्यारे, सर यहीं झुकाना है..
.....क्रमशः।

टर्न–20/अशोक/10.03.2016

श्री नीरज कुमार : क्रमशः हमारे इलाके में यह गुनगुनाया जाता है .....

सभापति(श्री मो. इलियास हुसैन): बहुत ही लुभावना है । एकॉर्डिंग टू सैक्सपियर "To err is human" भूल मनुष्य स्वभाव से कर देता है, जान–बूझकर नहीं करता है ।

श्री नीरज कुमार : महोदय, हमारे भारतीय जनता पार्टी के मित्रगण भूल गये अटल बिहारी बाजपेयी जी को । बिहार में प्रधयानमंत्री सड़कों का जाल यू.पी.ए. वन की सरकार में, आदरणीय लालू जी के नेतृत्व में बिहार में पहली बार यू.पी.ए.. की सरकार केन्द्र में बनी थी, जो पैसा, हमारे भोला बाबू बतला रहे थे, बूम किया गया था बिहार में, प्रधानमंत्री सड़कों का बड़े पैमाने पर पैकेज बिहार में दिया गया था, मनरेगा में पैसा दिया गया था, महोदय, इन्दिरा आवास में पैसा दिया गया था, आज ये चुप बैठे हुये हैं 60:40 के नाम पर बिहार राज्य का पैसा रोका जा रहा है लगातार । चाहे समविकास के नाम पर हम खर्च करते थे महोदय, उसमें भी अनावश्यक रूप से कटौती कर दी गई है, तो भारतीय जनता पार्टी के जो लोग हैं, उनका यह विशेष दायित्व बनता है, इसमें स्पेशल कटैगरी, प्रधानमंत्री जी आरा के सभा में जो कहे थे कि सवा लाख करोड़ दिया बिहार के लिए, वो तो आप दिलवा दीजिए तब बिहार का विकास सब मिल कर करेंगे । यहां अच्छी सड़कें होंगी, गुण्वत्तापूर्ण सड़के होंगी । अभी कल हम सड़क परिवहन मंत्री का भाषण सुन रहे थे, वे कह रहे थे कि हम सड़कों पर पैसा नहीं देंगे क्योंकि सड़क में दुर्घटनायें घटती है । ये कह रहे हैं कि तीन लाख जान जाती है पूरे देश में । हम दावे के साथ कहते है महोदय, किशनगंज में सरकार का पूर्व में लक्ष्य था आदरणीय नतीश कुमार जी का कि हम छः घंटा में राजधानी तक पहुंचायेंगे किशनगंज के अंतिम छोर में बैठे लोग को । छः घंटा में तो पहुंच रहे हैं, हम अपने नेता आदरणीय श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी को विशेष रूप से आभार प्रकट करते हैं, आपके कुशल नेतृत्व में, आपके अगुआई

में पूरा बिहार आपको टकटकी लगा कर देख रहा है, आपने संकल्प लिया है कि पांच घंटे में किशनगंज, कटिहार की दूरी को कम करके पांच घंटा में दूरी को तय करेंगे । इनके प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट करते हैं । महोदय, सीमांचल में, जिस इलाके से हमलोग आते हैं, विनोद बाबू बैठे हुये हैं, कटिहार से प्राणपुर लाभा जो एन.एच. की सड़क है, वह हमारी सरकार, लालू-राबड़ी की सरकार की देन है, उस एन.एच. में हमलोग उस समय परिवर्त्तन कराये थे, आप विनोद बाबू केन्द्र में बैठी सरकार के पास जो हमारा बकाया राशि है वह तो कम से कम दिलवाईये । एन.एच. मे अधिक पैसा दिलवाइये ताकि हमलोग एन.एच. ही हालत सुधार सकेंगे । आप इसमें सहयोग नही कर रहे हैं । बार-बार वेल में आकर सरकार के कामों में व्यवधान पैदा करते हैं । हम आपसे सहयोग की अपेक्षा करते हैं । बिहार के लोग, महागठबन्धन की सरकार को अपार समर्थन इसलिए दिया है कि गांव में, खेतों में काम करने वाले लोग चाहते हैं कि हमारे गांव से भी एस.एच. सड़क गुजरे, यहां की एन.एच. की हालत सुधरे । महोदय, कुरसेला से रानीगंज-फारवीसगंज होते हुये एस.एच. का निर्माण किया गया है । वह चमचमाती सड़कें और वह गांव, जो इलाका गुजरा है, लोग खुशहाल है, लोग कहते हैं कि ऐसी सड़कों का निर्माण कर सरकार ने धन्य-धन्य कर दिया है । नीतीश कुमार जी के प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट करते हैं । हमलोग जिस क्षेत्र से आते है महोदय, उस क्षेत्र में केला और मक्का प्रचुर मात्रा में उत्पादन होता है । केला तो खास करके ऐसे समय में होता है, ठीक जब बरसात का पीक वायंट होता है उस समय केला का कटनी होता है । एन.एच. में बथनाहा के पास सड़के जर्जर हो गई थी, हमारे केला खेतों में सड़ रहे थे, ट्रकों पर सड़ रहे थे, जब आदरणीय नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में एन.एच.आई.ए. का निर्माण हुआ तो आज केला उत्तरप्रदेश के सभी बाजारों में हैं और हमारे इलाके के किसानों की भटेहाली दूर हुई है महोदय। केला का खेती करने वाले किसानों का चेहरा बदला है महोदय और ये सभी सरकार की कृपा से हुई है-आदरणीय नीतीश कुमार जी और तेजस्वी प्रसाद यादव जी के संयुक्त प्रयास से हुआ है । हम आपके प्रति विशेष रूप से आभर प्रकट करते हुये हम चाहते हैं, माननीय मंत्री से विशष रूप से निवेदन करते आ रहे हैं कि, आज उनके माध्यम से सदन में पुनः कहते है- कुरसेला-रानीगंज-फरविसगंज, एस.एच.-77 के नरहिया हॉस्टल से चमेली होकर

पांच पंचायत का प्रखण्ड है महोदय, उस ओर होकर गुजरती हं, हॉस्पीटल चौक होकर मधेली होते हुये, बरारी होते हुये, रोनिया होकर सेमापुर होते हुये है कटिहार तक जाने वाली आर.ई.ओ. सड़क को पी.डब्ल.डी. में अधिग्रहणर कराने की कृपा करवाया जाय महोदय ।

दूसरा है एन.एच.-31 फुलवरिया चौक से काढ़ागोला घाट तक पथ निर्माण के सड़कों का कम से कम दो लेन बनवाने की कृपा की जाय।

तीसरा है एन.एच.-31 डुमर पुल के पास बरारी होकर, सुजापुर, कुलापुर होते हुये कटिहार तक सड़क का कालीकरण एवं चौड़करण करवाने की कृपा की जाय महोदय । पहले से, अभी हमने जो दो सड़कों का नाम बताये, आजादी के बाद उस सड़क की जितनी चौड़ाई है आज भी लगभग दस फीट या साढ़े दस फीट की चौड़ाई की सड़क, पथ निर्माण की सड़क आज भी मौजूद है महोदय । तत्काल इसको, इस बजट प्लान में माननीय उप मुख्यमंत्री, हमारे पथ निर्माण मंत्री जी से हम विशेष निवेदन करते हैं अप इसे हेड प्लान में लेकर सड़कों को बनवाने की कृपा करें, क्षेत्र के लोग आपका जय-जयकार करते हैं, गठबन्धन सरकार की भी जय-जयकार करते हैं महोदय ।

सभापति(श्री मो. इलियास हुसैन) : अब आपका समय समाप्त हुआ ।

श्री नीरज कुमार : महोदय, आपकी कृपा मुझे प्राप्त हुई, आपके प्रति विशेष रूप से धन्यवाद । साथ ही साथ आदरणीय लालू प्रसाद जी और साथ ही तेजस्वी प्रसाद यादव जी के प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट करते हैं औ उनके नेतृत्व कौशल की प्रशंसा करते हैं, आने वाले दिन आप के ही अगुआई में बिहार के लोग आपके पीछे चलेंगे, जय-जयकार करेंगे । धन्यवाद ।

सभापति(श्री मो. इलियास हुसैन) : जनता दल यूनाईटेड के माननीय सदस्य श्री जनार्दन मांझी ।दस मिनट ।

श्री जनार्दन मांझी : महोदय, आज पथ निर्माण विभाग के बजट पर जो उप-मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव द्वारा जो बजट लाया गया है वह बहुत ही सराहनीय है, आज हमलोग, पथ निर्माण ने जो काम किया है, आज पटना आने-जाने के लिए सबसे अच्छा मार्ग बन गया है, हमलोगों को 38 जिला से आने के लिए, आज पटना हमलोग पांच-छः घटा के अन्दर में पहुंच जाते हैं और आज पुलों का निर्माण सबसे ज्यादा बिहार में हुआ । पुल-पुलिया का निर्माण करीबन, हमारा

मुख्यमंत्री सेतु योजना में 2842.43 करोड़ से कुल 4774 पुल का निर्माण किया गया है । 2-4 बिन्दु हम अपने क्षेत्र के संबंध में रखना चाहते हैं । बहुत सारे सदस्यों ने बजट के संबंध में, करीबन सभी लोगों ने जानकरी दी है । और बिहार प्रगति की ओर है, इसका मैं पूर्ण रूप से समर्थन करता हूॅ । मैं जब 2005 से विधान सभा में आया था तो माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी के समय से पुल-पुलिया और सड़कों की बहुत ज्यादा प्रगति बिहार में हुआ है और आज भी प्रगति की ओर बिहार है। हमं सिर्फ इतना ही माननीय उप-मुख्यमंत्री से अनुरोध करना चाहते है कि बांका जिला के अमरपुर जो विधान सभा क्षेत्र है और प्रखण्ड भी है, अभी वहां दो हजार गाड़िया चलती हैं। दो हजार गाड़ियों के चलते रोड का ट्राफिक इतना जाम रहता है कि वहां पर बाईपास होना एकदम जरूरी है इसलिए बाईपास का निर्माण पथ निर्माण विभाग अमरपुर में करावे ।

दूसरा है- भागलपुर और हसिया एक मार्ग है, स्टेट हाई-वे है, यहां की काफी रोड तो खराब है, लेकिन उसका टेण्डर हो चुका है, लेकिन एक पुल है, जो सुखनिया नदी पर पुल है, यह पुल ध्वस्त होने जा रहा है, आवागमन की सुविधा बंद हो जायेगी । उस पुल का निर्माण इसी वित्तीय वर्ष में बना दिया जाय जिससे कि आवागमन फिर से बाधित नहीं हो । क्योंकि झारखण्ड और हमलोगों का देवघर, दुमका और बंगाल जाने का जो आवागमन है बंद होनेकी सम्भावना हो सकती है निकट भविष्य में । मैं आग्रह करता हूॅ कि पुल का निर्माण करावें । और हमलोगों का, 2005 से मुख्यमंत्री सेतु योजना जो 25 लाख की लागत पर हमलोगों का जो बन रहा था, लेकिन तीन वर्ष से पैसा का आवंटन बहुंत कम जा रहा है । मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूॅ कि पी़.डब्लू.डी. के द्वारा, जिला योजना के द्वारा पैसा जाता है और तीन वर्ष से बहुत ही कम पैसा जाने से हरएक विधानसभा क्षेत्र में बनकर आधा पड़ा हुआ है । क्रमशः

श्री जनार्दन मांझी : ऐसे ही जो आधा बना हुआ है उस पुल पुलिया के लिए पैसे का आवंटन कीजिये। दूसरा पथ है हमलोगों का जमुई- बांका , बांका से जमुई होकर बटिया जंगल होकर पटना आने का वह एक ही मार्ग है । अभी मुंगेर वाला मार्ग बंद है । बटिया जंगल दो जिला को कौभर करता है मुंगेर और जमुई यही दो जिला बटिया जंगल कौभर करता है तो 4 कि0मी0 जो जमुई जिला में है उस रोड का चौड़ीकरण हो गया है । लेकिन 8 कि0मी0 जो बटिया जंगल है जो नक्सल प्रभावित है जहॉ रोड के चौड़ीकरण नहीं होने से वहॉ कभी भी सैकड़ो गाड़ियॉ कभी कभार लूटा जाती हैं । इसलिए हम माननीय मंत्री जी से आग्रह करते हैं कि मुंगेर जिला वाला भी 8 कि0मी0 का चौड़ीकरण करवा दें ।

दूसरा जो मुंगेरे में घोरघट पुल है , एक चम्पानाला भागलपुर और एक कहलगांव में पुल है तीन पुल है जिसके बारे में माननीय हमारे पूर्व अध्यक्ष जी सदानंद बाबू ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव विधान सभा म ेंलाया था और विधान सभा में कौन सी वजह है कि घोरघट पुल 7-8 साल से निर्माणाधीन है । उसमें काम बंद है। चम्पानाला का भी काम बंद है । जो सबसे इम्पौर्टेट रोड है बिहार में वह पुल जो हमको पटना आने जाने में भागलपुर वासियों को , बांका वासियों को आने जाने में या पीरपैती से आने जाने में वह कौन सी वजह है कि आजतक पुल का निर्माण नहीं हुआ ? यही हमारा एक जेनरल वे में ग्रीभान्स है । भागलपुर वासियों के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है और हमलोगों का बांका जिला भी उपेक्षित है । हमलोगों के आने जाने का जो सम्पर्क जमुई मार्ग है लेकिन उसमें हमलोगों को डर के आना पड़ता है बटिया जंगल में चूँकि रोड का चौड़ीकरण नहीं है मुंगेर की तरफ से 8 कि0मी0 चौड़ीकरण कर दिया जाय और हम सरकार का जो बजट आया है वह बहुत ही सराहनीय बजट है । माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी को धन्यवाद का पात्र मानता हूँ जिन्होंने बिहार को चमकाने का काम किया है और रोड के मामले में बिहार को सबसे आगे बढ़ाने का काम किया है । इन्हीं श।ब्दों के साथ बजट का समर्थन करता हूँ ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : अभी है आपका समय क्यों सुस्त हो गए ? अभी आपका तीन मिनट समय है । अब जो कहना है आशीर्वाद के रुप में कह दीजिय।

श्री जनार्दन मांझी : और जैसे आप ही के भागलपुर और भागलपुर जिला के सुल्तानगंज और खगड़िया जिला के अगुआनी के बीच में भी 1710.77 करोड़ का इन्होंने पुल का निर्माण करने का फैसला किया है, मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि जल्द से जल्द गंगा पर पुल बनाया जाय । इन्हीं श।ब्दों क`साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूँ ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : धन्यवाद । राष्ट्रीय जनता दल , अब मैं माननीय सदस्य श्री राम विलास पासवान जी से आग्रह करता हूँ , आपका समय 10 मिनट ।

श्री राम विलास पासवान : आज पथ निर्माण विभाग के प्रस्ताव के पक्ष में और विपक्ष द्वारा कटौती प्रस्ताव के विरोध में बोलने के लिए मैं खड़ा हुआ हूँ । मैं माननीय पथ निर्माण मंत्री जी को बधाई देना चाहता हूँ कि इतने कम समय में काफी सड़कों का, पुल-पुलियों का जाल बिछाने का काम किया है । मैं इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ । बार बार विपक्ष द्वारा पन्द्रह साल की आवाज उठायी जाती है । मैं बताना चाहता हूँ कि 15 साल में हमलोगों के अभिभावक माननीय श्री लालू प्रसाद यादव जी , माता राबड़ी देवी जी मुख्यमंत्री थी और हजारों हजार जो स्थिति खराब थी पुल की , जो गंगा से जोड़ने का जो गंगा पर गंगा सेतू बनाने का काम किए हैं माननीय मुख्यमंत्री जी लालू प्रसाद जी ने और घोरघट से लेकर मिर्जा चौकी तक सड़क निर्माण करवाया था और कहते हैं बार बार कि क्या हुआ है , क्या हुआ है। आज गरीब गुरबा के मुंह में बोली देने का काम किया आज माननीय लालू प्रसाद यादव जी की देन है ,और क्या किया नहीं है तो कहना मुश्किल है लेकिन बार बार कहा जाता हे कि 15 साल में क्या हुआ है, क्या हुआ है । आज मैं माननीय प्रेम बाबू से भी आग्रह करना चाहता हूँ कि आज अच्छे दिन कहाँ चला गया । अच्छे दिन का झांसा दिखा करके गरीब गुरबा से झूठ सही बोलकर आपने सरकार बनाने का काम किया । बैंकों में खाता खोलवाने का काम किया । खाता में कब पैसा आया और बच्चा आज पूछता है कि कब अच्छे दिन आयेगा । लेकिन आज जो काम सरकार कर रही है उसके लिए प्रेम बाबू आपको बधाई देना चाहिए । माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी और माननीय उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव जी आज अच्छा काम कर रहे हैं कम से कम उनको बधाइ भीं देना चाहिए । लेकिन बधाई के बदले में आप बार बार उठ कर खड़े हो जाते हैं और समय बर्बाद करते हैं । जनता आप लोगों से आने वाले समय में हिसाब लेगी । आपलोग कार्य को बाधित करते हैं , कार्य नहीं होने देते हैं । आप भी उसमें भागीदार हैं ,आपकी भी विकास में भागीदारी है ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : माननीय सदस्य अपने विषय पर आईये । अपनी समस्याओं को रखिये , समय बहुत कम है और बहुमूल्य है ।

श्री राम विलास पासवान : मैं पथ निर्माण मंत्री जी ने कम समय में काफी पुल-पुलिया का जाल बिछाने का काम किया है, मैं एक आग्रह करना चाहता हूँ माननीय पथ निर्माण मंत्री जी से कि घोरघट से सुल्तानगंज , कहलगांव, पीरपैती ै, यह सड़क 1995 में बनी थी । हमलोग पथ निर्माण मंत्री जी, माननीय पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी जी के समय में बनी थी । आज करीब 29 साल लगभग हो गया उसकी स्थिति जर्जर हो गयी है । मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूँ कि उसको ध्यान में रखते हुए , माननीय पूर्व विधान सभा अध्यक्ष सदानंद बाबू ने भी इस आवास को उठाया था , मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूँ कि उन्हें भी ध्यान में रखते हुए, आप बधाई के पात्र हैं जो मुंगेर से ले करके मिर्जाचौकी तक फोर लेन का भी डी0पी0आर0 तैयार करवाया है लेकिन माननीय प्रघानमंत्री जी , आप माननीय मंत्री जी प्रयास भी किए, माननीय प्रधानमत्री जी के पास भी गए लेकिन 125 लाख करोड़ रुपया कब आयेगा ,पता नहीं कब हमलोगों का वह फोर लेन बनेगा । जितनी भी प्रधान मंत्री सड़क योजना की सड़क बननी थी उसमें 10 परसेंट, 20 परसेंट उसमें काम होकर वह काम बंद पड़ी हुई है । मैं आग्रह करना चाहूँगा माननीय प्रेम बाबू से कि वह भी पैसा के लिए आग्रह करें और वहाँ पर फोर लेन लाने का काम करिये और जो प्रधानमंत्री सड़क योजना में काम बंद पड़ा हुआ है उसको शुरु कराया जाय । मैं आग्रह करुंगा अपने माननीय सभापति महोदय से कि मुझे दो मिनट का और समय दिया जाय । हम उस क्षेत्र से आते हैं पीरपैती विधान सभा वह गंगा जी के पिछाड़े और झारखण्ड के बगल में है और उसी सड़क से हजारों हजार ट्रक आते हैं और पूरे बिहार के हर जिले में छर्री और बालू लाने का काम करता है लेकिन मैं उसी सड़क में आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहूँगा और छोटी एक सड़क हे पीरपैती से जो दियारा क्षेत्र है हमलोगों का सुदूर दियारा क्षेत्र ह एकदमै पीरपैती से लेकर बाबूपुर, पाखड़पुर, रामनगर अछरिया तक और एक शिवनारायणपुर से टपवादियारा तक और भयना पुल कहलगांव का बनने के लिए है ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : आपका समय समाप्त हुआ । कृपया शान्ति रहे ।

श्री राम विलास पासवान : सदन में आपने बोलने का समय दिया इसलिए आपको धन्यवाद । जयहिंद । जय बिहार ।

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन) : आपको भी धन्यवाद । राम विलास पासवान ने अपने भाषण के क्रम में नेता विरोधी दल प्रेम बाबू का नाम लिया । मैं भी उनसे आग्रह करुंगा कि रोज

तो आप बहिष्कार करते ही है लेकिन आज प्रदेश के उप मुख्यमंत्री और पथ निर्माण मंत्री का भाषण है आप जैसे प्रेम की गंगा बहाने वाले लोग हैं उनसे आग्रह करुंगा कि आज आप सदन में रहें ।

टर्न-22/विजय/ 10.03.2016

सभापति (श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य, जनता दल यूनाइटेड, श्री लक्ष्मेश्वर राय । आपका समय है 8 मिनट ।

श्री लक्ष्मेश्वर राय: आदरणीय सभापति महोदय, अभी जो बजट पर बोलने का हमको समय दिया है उसके लिए आपको बहुत बहुत धन्यवाद ।

महोदय, खासकर बजट की जो प्रकिया है, आकार है, वह बढ़ता जा रहा है बिहार का । यह निश्चित रूप से बिहार के विकास का परिचायक लग रहा है और आने वाले समय में लगता है कि बिहार का जो दृष्टि है, बिहार का जो नजरिया है, माननीय नीतीश कुमार की जो दूरदर्शिता है वह लगता है बहुत दूर तक का है । अभी लगता थ्ाा चुनाव में कि माननीय नीतीश कुमार जी जो बोल रहे हैं उसके बारे में लगता था कि चुनावी वायदा है । लेकिन चुनावी वायदा को सरजमीन पर और धरातल पर गांव और कसबे तक लगता है कि प्रयोग हो रहा है और बजट भी आ रहा है । इससे लगता है कि गांव की शक्ति और चुनाव में जो वायदा किये उससे लगता है कि इस देश में राजनीति के प्रति राजनीति करने वाले के प्रति बड़ी निष्ठा का भाव प्रकट किया है । महात्मा गांधी जैसे देश और दुनिया के लिए समपर्ण किया, महात्मा गांधी जी ने देश के लिए समर्पित भावना से काम किया । राजनीति करने वाले लोग समाज के होते हैं, देश के होते हैं, देश की मिट्टी के होते हैं और इन्होंने जो चुनावी वायदा कर दिखाया, लगता है कि महात्मा गांधी का जो स्वरूप है वह है । महात्मा गांधी ने समाज को जोड़कर देखा था वैसा ही लग रहा है कि नीतीश कुमार जी ने राजनीति को एक नयी दिशा भी दी है । चुनावी घोषणा के प्रति भरोसा भी पैदा किया है और आने वाली जो पीढ़ी है उसके लिए वरदान भी साबित हो रहा है। विकास का एक मास्टर प्लान भी दिखायी दे रहा है। हम खासकर बिहारियों से खासकर बिहार से जो संसदीय जीवन में आए हैं हम

सबों से कहना चाहते हैं कि बिहार की जो अस्मिता है निश्चित रूप से हमारे वित्त मंत्री जी बराबर अपने चुनावी भाषण में बोलते थे कि बिहार की एकता एवं प्रभुता कायम रहना चाहिए। यह है इस देश में संकट जहां बिहार के छोर से उत्तर बिहार से उत्तर भारत को छोड़कर जहां बुलेट ट्रेन का गुलाम बन रहा है सिटी सेंटर या बड़ा बड़ा सिटी बनने की बात हो रही है । जहां उत्तर भारत पूरे तरह से उपेक्षित है उसमें बिहार नं0-1 पर दूसरे नं0 पर बिहार है । इससे यह साफ दिखायी पड़ता है कि भारत सरकार द्वारा सिर्फ बिहार की उपेक्षा नहीं पूरे उत्तर भारत की उपेक्षा है यह साफ स्पष्ट होता है कि बुलेट ट्रेन का जो उनके नक्शा से दिखायी पड़ता है बिहार के प्रति नजरिया उनका सौतेलापन है, बेईमानी है । बुलेट ट्रेन हो या फिर सिटी की बात हो हम चाहेंगे ।(व्यवधान)

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): बुलेट से रोड पर आ जायं आप, बोलिये रोड पर । समस्या बतलाइये ।

श्री लक्ष्मेश्वर राय:महोदय, पूर्व प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी बाजपेयी के बारे में हमको लगता है कि अटल बिहारी बाजपेयी जी के सपने को चकनाचूर कर दिया वर्तमान केन्द्र की सरकार ने जो उनके मन में कल्पना थी प्रधानमंत्री ग्राम्य सड़क की जो योजना है प्रधानमंत्री सड़क योजना, गांवों तक जाय । गांव तक हम अधिक से अधिक पैसा राज्यों को दें । गांव का विकास होगा तो देश का विकास होगा, बिहार का विकास होगा तो देश का विकास होगा । उसके अनुरूप प्रधानमंत्री सड़क योजना का आकार बनाये थे । लेकिन उसमें भी पैसा कटौती कर दिया इससे साफ लगता है कि ये देश को कहां ले जाना चाहते हैं । ये गांवों की उपेक्षा कर रहे हैं । समाज में गांव में रहने वाले के प्रति उनको कोई दर्द नहीं है। हम चाहेंगे बिहारियों से खासकर जो संसदीय जीवन में हैं हम प्रेम बाबू से पूरा अपेक्षा करेंगे कि आप अतिपिछड़ा वर्ग से आते हैं आपके लोग गांव में रहते शहर में नहीं रहते । लौकहा में अब सड़क बन रही है । हमारे सीमा पर जो सड़क था टूटा या अधूरा रोड वह भी बन रहा है । इसलिए आपको चाहिए कि नीतीश कुमार का जो मानसिकता है उसको मजबूती से लागू करने देना चाहिए । नहीं तो यह बी0जे0पी0 की जो मंशा है आपको समाज से काट देगा । कमजोर वर्ग के या कमजोर क्षेत्र के विकास के प्रति कोई नजरिया नहीं है।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य, श्रीमान मुख्यमंत्री नीतीश जी की मानसिकता की जगह पर आप उनके दर्शन, उनकी सोच कहिये ।

श्री लक्ष्मेश्वर राय: सभापति महोदय, हम चाहेंगे कि बिहारी अस्मिता के नाम पर अगले समय मे साथ मिलकर केन्द्र सरकार की जो नजरिया है उसको बदलें । इस लड़ाई में सारे हम विधान सभा के सदस्य, बिहार विधान मंडल के सदस्य आने वाले समय में एकजुट होकर केन्द्र सरकार के खिलाफ में लड़े और हमारे बजट का आकार और बड़ा हो । इन्हीं चंद बातों के साथ आसन के प्रति आभार प्रकट करता हूं ।

सभापति(श्री मो0 इलियास हुसैन): धन्यवाद । अब मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जनाब शकील अहमद खां से आग्रह करते हैं आपका समय पांच मिनट ।

श्री शकील अहमद खां: बहुत बहुत शुक्रिया हजूरेवाला । पहली बार मौका मिला है और मैं जब फाइनेंस बजट पेश कर रहे थे अब्दुल बारी सिद्दिकी साहब हमारे मंत्री फाइनेंस के तो उन्होंने आखिर में एक पंक्ति कही थी उससे मैं अपनी बात शुरू करना चाहता हूं ,

डूबते हुए सूरज ने पूछा, रात में दुनिया की रखवाली कौन करेगा,

जलते हुए दिये ने कहा मैं भरपूर प्रयास करूंगा ।

आज एक बहुत ही दिलचस्प मंजर हमारे इस सदन में देखने को मिला कि जो विपक्ष हर रोज वेल में आकर हमारे अच्छे कामों की भी मुखालफत करता है उसका एक सदस्य हमारे पक्ष में बोल रहा था, मुझे धन्यवाद देना चाहिए ऐसे सदस्य को । इकबाल का एक शेर है,

यकीन अहकम अमल पैगम, मोहब्बत पाक ए आलम ।

इसका मतलब क्या हुआ कि विश्वास और इस विश्वास में लगातार अमल और उस विश्वास और उस अमल में अगर प्रेम है, करूणा है, दर्द है तो विकास की गति तेज हो सकती है । और जो बजट माननीय पथ निर्माण मंत्री ने रखा है 65 अरब का यह एक बड़ा लक्ष्य है । और इस लक्ष्य की प्राप्ति इसलिए हो सकता है कि पिछले जो आंकड़े सड़क के बनाने के सिलसिले में आये है वे आंकड़े हमको यह बताते हैं कि आने वाले एक साल में इन पैसों का इस्तेमाल हो जाएगा । मैं सदन के सामने एक बात कहना चाहता हूं और वह यह है कि सड़कें हमारी जिंदगी और हमारे समाज को जोड़ती हैं । सड़कों के इस निर्माण में खास तौर पर मुझे शुक्रिया अदा करना ही पड़ेगा यू0पी0ए0-1 और यू0पी0ए0-2 के बजट के प्रोवीजंस को जो उसने मुखतलिफ राज्यों में बिना किसी भेदभाव के मैं बार बार कह रहा हूं बिना किसी भेदभाव के यू0पी0ए0-1 और यू0पी0ए0-2 ने उन राज्यों को खास तौर पर कि जो राज्य कमजोर राज्य से उनको जिस प्रकार से बजट का प्रोवीजन तमाम लोगों

को दिया वह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी ने दिया । लेकिन उसके उलट जो हम देख रहे हैं बजट की कटौती क्योंकि वहां से गंगोत्री से आएगा और उस बजट की जो कटौती है बुनियादी तौर पर हम सब लोगों को सवाल वहीं से खड़े करना चाहिए और उस सवाल के घेरे में प्रतिपक्ष खड़ा है । अगर आप बिहार और बिहार के समाज का विकास करना चाहते हैं, अगर ये चाहते हैं कि हमारी सड़कें, आपकी सड़के, इनकी सड़के, उनकी सड़के, हमारे इलाके की सड़के यदि बनें तो इस सरकार ने जो बजट पेश किया है उसकी अगुवाई में मदद करें । और जो बजट के प्रोवीजन सेंटर से आने हैं मुझे मालूम हुआ है कि जो आवंटन सेकेन्ड एलौटमेंट का प्रधानमंत्री सड़क योजना में है मैं इलाके में जाता हूं तो लोग बताते हैं कि सेकेन्ड एलौटमेंट नहीं आया है । सेकेन्ड एलौटमेंट की जिम्मेवारी आपकी भी है।

क्रमशः

टर्न–23/बिपिन/10.3.2016

श्री शकील अहमद खॉं: क्रमशः आपके इलाके में भी कोई सड़कें नहीं बन पाएंगी, इसलिए आप और हम साथ मिल जाएं तो सड़कों का निर्माण तेजी से हो सकता है और इसीलिए कहते हैं, इकबाल का शेर है कि लीडरशीप को क्या होना चाहिए और इस मामले में हमारे मुख्यमंत्री निगाहवलनद, जाहपुरसोज हैं । देखे तो उपर से देखे पूरा का पूरा और जाहपुरसोज,

सभापति(मो0 इलियास हुसैन): माननीय सदस्य, पूरा–का–पूरा पर्सियन में अल्फाज निकाल रहे हैं ।

श्री शकील अहमद खॉं: इसीलिए मैं कह रहा हूं, जाहपुरसोज हो, कद बड़ा हो, करूणा हो,देखने का नजरिया बड़ा हो और देखने के बड़े नजरिए में बिहार में कोई नाम आता है तो नीतीश कुमार का नाम आता है और इस बड़े नजरिए को बड़े तौर पर अपने एक साथ लेकर और अगर दो नाम...

सभापति(मो0इलियास हुसैन): अब समाप्त कीजिए ।

श्री शकील अहमद खॉं: अगर दो नाम और आता है तो वह नाम है जिसने हिन्दुस्तानी, पिछड़े तबके को जीवन में हिम्मत दिया, यदि एक बड़ा कंट्रिब्यूशन यदि एक व्यक्ति का जवान में

हिम्मत आई, आज नम्बर ऑफ एम.एल.एज. नम्बर औफ मेम्बर ऑफ पालिर्यामेंट नम्बर ऑफ आफिशियल हिन्दुस्तान में बढ़े हैं और उस रास्ते को हम मार्क किए हैं तो वह लालू प्रसाद यादव है, उनका नाम भी लेना चाहिए और इन दोनों के साथ-साथ जिसने आजादी में योगदान दिया, जिस यू.पी.ए.-1 और यू.पी.ए.-2 के मनमोहन सिंह जी के...

सभापति(मो0इलियास हुसैन): आपका समय समाप्त हो रहा है। खॉ साहब, समय पर ध्यान दीजिए।

श्री शकील अहमद खॉ: आखिरी बात सिर्फ 30सेकेंड में महोदय । माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि मैं कुछ नहीं कहूंगा, सीमांत का एक बार आप दौरा कर लीजिए, हमको और आपको अभी भी चचरी का पुल पसंद नहीं है । बांस के पुल पर जिन्दगी गुजर रही है । अंत में, आवेहयात लेकर चलो, कायनात लेकर चलो, चलो तो सारे जमाने को साथ लेकर चलो ।

सभापति(मो0इलियास हुसैन) राष्ट्रीय जनता दल के माननीय सदस्य श्री सुरेन्द्र कुमार । समय आपका 10मिनट है ।

(इस अवसर पर माननीय अध्यक्ष महोदय ने आसन ग्रहण किया।)

श्री सुरेन्द्र कुमार: अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र के इस पवित्र सदन में पथ निर्माण विभाग के बजट पेश होने के पक्ष में जो मुझे मौका माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा दिया गया है, मैं सर्वप्रथम उनको अपने तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूं । साथ ही, बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमारजी, बिहार के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी को भी हम अपनी तरफ से तहेदिल से इस मौका प्रदान करने के लिए मैं शुक्रिया अदा करता हूं ।

महोदय, महागठबंधन के द्वारा नवनिर्मित सरकार का एक ही उद्देश्य है सामाजिक न्याय के साथ बिहार का सर्वांगीण विकास जिसमें माननीय सामाजिक न्याय के धरोहर श्री लालू प्रसाद यादव जी, सामाजिक न्याय के साथ सुशासन की स्थापना करने वाले नायक माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कमार जी और युवाओं की आवाज, बिहार की धड़कन और बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी का जो विजन है वह वाकई बिहार को सर्वांगीण विकास करने के जिए बहुत अधिक है ।

अध्यक्ष महोदय, सरकार में पथ निर्माण विभाग एक ऐसा विभाग है जिस तरह मनुष्य के शरीर में बोन के द्वारा पूरे शरीर का स्ट्रक्चर स्थापित होता है उसी तरह पथ निर्माण विभाग सरकार का वह विभाग है जिस विभाग से राज्य का स्ट्रक्चर, समाज का स्ट्रक्चर दर्शाया जाता है, चाहे वह ऊर्जा विभाग हो, चाहे शिक्षा विभाग हो या स्वास्थ्य विभाग हो, इत्यादि जितने भी विभाग हैं, वह सारे विभाग पथ निर्माण विभाग से प्रभावित

है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मेरा मानना है कि Road is a Type of tools of social system on which machanism of all department depends on development of state and country. फिर दुवारा मेरा मानना है कि quality of road major above the culture of social system of village, district, state and country.

अध्यक्ष महोदय, कहीं से अतिश्योक्ति नहीं है । जो सरकार महागठबंधन की बनी है वह सर्वांगीण विकास करने के लिए अग्रसर है जिसमें हमारे माननीय उपमुख्यमंत्री जी विस्तार से सदन को बतलाएंगे लेकिन मैं अपने विपक्ष के माननीय सदस्यों से यह जानना चाहता हूं कि आज देश में एन.एच. का जो कुल लम्बाई है, 01लाख 87कि.मी. है, और बिहार में एन.एच. की जो लम्बाई है वह है 4678 कि0मी0 है । देश की जो जनसंख्या है वह 125करोड़ है और बिहार की जनसंख्या है 10करोड़ है । अगर सही मायने में कहा जाए तो बिहारवासियों का हक एन.एच. के मामले में भारत सरकार में 12फीसदी बनता है और उसके मुताबिक हमलोगों को अभी भी एन.एच. जो मिलना चाहिए भारत सरकार से, वह एन.एच. नहीं मिल पाया है । इसलिए मैं सदन के माध्यम से इतनी बड़ी जनसंख्या वाला मेरा राज्य है ...

अध्यक्ष : सुरेन्द्र जी, अब आपको दो मिनट में समाप्त करना होगा, इसलिए सार तत्व कह डालिए ।

श्री सुरेन्द्र कुमार: तो महोदय, मेरा मानना है कि हमलोगों का जो हक है बिहार का, केन्द्र सरकार वह हकमारी नहीं करे । संक्षेप में कहने का निर्देश है माननीय अध्यक्ष महोदय का, मैं अपने जिस क्षेत्र से आता हूं, माननीय उप मुख्यमंत्री महोदय, देश आजाद हुई । औराई विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत दो प्रखंड आता है– औराई का 26 और कटरा का 22 पंचायत जिसमें 6 पंचायत गायघाट में है । दो नदियां बीचो–बीच से गुजरती है –बागमती और लखनदेई । प्रयलंकारी बाढ़ से तंग–तवाह होते आया है वहां के लोग लेकिन माननीय सदस्य जो भी एक भी एन.एच या हाइवे विधान सभा को नहीं प्राप्त हो पाया है । मेरी मांग है इस सदन के माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से कि गरहा हथौड़ी पी.डब्लू.डी. सड़क है और हथौड़ी से औराई 10.5कि.मी. आर.इ.ओ. सड़क है, उस आर.इ.ओ. सड़क को करते हुए बागमती नदी पर पुल का निर्माण करा करके उसको भी पी.डब्लू.डी. से जोड़ा जाए ताकि औराई विधान सभा क्षेत्र के 50परसेंट लोगों को मुजफ्फरपुर मुख्यालय जो 55कि.मी. दूसरा जिला घूमकर आना पड़ता है सीतामढ़ी जिला, रून्नी सैदपुर होते हुए 25कि.मी. का दूरी बन जाएगा और 20–25मिनट में वहां के लोग मुजफ्फरपुर मुख्यालय

चले आएंगे । पूर्वारी क्षेत्र के लोग औराई विधान सभा के दरभंगा जिला एन.एच. 58 जो दरभंगा फोर लेन है, 65 किलोमीटर की दूरी तय करके आना पड़ता है, इसके लिए माननीय अध्यक्ष महोदय, आपकी उपस्थिति में माननीय मंत्री महोदय से उनके समक्ष प्रस्ताव रखते हैं कि मंझौली जो एन.एच. 527 सी प्राक्कलित हुई है, एन.एच.-527सी मंझौली से कटरा उसका निर्माण कराया जाए ।.. क्रमशः

टर्न-24/राजेश/10.3.16

अध्यक्षः- अब आप समाप्त करें।

श्री सुरेन्द्र कुमारः- महोदय, एक मिनट। दूसरा है रुनीसैदपुर से बेनीबाग-सेमका जो पी0डब्लू0डी सड़क है,उसका चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कराया जाय। इसके बाद अंतिम है मुजफ्फरपुर जिला को तीन तरफ से फोर लेन रिंग रोड की तरह से विस्तारित किया जाय। एन0एच0 मधौल से काजीइंडा, मुशहरी और गंडक नदी पर पुल निर्माण के साथ मझौली तक रिंग रोड का निर्माण कराया जाय ताकि दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी और मुजफ्फरपुर के लोगों को शहर के भीड़ में नहीं जा करके एन0एच0-77 पर आयेंगे और राजधानी चले आयेंगे, इन्हीं चन्द शब्दों के साथ आपने मुझे समय दिया, अध्यक्ष महोदय को पुनः बहुत-बहुत शुक्रिया।

अध्यक्षः- माननीय सदस्यगण, अब सरकार का उत्तर होगा। माननीय मंत्री पथ निर्माण विभाग।

<u>सरकार का उत्तर</u>

श्री तेजस्वी प्रसाद यादवः- धन्यवाद महोदय।

अध्यक्ष महोदय, पथ निर्माण विभाग की मांग पर जिन माननीय सदस्यों ने भाग लिया, चर्चा की, उन तमाम सदस्यों को हम धन्यवाद देते हैं और उनके महत्वपूर्ण सुझावों को हमने और हमारे अधिकारियों ने नोट करने का काम किया है। महोदय, सबसे पहले मैं बिहार की जनता को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार जी और राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लालू प्रसाद जी एवं कॉग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सोनिया गॉधी जी के महागठबंधन को स्वीकार किया और विकास कार्यों को चुनने का काम किया। महोदय, विपक्ष के नेता या विपक्ष के जितने भी हमारे नेता हैं, उनका

लगातार हमने टी0भी0 पर बयान को देखा, हमारे प्रति माननीय प्रेम कुमार जी भी लगातार बोलते रहे टी0भी0 पर कि भाई अनुभव की कमी है और हम धन्यवाद देना चाहेंगे माननीय मुख्यमंत्री जी और माननीय लालू प्रसाद जी को कि मुझे एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने का काम किया उप-मुख्यमंत्री के साथ-साथ तीन विभागों की भी जिम्मेदारी देने का काम किया है, हम इसके लिए इन दोनों को धन्यवाद देना चाहेंगे। महोदय, जाहिर तौर से हमारी उम्र प्रेम कुमार जी से आधी है, तो जाहिर तौर से हमारा अनुभव भी कम रहेगा, इनको अनुभव ज्यादा है लेकिन कोई भी अनुभवी व्यक्ति इतनी छोटी ओझी टिप्पणी नहीं करता। आपलोग जानते होंगे प्रेम कुमार जी कि कोई भी अनुभव पैदाईशी के साथ ले करके कोई नहीं आता, वह सदन में रह करके, सदन की कार्यवाही से, सीखने का काम करता है और उम्मीद करते हैं कि जिसतरह से और दिनों की तरह आपलोग वाकआउट कर गये थे, बहिष्कार करने का काम किया था, इस बार हम युवा है, पहली बार बोल रहे हैं, आशा करते हैं कि आपलोग हमारे साथ रह करके, हमारी बातों को और जवाब को सुनने का काम कीजियेगा। साथ ही साथ जो हमारी सोच है कि नकारात्मक राजनीति नहीं होनी चाहिए, पोजिटिव सोच के साथ राजनीति होनी चाहिए, मिल-जुल करके चाहे केन्द्र हो, राज्य हो, मिल-जुलकर हमें अपना काम करना चाहिए, हमारी जो अपनी ईगो है, उनको साईड में करते हुए हमें बिहार की जनता और देश की जनता को सजा नहीं देना चाहिए। देश की जनता ने, नरेन्द्र मोदी जी और आपलोगों को देश चलाने के लिए मैनडेट दिया है और बिहार की जनता ने महागठबंधन को स्वीकार किया है और माननीय नीतीश जी के नेतृत्व में सरकार चलाने का निर्णय लिया है, तो इन सभी के मैनडेटों को हमलोग इनसंल्ट न करें और खासतौर से विपक्ष के लोगों का जो बिहार को बदनाम करने की साजिश या जो भी आपलोग करते हैं, वह ना करें। साथ ही साथ महोदय, जो पथ निर्माण विभाग है, किसी भी राज्य में चौमुखी विकास की कल्पना अच्छे इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के बिना संभव नहीं है, इन्फ्रास्ट्रक्चर उेवलपमेंट अहम भूमिका निभाता है और खासतौर से हम सदन को बताना चाहेंगे कि इस क्षेत्र में जो हमें जिम्मेदारी मिली है, पथ हो या भवन, खासतौर पर इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमलोगों का पूरा ध्यान रहे, इन्फ्रास्ट्रक्चर के बिना आप नहीं कह सकते हैं कि विकास हुआ है और जो हमारी सरकार नीतीश जी के नेतृत्व में जो पहली सरकार थी, उसका जो टारगेट था, जो निर्णय था कि पटना कोई भी कोने से आने में छः घंटा का समय लगेगा,

मुझे खुशी है कि नीतीश जी के नेतृत्व में जिसतरह का काम, लगन, मेहनत और ईमानदारी से करने काम किया है, तो हमलोगों ने उसे प्राप्त करने का भी काम किया है, नई सरकार बनने के साथ ही साथ एक और लक्ष्य हमलोगों ने प्राप्त करने का काम किया है, वह है कि छः घंटा न हो करके अब पॉच घंटा में इस दूरी को करना है और उसी आधार पर हमारी सरकार और हमारा डिपार्टमेंट काम कर रहा है। महोदय, महागठबंधन की जो इतनी बड़ी जीत हुई है, इसका संदेश पूरे देश में गया है, उस हिसाब से हमारे घटक दल जितने हैं, जितने गठबंधन के नेता हैं, एक साथ एकता का परिचय देने का काम किया है,यह जो विकास की गाड़ी है, विकास का जो रथ है, मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय नीतीश जी और हमलोग मिलजुल करके काम करेंगे, तो हमलोग इस विकास के रथ को 2019 में दिल्ली के लाल किला पर भी झंडा फहराने का काम करेंगे, साथ ही साथ ..... (व्यवधान)

अध्यक्षः- माननीय मंत्री, आप अपना वक्तव्य जारी रखें।

श्री तेजस्वी प्रसाद यादवः- महोदय, जैसा मैंने पहले कहा कि अब हमलोगों का नया टारगेट है, अब हमलोगों को पॉच घंटा में पूरा करना है और इसके लिए तमाम जो एन0एच0 की रोड्स हैं, चाहे वह फोर लेन में हो, एक लेन में हो, उसको ऊंचीकरण करना है, उसको चौड़ीकरण करना है और जितने भी एस0एच0 की रोड्स है, चाहे वह फोर लेन की रोड हो या सिंगल लेन की रोड हो, उसको हमलोग टू लेन में ले करके चौड़ीकरण करना है, जितने भी एम0डी0आर0 की रोउ हैं, इंटरमिडिएट लेन एवं दो लेनों में, उसको चौड़ीकरण करने का काम करेंगे, साथ ही साथ जितने भी पुल के संबंध में आपलोगों का सवाल आता है और हमें झेलना पड़ता है, जितने हमारे माननीय सदस्य हैं, वे पूछने का काम करते हैं, तो जितने भी हमारे पुराने पुल हैं, जो स्क्रू पाईल पुल हैं या नैरो ब्रीजेज हैं, उसके बारे में हमलोगों ने फैसला लिया है कि इन सभी को आर0सी0सी0 में पुल के निर्माण का काम करेंग, निर्धारित माईल स्टोन प्राप्त करने के क्रम में वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभाग द्वारा कुल 4677 करोड़ की लागत पर लगभग 1132 किलोमीटर पथांस में अप-ग्रेडेशन, चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य तथा कुल 767 करोड़ की लागत पर 19 अदद पुल-पुलियों का निर्माण कार्य हेतु प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गयी है। महोदय, हम बताना चाहेंगे कि टोटल बिहार में जितनी रोड्स हैं एन0एच0 का, वह 4621 किलोमीटर है, जिसमें से 2400 किलोमीटर आर0सी0डी0 यानि हमारी

डिपार्टमेंट मेनटेन करने का काम करती है, उसीतरह से एस0एच0-4253 किलोमीटर है, एम0डी0आर0-10634 किलोमीटर है महोदय, इन सारी चीजों को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने फैसला लिया है, हमलोगों ने बिहार रोड मास्टर प्लान 2035 तक बनाने का काम किया है, 15 से 35 यानि 20 वर्षों का हमलोगों ने प्लान बनाने का काम किया है और प्लान बनाने का वजह है, आप देखते होंगे महोदय कि भविष्य में और क्या कठिनाईयाँ आ सकती हैं, अगर हमलोग भविष्य को देखते हुए अगर हम अभी से काम नहीं शुरु करेंगे तो आगे जाने वाले हमारे जितने भी टारगेट हैं या रोड पर डेनसिटी है, जो ट्राफिक की समस्या उत्पन्न होती है, इसको दूर करने के लिए अभी से इस प्लान के तहत ग्रैजुएली पॉच-पॉच साल ले करके हमलोग इस कार्य को पूर्ण करने का काम करेंगे, इसमें नीदरलैंड की एजेंसी है,वह सारी चीजों का,कौन सा रोड पर आवागमन है,कौन सा रोड खाली है,किस रोड को हमलोग किस रोड से जोड़ने का काम करेंगे ताकि फ्यूचर में रोड पर जो ट्राफिक होगा, जिसमें आना-जाना से ले करके सारा काम जिसमें आर्थिक रुप से भी काफी समस्याएँ आती हैं, उसके निदान के लिए हमारी सरकार भविष्य में क्या प्रॉबलम आयेगा, अभी से इस बात को सोचते हुए इस कार्य को करने जा रहे हैं महोदय। साथ ही साथ जब हम बात करते हैं पॉच घंटा की दूरी को हमलोग कैसे एचिभ करेंगे, तो मान लीजिये कि सबसे दूरी जो जिला है, वह है किशनगंज ।

क्रमशः

टर्नः 25/कृष्ण/10.03.2016

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव (क्रमशः) महोदय, हम सदन को बताना चाहेंगे कि जितने भी ऐसे रास्ते हैं, उदाहरण क`तौर पर हम कह रहे हैं, ऐसे जितने भी रास्ते हैं, जितने भी उसमें दिक्कतें हैं, उसको हमने आईडेन्टीफाई करने का काम किया है, चिन्हित करने का काम किया है । जहां हमको वाईडेनिंग करना है, जहां हमको स्ट्रेंथनिंग करना है, जहां गड्ढे हैं, उनको भी हमने नोटीस करने का काम किया है और उस पर हमलोग काम शुरू करने जा रहे हैं।

महोदय, केन्द्रीय मंत्री श्री नितीन गडकरी जी से हम मिलने गये थे । उनसे मिल करके काफी अच्छा लगा, पॉजीटिव मीटिंग हुई । माननीय मंत्री जी का रवैया काफी अच्छा था । हमारे साथ उन्होंने बड़ी-बड़ी बातें करने का काम किया था ।

लेकिन वापस आने के बाद हमें ऐसा लगा कि हमारी जो उनसे मुलाकात हुई थी, वह भूल गये । हमने उनको दोबारा चिट्ठी भेजा । उन्होंने निर्णय लिया था कि एक सप्ताह में हमलोग सारी चीजों का फैसला कर लेंगे । 9 एजेंडों की मीटिंग थी, वहां हमलोगों ने सारी चीजें, हमारी जो दिक्कते हैं, हम अच्छी सोच के साथ गये थे कि हमलोग मिल-जुल कर काम करेंगे । बिहार को ऊचाईयों पर ले जायेंगे और एक अच्छा संदेश बिहार और देश की जनता को देने का काम करेंगे । हालांकि दुख होता है, आपलोग जानते हैं, सब लोग जानते हैं और जितने माननीय सदस्य यहां बैठे हैं, सब लोग इससे अवगत होंगे कि गांधी सेतु की क्या स्थिति है। गांधी सेतु एन0एच0 में आता है, जिसको हमलोग मेन्टेन कर रहे हैं । लगातार हमलोगों ने इसको मेन्टेन करने में कितना पैसा बहा दिया और लगातार उसके लिए अभियंता रोज मोनिटरिंग करने का काम करते हैं । गांधी सेतु जो पुल है, जिस मोडम के साथ बनाने का काम किया था, एक ऐसा ही पुल गोवा में था और एक ऐसा ही पुल चायना में था, जो ध्वस्त हो चुका है, गिर चुका है । हमने नितीन गडकरी जी के सामने बात करके इन सारी चीजों को रखने का काम किया । हमने उनसे कहा कि यह नॉर्थ बिहार को जोड़नेवाला पुल है, लाईफ लाईन है गांधी सेतु । इस पर निर्णय आपको शीघ्र से शीघ्र लेना होगा । इसका एस्टीमेट भी बन चुका है । जायका वालों ने भी बनाया है । एक और एजेंसी है जिसके बारे में केन्द्रीय मंत्री जी कह रहे थे, इसका जो पीलर वगैरह है, फाउन्डेशन है, वह सब ठीक है । मगर इसका जो ऊपरी स्ट्रक्चर है, उसको हटा करके हम स्टील प्लेटेड कर के हमको अच्छे से ऊपर का पूरा भाग बनाना है । ये सब बाातें हमलोगों ने रखने का काम किया है । माननीय नितीन गडकरी जी ने कहा कि इस चीज पर हमलोग गौर करेंगे । देखेंगे । हालांकि वे कंफ्यूज थे । देश भर में गंगा नदी कहां-कहां है, कितने पुल हैं, इस चीज का उनको कंफ्यूजन था । फिर हमलोगों ने बताने का काम किया । यह लाईफ लाईन है, जो नॉर्थ बिहार को जोड़ने का काम करता है । इस पर निर्णय आपको लेना है । एस्टीमेट बन चुका है । 1800करोड़ की लागत से यह पुल बनना है । हमलोग लगातार इसके लिए रिमाईन्डर देने का काम कर रहे हैं । माननीय प्रधान मंत्री जी आ रहे हैं । हमारे विभाग ने, राज्य सरकार ने हर प्रयास करने का काम किया है कि उसकी बेहतरी के लिए हमलोग इस काम को पूरा करें । अब करते हैं, नहीं करते हैं, निर्णय उनके पाले में है । हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द निर्णय ले करके इसका पूरा काम कराया जाय।

इसी पर चिन्तित हो करके हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी ने एक फैसला लिया था जिसके तहत कच्ची दरगाह से विद्दुपुर तक 6 लेन का पुल बनाने का काम कर रहे है, जो कि बिहार के लिए ही नहीं बल्कि देश के लिए गौरव की बात होगी । एशिया पर सबसे बड़ा पुल नदी पर बनने जा रहा है । महोदय, यह गौरव की बात है । लगातार उन्होंने भी प्रयास किया था कि केन्द्र से सहयोग मिले । मगर दुख होता है, जिस हिसाब से राजनीति है, केन्द्र से हमें कोई सहयोग नहीं मिला । हम बताना चाहेंगे कि इसकी कुल लागत जो कच्ची दरगाह-विद्दुपुर 6 लेन का पुल है, इसकी लागत 5000करोड़ का है, जिसमें 3000करोड़ रूपये का लोन ए0डी0बी0 से स्वीकृत हो गया और 2000 करोड़ रूपये राज्य सरकार अपना लगाकर इस पुल को बनाने का काम करेगी । महोदय, हम सदन को यह बताना चाहेंगे कि 4 सालों के अंदर, साढ़े चार सालों के अंदर इसको पूर्ण कर लेंगे और यह गौरव की बात होगी। इसमें भी दुख होता है कि इसमें भी राजनीति है । प्रतिपक्ष के नेता, बीजेपी के लोग, भाई, दो अलग-अलग चीजे हैं । आपलोग जानते हैं, हमलोग कार्य आरंभ के लिये गये थे और निमंत्रण तो आपलोगों को भी दिया गया था । आपलोगों को आना चाहिए था । जब काई अच्छाई होती है तो आपलोग उसको दिखाने का काम नहीं करते हैं । आपलोगों को कम से कम धन्यवाद देना चाहिए कि हमारी सरकार काम कर रही है । मगर आपलोग माईक्रोस्कोप लेकर बैठे हैं कि क्या कमी है । मगर उसमें भी नहीं मिल रहा है । तो फिर से पुरानी राजनीति पर आ गये । फिर वही जंगल राज, वही सारी चीजे । मगर हम उस पर जाना नहीं चाहेंगे । देखिये, इस पुल से कितना बड़ा लाभ है । खास तौर पर हमारा जो राघोपुर क्षेत्र जो दियारा का ईलाका है, दोनों तरफ से नदियां है, आवागमन में इतने लोगों को परेशानी होती है । बहुत परेशानी होती है । इस फैसले से बिहार की तमाम जनता ने राघोपुर की जनता ने उसका स्वागत करने का काम किया है । वहां जाकर देखें कि लोग कितने खुश हैं । चुनाव के समय जब हमलोग जाते थे तो उनकी मांग रहती थी कि पुल और माननीय नीतीश कुमार जी ने निर्णय लिया और उसकी जिम्मेदारी हमको दिया है पूरा करने के लिये और सदन को हम आश्वस्त करते हैं कि इस कार्य को हम जल्द से जल्द पूरा करने का काम करेंगे ।

महोदय, सदन के सामने हमारे विभाग ने जो लक्ष्य वित्तीय वर्ष में कार्य पूर्ण किया है, वह हम सदन के सामने रखना चाहते हैं । हम बताना चाहेंगे जो हमारी एचीवमेंट रही है । वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभाग की योजना

उद्व्यय लगभग 4,820 करोड़ रूपये जिससे लगभग 1150 कि0मी0 सड़कों का सुदृढ़ीकरण,चौड़ीकरण,मजबूतीकरण कार्य और 20 पुल-पुलियों का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है । महोदय, मुझे यह जानकारी देते हुये हर्ष हो रहा है कि मैंने स्वयं सभी कार्यपालक अभियंताओं ,अधीक्षण अभियंताओं, मुख्य अभियंताओं एवं दोनों निगमों के प्रबंध निदेशकों के साथ योजनाओं की समीक्षा कर चालू की गयी योजनाओं का कालबद्ध तरीके से पूर्ण करने का निर्देश दिया है ।

महोदय, स्टेट हाई-वे संख्या 68,69,83,86,89 सहित मार्च माह में विभिन्न प्रमंडलों एवं निगमों द्वारा दिसंबर से लेकर मार्च के दौरान पूर्ण किये गये पथ निर्माण एवं पुल निर्माण की योजना सहित लगभग 800 कि0मी0 पथांश का उद्घाटन किया जायेगा । महोदय, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पथ निर्माण विभाग द्वारा 4,820 करोड़ के उद्व्यय के अनुरूप लगभग शतप्रतिशत व्यय कर लिया जायेगा । महोदय, आपको अवगत कराना चाहूंगा कि वर्तमान वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभाग द्वारा माह फरवरी,2016 तक कुल लगभग 1500 कि0मी0 पथ और लगभग 300 पुल पुलिया का निर्माण कार्य पूर्ण करा लिया गया है ।

महोदय, माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पथ निर्माण विभाग की कोशिश है कि राज्य में पथ की ऐसी व्यवस्था हो जिससे आवागमन सुगम, तीव्र और सुरक्षित हो । एम्स एन0एच0 98 दीघा घाट तक एलीवेटेड, सेमी ऐलीवेटेड कोरीडोर का निर्माण कार्य वर्ष 2017 तक पूर्ण कर लिया जायेगा । सहरसा एवं दरभंगा के बीच कोसी नदी के बलुआहा घाट पर निर्मित पुल को जोड़नेवाले गंडौल से हाथी कोठी, बिरौल, दरभंगा तक पुल एवं पथ परियोजना का कार्य प्रगति पर है। गोपालगंज जिले में बंगरा घाट पर मुजफ्फरपुर,सारण जिला को जोड़ने हेतु पुल एवं पहुंच पथ तथा औरंगाबाद के दाउदनगर एवं रोहतास के नासरीगंज के मध्य सोन नदी पर पुल एवं पहुंच पथ का निर्माण किया जा रहा है । साथ ही, चकिया-केसरिया सत्तरघाट पथ मे गंडक नदी पर उच्च स्तरीय आर0सी0सी0 पुल का निर्माण किया जा रहा है । इन सब पुल परियोजनाओं को वर्ष 2017 तक पूर्ण कर लेने का लक्ष्य है । महोदय, भागलपुर में सुलतानगंज एवं खगड़िया जिला के अगुआनी घाट के बीच गंगा नदी पर भी पुल निर्माण का कार्य प्रगति पर है जिसे वर्ष 2019 तक पूर्ण कर लेने का लक्ष्य है । महोदय, पटना शहर में यातायात की समस्या से निजात पाने के लिये बेलीरोड के ललित भवन से विद्युत भवन के बीच 4 जंक्शनों पर यातायात के निर्बाध रूप से परिचालन हेतु आई0आई0टी0 दिल्ली से

प्राप्त तकनीक के आधार पर विभिन्न संरचनाओं पर आधारित लोहिया पथचक्र का निर्माण कार्या प्रारंभ कर दिया गया है । साथ ही मीठापुर ऊपरी पुल से भिखारी ठाकुर यारपुर ऊपरी पुल वगैरह आर0 ब्लौक जंक्शन को जोड़ने के लिए एवं मीठापुर फ्लाई ओवर से चिरैयांटाड़ फ्लाई ओवर भाया करबिगहिया को जोड़ने हेतु ऊपरी पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है । महोदय, चिरैयांटाड़ पुल से ब्रज किशोरपथ का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 07.02.2016 एवं फल्गू नदी पर मानपुर प्रखंड में बने पुल तीन लेन का उद्घाटन दिनांक 18.02. 2016 कीं मेरे द्वारा किया जा चुका है ।

क्रमश :

टर्न-26/सत्येन्द्र/10-3-16

श्री तेजस्वी प्रसाद यादवः महोदय,यह बताते हुए मुझे हर्ष हो रहा है कि 826 करोड़ की लागत से गंडक नदी पर गोपालगंज-बेतिया के बीच नये आर0सी0सी0 पुल का उद्घाटन 13 मार्च को किया जायेगा। मुख्यमंत्री सेतु योजना के तहत वर्त्तमान वित्तीय वर्ष में जनवरी 2016 तक 260 पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष पुलों का निर्माण आगामी वर्षों में पूर्ण कर लिया जायेगा महोदय।

श्री प्रेम कुमारः महोदय,बिहार में पहली बार दरभंगा.....

(व्यवधान)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादवः हर बात आपका गंभीर ही होती है।

(व्यवधान)

श्री प्रेम कुमारः महोदय,पहली बार बिहार में दो अभियंता की हत्या हुई महोदय,दरभंगा बहेड़ी पथ में महोदय एस0एच0 की सड़क बन रही थी, रंगदारी मांगने लेकर महोदय नई सरकार जब से बनी है दो अभियंता की हत्या हुई है। पूरे राज्य में कानून व्यवस्था खत्म हो गयी है,रंगदारी मांगा जा रहा है। पूरे राज्य में सड़कों का निर्माण कार्य बंद है, बालू नहीं मिल रहा है, छरी नहीं मिल रहा है, पूरे राज्य में रंगदारी मांगा जा रहा है सड़क बनाने वालों से। सरकार कानून व्यवस्था के मामले में पूरी तरह से फेल है।

(व्यवधान)

पूरे राज्य में कानून व्यवस्था ठीक नहीं है और यहां के लोग बाहर जाने वाले हैं। अभियंताओं को पहली बार हत्या हुई है सरकार हत्यारे को पकड़ नहीं पायी है। कहीं कानून व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं है। भारत सरकार ने 58 हजार करोड़ की राशि स्वीकृत किया है इसलिए हमलोग सदन से बहिष्कार करते हैं।

(इस अवसर पर विपक्ष के माननीय सदस्यगण सदन से वाकआउट कर गये)

श्री तेजस्वी प्रसाद यादवः महोदय,समय बर्बाद हुआ,अब हम अपने विषय पर दोबारा आते हैं। पर्यटन और संस्कृति का भी बहुत महत्व है। हमारा तमाम सदस्यों से अपील होगा कि जितने भी पर्यटन स्थल है जो छुटे हुए हैं, वहां आप हमको सुझाव दीजिये। ललन पासवान जी ने यह सुझाव दिया है उस पर हमलोग विचार करके उन सारे कार्य को भी देखने का काम करेंगे तो कहीं भी पर्यटन और संस्कृति महत्व और कृषि उत्पादक जो क्षेत्र है अगर आप हमलोगों को जानकारी देने का काम कीजियेगा तो इसमें भी हमारी सरकार तैयार रहेगी उन सारी जगहों पर रोड देने का ताकि आवागमन में दिक्कत नहीं हो। महोदय, अभी तो पूरी बात उन्होंने सुनी भी नहीं थी विपक्ष के लोग आगे का और सुन भी नहीं पाते, बोल भी नहीं पाते, चुपचाप निकल पाते हमलोगों का जो एन0एच0 की जो रोड है उसके लिए हमलोगों ने राज्य सरकार ने खुद पैसा लगाकर के इसको पूरा कराने का काम किया था, रखरखाव करने का काम किया था जिसका लगभग हजार करोड़ के करीब जिसका हमें पैसा देना था महोदय इस इश्यू को भी हमने नितिन गडकरी जी के सामने रखा था चूंकि हमलोगों ने अपना योगदान देकर के उसका रखरखाव करने का काम किया था लेकिन इस पे वे साफ मुकर गये। उन्होंने कहा कि हमारे पास फंड की कमी है हम आपको पैसा नहीं दे सकते तो महोदय इतना बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर का वो कहते हैं बजट आ रहा है, कृषि पर बजट आ रहा है, इतना हजारों करोड, लाखों करोड़, इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमको एक हजार करोड़ जिसका हमने रख रखाव किया है उसके लिए हमलोगों को मना कर दिया गया है महोदय साथ ही साथ महोदय हम आपको बतलाना चाहेंगे कि प्रधानमंत्री जी का आजकल भाषण हमलोग सुनते होंगे तो हर बात पे आप लोग गौर कीजियेगा हर जगह यह बात बोलने का काम करते हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि यहां भी आयेंगे तो बोलने का काम करेंगे। यह मेरा कोई आंकड़ा नहीं है जो आपलोगों के सामने, सदन के सामने प्रस्तुत करने जा रहे हैं। ये एन0एच0आई0 का आंकड़ा है जिसको हम बतलाने का काम करेंगे। पहले सुन लीजिये प्रधानमंत्री जी क्या बोलते हैं- प्रधानमंत्री जी बोलते हैं कि यू0पी0ए0 की जब सरकार थी तो एक दिन में दो कि0मी0 रोड बनाने का काम करते थे और जब बी0जे0पी0 की सरकार

बनी है पहले साल से ही 14 कि0मी0 हर एक दिन वो रोड बनाने का काम कर रहे हैं और यहीं नहीं आने वाले समय में वो 18 कि0मी0 रोड हर रोज बनाने का काम करेंगे। इतना बड़ा झूठ और देश को गुमराह किया जा रहा है महोदय इसके संदर्भ में हम कहना चाहते हैं हकीकत अगर बात की जाय तो सच्चाई यह है कि मेरा आंकड़ा नहीं है एन0एच. आई0 का है,जितना भी निर्माण करना है उसी एजेंसी को करना है उसी के रिपोर्ट के आधार पर, उसका यह रिपोर्ट है कि जब यू0पी0ए0 की सरकार थी 2012-13 में तो यू0पी0ए0 की सरकार में 2844 कि0मी0 रोड बनाने का काम किया था और बी0जे0पी0 पहले साल में 1501 कि0मी0 2014-15 में इनलोगों ने बनाने का काम किया था जो कि 45 फीसदी कम है यू0पी0ए0 सरकार से ओर ये कहते हैं कि डेली 18 कि0मी0 रोड बनाने का काम करेंगे। यही नहीं 11-12 में यू0पी0ए0 सरकार ने 2248 कि0मी0 रोड बनाने का काम किया था जो कि 15-16 में 1771 कि0मी0 रोड बीजेपी के लोगों ने बनाने का काम किये हैं तो ये किसको गुमराह कर रहे हैं ये तो बहुत ही बड़ी बात है फिर यहां आयेंगे हमलोगों ने इतना दवाब बना दिया है कि उनको सोचने पर आज मजबूर हो गयें हैं निर्णय लेने पर मजबूर हो गये हैं जो बिहार का हक है उसको वो दे या नहीं दे और अगर नहीं देंगे तो हमलोगों में इतना शक्ति है आपलोगों के आशीर्वाद से महोदय अगर सब लोगों का सदस्यों का साथ मिलेगा तो जो अपना अधिकार है वो हमलोग केन्द्र सरकार से लेकर रहेंगे यह हम बतलाना चाहते हैं। 12 तारीख को आ रहे हैं उनको मजबूरन कुछ न कुछ हमलोगों को देना पड़ेगा क्योंकि हमलोगों ने लगातार प्रयास कर के केन्द्र सरकार पर दवाब बना रखा है ये सदन के सामने हम बताने का काम करेंगे। महोदय,एक चीज और 2400 कि0मी0 रोड एन0एच0 बनाने का हमलोग काम करते हैं और इसके मेनटेनेंस के लिए हमें जो रकम केन्द्र द्वारा मिलती है वह तकरीवन 80-100 करोड़ हमें सलाना मिलता है जो कि हमारा जो मांग है वो ठीक दोगुना है। हमें पूरा रकम दी जाय चूंकि एन0एच0 के रोड से कोई भी बात छुपा नहीं है कि कितना बद से बदतर स्थिति में है। अभी एन0एच0 के कई ऐसे रोड हैं जो सिंगल लेन में हैं महोदय, कई जगह गड्ढे हैं आप कोई भी एन0एच0 रोड उठा लीजिये तो उसकी स्थिति ठीक नहीं है हालांकि जितना हमलोगों से बन पाता है जितना हमलोगों के पास राशि उपलब्ध होती है उसको हमलोग लगाने का काम करते हैं। मगर उस राशि से उसका पूर्ण रूप से मेनटेन नहीं हो सकता है महोदय, हमें और रकम हमलोगों को चाहिए था और दोगुना रकम हमलोगों को चाहिए था ये बात भी हमने नितिन गडकरी के सामने रखने का काम किया था मगर इसमें भी उनलोगों ने कोई निर्णय नहीं लिया। महोदय, साथ ही साथ हम आपको बताना चाहेंगे कि अभी विपक्ष के लोग थे प्रेम कुमार जी भी थे। दीघा घाट रेल

कम रोड ब्रीज जो बना है उसमें इनलोग टिकट कटा कटा कर के बैठने का काम किये हैं। ये दिखाने का काम काम किये, काम किसी और का और ये लोग श्रेय लेना चाहते हैं कि इन्होंने कराने का काम किया । दीघा घाट का किसी से छूपा नहीं है, जब पूर्व रेलमंत्री 2006 में तत्कालीन रेलमंत्री श्री लालू प्रसाद यादव जी द्वारा इसी रेल सह सड़क सेतु का रूप में बनाने का निर्णय लिया गया था महोदय, ये किसी से छूपा नहीं है मगर श्रेय हर बात पे इनको श्रेय चाहिए। काम कुछ नहीं, बड़ी बड़ी भाषण करेंगे मगर काम के नाम पे कुछ नहीं। महोदय,खास तौर पर इसका जो समस्या जो आ रहा था पहले इसको एन0एच0आई0 को बनाना था जो एप्रोच रोड है दीघा वाले का तो 2015 में यह हमलोगों को दे दिया गया। हमलोगों ने इस कार्य को स्वीकार किया और मुझे सदन को बतलाते हुए बहुत खुशी होगी कि इस एप्रोच रोड को बनाने में जो जमीन अधिग्रण की जो समस्या हो रही थी हमने खुद जिलाधिकारी को बुलाकर के एक मीटिंग किया और उसमें हमलोगों ने समस्या का हल किया और काम शीघ्र और प्रगति पर है महोदय, ये सदन को हम बताना चाहेंगे। साथ ही साथ एन0एच0 का कई ऐसी परियोजना है जो लंबित है जो कार्य पूरा नहीं हो पा रहा है इसमें जो सबसे बड़ी जो समस्या आ रही है महोदय कि एन0एच0 का अपना खुद का ऐक्ट है वो लैंड एक्वायर करने का। राज्य सरकार चार गुणा नये जमीन अधिग्रहण नियम के अनुसार चार गुणा ज्यादा मुआवजा हमलोग दे रहे हैं। अगर उसमें भी हमें जमीन उपलब्ध नहीं होता है तो लीज पर जमीन लेने का काम करते हैं, मगर किसान देखता है कि इस रोड का हमें चार गुणा पैसा मिल रहा है और एन0एच0 वाले रोड का है इसमें हमको उतना नहीं मिल रहा है तो महोदय इसमें भी लटक जाता है योजना इसमें भी निर्णय केन्द्र की सरकार को लेना होगा उसमे ऐक्ट जो उनका है एन0एच0 का,उसमें भी बदलाव करने की जरूरत है। इन सारी बातों को हमलोगों ने उठाने का काम किया था महोदय, साथ ही साथ रोड मेनटेनेंस के लिए हमारे पास एक स्कीम है ओ0पी0आर0एम0सी0 के अन्दर पांच साल में हमलोग सारी चीजों को रोड मेनटेन करने का काम करते हैं, टॉल फ्री नम्बर है महोदय,क्वालिटी ऑफ रोड का महोदय, बहुत अहम प्रश्न जो एक बात मैं कहकर के ज्यादा चीजें और नहीं कहूंगा। (क्रमशः)

टर्न–27/मधुप/10.03.16

श्री तेजस्वी प्रसाद यादव : ...क्रमशः... समय कम है लेकिन हम पूरे सदन को एक बात बताना चाहेंगे कि भ्रष्टाचार के लिए हमारी सरकार और हमारा डिपार्टमेंट, कोई पद नहीं देखा जायेगा, कोई नाम नहीं देखा जायेगा, जो अधिकारी अगर लिप्त पाया जायेगा, उसको हमारी सरकार कार्रवाई करके सजा देने का काम करेगी ।

महोदय, प्रेम कुमार जी रंगदारी की बातें कह रहे थे, मैं बताना चाहूँगा सदन को कि दरभंगा में जो हादसा हुआ था, निजी कम्पनी के इंजीनियर्स की जो हत्या कर दी गई थी, उस विषय को हमलोगों ने काफी गम्भीरता से लेने का काम किया । गम्भीरता से लिया और इसके लिए हमने स्पेशली, जो आज तक किसी भी मंत्री ने यह मीटिंग नहीं बुलाई होगी, सारे कंट्रैक्टर्स को हमलोगों ने बुलाकर आश्वस्त करने का काम किया कि अगर आपको कोई दिक्कत हो, मीटिंग में हम थे, प्रधान सचिव थे, पुल निर्माण निगम के एम0डी0 थे, सारे अधिकारी, सब लोग मौजूद थे, यह आश्वस्त किया कि अगर कोई भी छोटा सा छोटा रंगदारी माँगने का काम करता है, आपको फोन करता हो या धमकाने का काम करता है तो उसको छोटा ना समझें, गम्भीरता से लें और हमने अपना नम्बर भी उपलब्ध कराने का काम किया, प्रधान सचिव का भी नम्बर उपलब्ध कराने का काम किया कि हमको बताया जाय । मगर जो चर्चा हमने बीच में न्यूज में देखा था, ये लोग बोल रहे थे कि बिहार में सारी परियोजनाएँ, रोड का काम ठप पड़ा हुआ है । यह सारा फॉल्स न्यूज था महोदय, सदन को और पूरे बिहार के लोगों को इनलोगों ने गुमराह करने का काम किया था । सारे अभियंताओं से, सारे कंट्रैक्टरों से खुद हमारी बात हुई थी, सब लोग सुरक्षित हैं और सारे जगह पर काम गति से चल रहा था । दरभंगा में जिनकी हत्या हुई, उसके जो हत्यारे थे, एक गिरफ्तारी हुई है जो शूट करने का काम किया था । इसको हमारी सरकार ने गम्भीरता से लेने का काम किया । कम समय मिला महोदय, जो भी समय मिला इसके लिए हम आपको धन्यवाद देते हैं ।

महोदय, आपकी अनुमति से मैं वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिए अनुदान माँग संख्या–41 के अधीन पथ निर्माण विभाग का 65 अरब 99 करोड़ 6 लाख 38 हजार रूपये का अनुदान माँग स्वीकृति हेतु सदन के सदन के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ तथा जो माननीय सदस्य विनोद कुमार सिंह जी ने कटौती प्रस्ताव दिया है, उसके लिए भी हम अनुरोध करते हैं कि वे अपना प्रस्ताव वापस ले लें ।

अध्यक्ष : क्या माननीय सदस्य श्री विनोद कुमार सिंह, अपना कटौती प्रस्ताव वापस लेना चाहते हैं ?

(माननीय सदस्य अनुपस्थित)

अध्यक्ष : प्रश्न यह है कि

''इस शीर्षक की मॉग 10/- रूपये से घटाई जाय ।''

यह प्रस्ताव अस्वीकृत हुआ ।

अध्यक्ष : अब मैं मूल प्रस्ताव को लेता हूँ ।

प्रश्न यह है कि

'' पथ निर्माण विभाग के सम्बन्ध में 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के भीतर भुगतान के दौरान जो व्यय होगा, उसकी पूर्ति के लिए 65,99,06,38,000/- (पैंसठ अरब निनानवे करोड़ छः लाख अड़तीस हजार) रूपये से अनधिक राशि प्रदान की जाय ।''

यह प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

मॉग स्वीकृत हुई ।

अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, आज दिनांक 10 मार्च, 2016 के लिए स्वीकृत निवेदनों की कुल संख्या 24 (चौबीस) है । अगर सदन की सहमति हो तो इन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाय ।

(सदन की सहमति हुई)

अब सभा की बैठक शुक्रवार, दिनांक 11 मार्च, 2016 को 11.00 बजे पूर्वाह्न तक के लिए स्थगित की जाती है ।